खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 28 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-267

सरकार की शानदार शोशेबाजी बनाम बीमार स्वास्थ्य सेवा

इलाज बिना बेमौत मर रहा स्वास्थ्य का अधिकार!

कुछ ही महीने पहले की बात है। 20 जून को उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एक निजी अस्पताल द्वारा इलाज करने से इन्कार करने के बाद पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई। दिहाड़ी मजदूर माता-पिता ने दावा किया कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे अपनी बेटी के इलाज के लिए मांगे गए 20,000 रुपए तुरंत नहीं दे पाए। इसी तरह जनवरी में बेंगलुरु में गैस्ट्रिक कैंसर से पीड़ित 72 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि उन्हें सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा नहीं मिला। इस तरह के उदाहरण अनगिनत हैं और भरे पड़े हैं, लेकिन केंद्र से लेकर राज्य सरकारें तक स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किस्म-किस्म के ढोल बजाती रहती हैं।

पैसे के अभाव में इलाज नहीं होने के कारण मरने वालों की संख्या और घटनाएं स्वास्थ्य चिकित्सा देखभाल के अधिकार को सम्मान के साथ जीने के अधिकार से अविभाज्य माना, जिसका अर्थ है कि स्वास्थ्य सेवा से वंचित करना एक संवैधानिक विश्वासघात और एक गंभीर नैतिक विफलता है।

शुभ-लाभ सरोकार

सेवा तक पहुंच में बढ़ती बाधा के भयावह पैटर्न का हिस्सा हैं। जहां आम मरीजों को हाशिए पर धकेला जा रहा है और भुगतान न कर पाने के कारण उन्हें जीवन रक्षक देखभाल से वंचित किया जा रहा है। 1989 में सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने

जब स्वास्थ्य को अधिकार के बजाय एक वस्तु माना जाता है, तो जांचों या दवाओं का भुगतान भी एक परिवार को भारी कर्ज में धकेल देता है। इसी का परिणाम है इलाज में देरी, बचत का खत्म होना, गहने बिक जाना और जमीन गिरवी रखना। ऐसे

देश में जहां स्वास्थ्य सेवा पर लगभग आधा खर्च सरकारी कार्यक्रमों या बीमा द्वारा वहन किए जाने के बजाय जेब से किया जाता है, विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि लगभग 5.5 करोड़ लोग हर

टेंट में पैसा हो तभी खुलता है अस्पताल का गेट

साल सिर्फ चिकित्सा के खर्च के कारण गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।

महंगी चिकित्सा देखभाल बीमारी, कर्ज और निराशा का एक सतत चक्र बना रही है जो आम लोगों को भी गरीबी दर गरीबी में फंसा रही है। यह परिवारों से स्थिरता और आशा छीन रही है। उदाहरण के लिए, तपेदिक के रोगियों के लिए, सात से नौ सप्ताह की देरी परिवार की वार्षिक आय के पांचवें हिस्से से भी ज्यादा को निगल रही है। यह तब होता है जब उपचार शुरू भी नहीं होता। एक रिपोर्ट के अनुसार, कैंसर रोगियों के परिवार पांच लाख रुपए से ज्यादा का खर्च अपनी जेब से करते हैं।

यहां तक कि मुफ्त सरकारी क्लीनिकों में भी, परिवारों को अनौपचारिक शुल्कों का सामना करना पड़ता है। वे ऊंची ब्याज दरों वाले ऋणों का सहारा लेते हैं और जरूरी अनुवर्ती देखभाल से वंचित रह जाते हैं, जिससे उनकी बीमारी और गरीबी बनी रहती है। भारी बिलों की आशंका कई लोगों को घर पर ही कठिन जीवन बिताने के लिए मजबूर करती है जब तक कि स्थिति गंभीर न हो जाए। उच्च रक्तचाप या प्रारंभिक अवस्था का तपेदिक, जिसका समय रहते पता चल जाए तो आसानी से नियंत्रित हो जाता है, अक्सर तभी पता चलता है जब गहन (और कहीं ज्यादा महंगे) हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। ▶10पर

पीएम मोदी ने ओड़ीशा को दी 60,000 करोड़ की विकास योजनाएं

संकल्प है, चिप से लेकर शिप तक भारत में बने

झारसुगुड़ा, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओड़ीशा के झारसुगुड़ा में 60,000 करोड़ से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में स्वदेशी 4-जी नेटवर्क, रेलवे, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। पीएम मोदी ने इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित किया और कहा कि यह बड़ी सौगात ओड़ीशा और देश के बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण को मजबूती देगी।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम में राज्य और देश के लिए कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने

जहां भी होगी कांग्रेस की सरकार, वहां लोगों को लूटेगी

नवरात्रि के पावन पर्व का जिक्र करते हुए ओड़ीशा के लोगों को नमन किया। पीएम मोदी ने कहा कि डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनाव के दौरान ओड़ीशा के लोगों ने विकसित ओड़ीशा के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया था। अब ओड़ीशा डबल इंजन की रफ्तार से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर ओड़ीशा और देश के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट्स का काम शुरू हुआ है।

पीएम मोदी ने बीएसएनएल की स्वदेशी 4-जी सेवाओं को लॉन्च किया। यह भारत के लिए गर्व की बात है कि बीएसएनएल ने पूरी तरह से स्वदेशी 4-जी तकनीक विकसित की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिनके पास 4-जी सेवाएं लॉन्च करने की पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक है। यह पहल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। ▶10पर

अराजकता फैला कर फिर विदेश गायब हो गए राहुल गांधी

काठमांडू के पहले मलेशिया लद्दाख के बाद द. अमेरिका

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में अराजकता फैला कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी फिर विदेश गायब हो गए। काठमांडू विद्रोह के पहले राहुल गांधी मलेशिया गए थे। अब लद्दाख हिंसा के बाद राहुल गांधी के दक्षिण अमेरिका जाने की खबर है। हर बार राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का सिरा षडयंत्र से जुड़ता है।

बताया गया है कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस बार दक्षिण अमेरिका के दौरे पर गए हैं। विद्वान राहुल गांधी चार दक्षिण अमेरिकी देशों में राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालयों के छात्रों और व्यापारिक समुदायों को संबोधित करेंगे। ऐसा ही कांग्रेस पार्टी द्वारा बताया गया

राहुल की विदेश यात्राओं से जुड़ता है षडयंत्र का सिरा

है। कांग्रेस के प्रवक्ता स्वनामधन्य पवन खेड़ा ने पार्टी की ओर से यह आधिकारिक जानकारी दी है। उन्होंने इस जानकारी के साथ यह नहीं बताया कि राहुल गांधी की इसके पहले हुई मलेशिया यात्रा या अन्य विदेश यात्राओं के बारे में गोपनीयता क्यों बरती गई थी? सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर राहुल गांधी बेहद गुप्त तरीके से विदेश क्यों चले गए थे या क्यों विदेश जाते रहे हैं? राहुल गांधी की संदेहास्पद गोपनीय विदेश यात्राओं को लेकर केंद्रीय अर्ध सैनिक बल सीआरपीएफ ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर कड़ा विरोध जताया था और इसके खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय को औपचारिक पत्र भी लिखा था। इस पत्र का ही नतीजा है कि राहुल गांधी की वर्तमान यात्रा की सूचना औपचारिक तौर पर गृह मंत्रालय को देनी पड़ी और कांग्रेस पार्टी को यह सूचना सार्वजनिक करनी पड़ी। ▶10पर

बिहार चुनाव में एनडीए के बीच सीट बंटवारे का फार्मूला तय

203 सीटों पर लड़ेगी भाजपा-जदयू सहयोगियों को 40 सीटें

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राजग में सीट बंटवारे का फार्मूला तय हो गया है। तय फार्मूले के मुताबिक भाजपा 101, जदयू 102 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शेष 40 सीटें तीन अन्य सहयोगियों लोजपा (आर), हम और आरएलएम के बीच बंटेंगी। सीट बंटवारे की आधिकारिक घोषणा तीनों सहयोगियों की सीटों पर सहमति बनाने और चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद की जाएगी।

हालांकि इतना तय है कि लोजपा (आर) को अधिकतम 25 सीटों पर संतोष करना होगा। सीटों की संख्या के सवाल पर जदयू के इतर अन्य तीन दलों से विमर्श का दौर जारी है। पार्टी चाहती है कि 25 सीटें लोजपा (आर), आठ से दस सीटें हम और पांच सीटें आरएलएम को मिले। हालांकि लोजपा (आर) कम से कम 40 तो हम एक दर्जन सीटों की मांग कर रही है। उक्त सूत्र ने कहा कि फिलहाल यह तय है कि भाजपा और जदयू 203 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। शेष चालीस सीटें अन्य सहयोगियों में बंटेंगी।

भाजपा में उम्मीदवारों का पैनल तैयार करने का सिलसिला जारी है। पटना में बुधवार से शुरू हुई दो दिवसीय कोर ग्रुप की बैठक में जिलावार टिकट के दावेदारों की समीक्षा की गई। टिकट के लिए सभी 243 सीटों के लिए करीब 6000 लोगों ने बायोडाटा दिया है। केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य इकाई को हर सीट पर अधिकतम पांच उम्मीदवारों का पैनल तैयार करने का निर्देश दिया है। ▶10पर

लद्दाख हिंसा को लेकर डीजीपी का सनसनीखेज खुलासा

आईएसआई के संपर्क में था सोनम वांगचुक

विदेशी फंडिंग का मामला पहले ही हो चुका है उजागर

लेह, 27 सितंबर (एजेंसियां/ब्यूरो)।

लद्दाख के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसडी सिंह जामवाल ने शनिवार को बताया कि सोनम वांगचुक के खिलाफ पाकिस्तान से कथित संबंधों को लेकर जांच जारी है। यह जांच पिछले महीने एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई है, जो वांगचुक के विरोध प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था। सोनम वांगचुक पर लद्दाख में हिंसा भड़काने, विदेशी फंडिंग और पाकिस्तान से कथित संबंध रखने के आरोप हैं। उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेजा गया है।

डीजीपी जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का मुख्य सूत्रधार बताया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए। शुक्रवार को वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लेकर राजस्थान के जोधपुर जेल भेज दिया गया। डीजीपी ने कहा अब तक जांच में जो सामने आया है, उसे फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। लेकिन वांगचुक के भाषणों और गतिविधियों से यह साफ है कि उनकी मंशा लोगों को भड़काने की थी। उन्होंने अरब स्प्रिंग और नेपाल, बांग्लादेश व श्रीलंका में हुए आंदोलनों का जिक्र कर लोगों को उकसाया। उन्होंने बताया कि विदेशी फंडिंग और एफसीआरए उल्लंघन की भी जांच की जा रही है। एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव को पकड़ा गया है, जो वांगचुक के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों के वीडियो पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस प्रमुख ने वांगचुक की कुछ विदेश यात्राओं को भी संदिग्ध बताया। ▶10पर

अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश

804 करोड़ की ठगी उजागर, 10 गिरफ्तार

अहमदाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

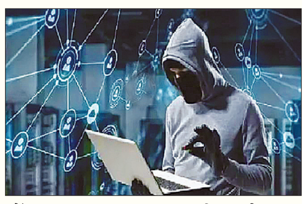

गुजरात पुलिस ने अंतराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह द्वारा 804 करोड़ रुपए की ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है। गिरोह के 10 आरोपियों को सूरत से गिरफ्तार किया गया है। गिरोह ने बैंक खाते और सिम कार्ड का दुरुपयोग कर देशभर में ठगी की। पुलिस ने पीड़ितों को 5.51 करोड़ रुपए लौटाए हैं। इस तरह गुजरात पुलिस ने एक ऐसे अंतराष्ट्रीय साइबर अपराधी गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसने भारत के नागरिकों को 804 करोड़ रुपए का चूना लगाया। राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरोह ने दुबई, वियतनाम और कंबोडिया से ऑपरेशन किया और पूरे भारत में नागरिकों को निशाना बनाया। गिरोह आम नागरिकों के बैंक खाते और सिम कार्ड 1.5-2 प्रतिशत कमीशन के लालच में हासिल करता था और उनका दुरुपयोग कर साइबर ठगी करता था। गिरोह ने पूरे देश में 1,549 अपराध किए और 804 करोड़ रुपए की ठगी की। गुजरात में 141 डिजिटल अपराधों के जरिए गिरोह ने 17.75 करोड़ कमाए। सूरत से गिरफ्तार आरोपियों के पास से 65 मोबाइल फोन, 447 डेबिट कार्ड, 529 बैंक खाता किट, 686 सिम कार्ड और 16 पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें जब्त की गईं। हर्ष संघवी ने साइबर फ्रॉड पीड़ितों को 5.51 करोड़ रुपए लौटाए। वडोदरा के एक वरिष्ठ नागरिक को बड़े लाभ का वादा कर ठगा गया था, उसे 4.91 करोड़ रुपए वापस मिले। अहमदाबाद की एक महिला को ड्रग केस के डर से 12 दिन तक स्काइप के जरिए घर में रखा गया। 48 लाख रुपए जब्त कर वापस किए गए। सभी नागरिकों से अपील की गई कि साइबर फ्रॉड के तुरंत बाद साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। मंत्री ने कहा कि भारत में डिजिटल अरेस्ट का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है और किसी भी कॉल से डरना नहीं चाहिए।

कार्टून कॉर्नर

फिल्म अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की रैली में मची भगदड़

दो बच्चों समेत 31 लोगों की मौत, सैकड़ों जख्मी

करूर (तमिलनाडु), 27 सितंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के प्रमुख फिल्म अभिनेता विजय थलापति की रैली में मची भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। घायलों की संख्या सैकड़ों में है। कई घायलों की स्थिति नाजुक है। पुलिस ने रैली में पहुंची भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिससे भगदड़ मच गई और इतने लोगों की जान चली गई। टीवीके नेताओं का कहना है कि सरकार के इशारे पर पुलिस ने जानबूझ कर लाठी चलाई जिससे भगदड़ मची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई शीर्ष नेताओं ने

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने जताया गहरा शोक

इस घटना पर गहरा शोक जताया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी चिंता जताने की औपचारिकता निभाई है।

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब तक भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 58 लोगों को भर्ती कराया गया है। जबकि 46 लोग निजी अस्पताल में और 12 लोग दूसरे सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पतालों में पहुंचे कई बेहोश लोगों की मौत हो गई। करूर में रैली के दौरान टीवीके अध्यक्ष के प्रचार वाहन को भारी भीड़ के चलते रोक दिया गया। हालात बेकाबू होते देख विजय को कुछ समय के लिए अपना भाषण रोकना पड़ा। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,17,530/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,45,250/- (प्रति किलोग्राम)

शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारियों को अगले हफ्ते वर्जीनिया पहुंचने का आदेश

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी के शीर्ष सैन्य अधिकारियों को अगले हफ्ते वर्जीनिया पहुंचने का आदेश दिया गया है। रक्षा सचिव (अब युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ ने यह आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यदि कोई अफसर नहीं पहुंचता तो उसे इसका पर्याप्त और समुचित कारण बताना होगा। मंगलवार को होने वाले इस सैन्य जमावड़े को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। देश के कमांडर-इन-चीफ डोनाल्ड ट्रंप इस दौरान मौजूद रहेंगे या नहीं, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। आदेश में सिर्फ जनरल और एडमिरल स्तर के अधिकारियों को ही बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह बैठक इसलिए आहूत की गई है कि प्रशासन रक्षा विभाग के पुनर्निर्माण को युद्ध विभाग के रूप में वर्णित कर सके और सैन्य कर्मियों के लिए नए मानकों की रूपरेखा तैयार की जा सके। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, यह राष्ट्रपति के अधीन नई सेना की वर्तमान स्थिति का शक्ति प्रदर्शन है। इस आयोजन की रूप-रेखा से परिचित एक रक्षा अधिकारी ने कहा, हेगसेथ के लिए यह घोड़ों को अस्तबल में लाने और उन्हें चाबुक से दुरुस्त करने की कोशिश है।

बताया गया है कि आयोजन से पहले या कार्यक्रम स्थल पर हेगसेथ का रिकॉर्डेड भाषण जारी किया जा सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि व्हाइट हाउस इसे और भी व्यापक बनाने की योजना बना रहा है। ऐसी बड़ी बैठक का मूल विचार हेगसेथ का ही है। जिन सैकड़ों जनरलों और फ्लैग ऑफिसर्स को आमंत्रित किया गया है, उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि सब कुछ छोड़कर वर्जीनिया जाने का आदेश क्यों दिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, यूटा नेशनल गार्ड के जनरलों को हेगसेथ की शीर्ष सैन्य अधिकारियों की इस आकस्मिक बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। यह बैठक मंगलवार को वर्जीनिया के क्वांटिको स्थित मरीन कॉर्प्स बेस (हिल एयर फ़ोर्स बेस) पर होनी है। एक ही स्थान पर इतने वरिष्ठ सैन्य अफसरों की इस दुर्लभ बैठक ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं, इसमें विदेशों में युद्धक तैनाती से अमेरिका लौट रहे जनरलों के भी शामिल होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि यूटा नेशनल गार्ड में कम से कम चार जनरल हैं। इनमें राज्य के शीर्ष सैन्य प्रमुख, एडजुटेंट जनरल, एक सहायक, और सेना व वायु सेना नेशनल गार्ड इकाइयों के जनरल अधिकारी शामिल हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने यूटा के सैन्य प्रमुखों को बैठक में आमंत्रित न करने की वजह पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने स्कूली किताबों में भारत से हुए संघर्ष को बताई अपनी भारी जीत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपनी स्कूल की किताबों में मई 2025 में भारत के साथ हुए चार दिवसीय संघर्ष को शामिल किया है। नई सामग्री में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है जिसमें युद्ध भारत ने बिना कारण शुरू किया और पाकिस्तान ने भारी जीत हासिल की हो। हालांकि भारत ने सैटेलाइट तस्वीरों और वीडियो सबूतों के जरिए इन दावों को झूठा साबित किया है। पड़ोसी के झूठे दावों का मकसद अपनी हार छिपाना और जनता को गुमराह करना मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी किताबों में दावा किया गया है कि भारत ने 7 मई 2025 को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का झूठा आरोप लगाकर पाकिस्तान पर हमला किया, जबकि असलियत यह है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें तबाह किया। पाकिस्तान की स्कूली किताबों में यह भी दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई में भारत के 4 राफेल जेट और कई सैन्य ठिकाने तबाह किए। जबकि वास्तविकता में पाकिस्तान ने अमृतसर, जम्मू और श्रीनगर सहित 26 जगहों पर ड्रोन हमले किए, जिनमें कई सिविल इलाके प्रभावित हुए। भारत ने पलटवार करते हुए एयर डिफेंस सिस्टम और सियालकोट व इस्लामाबाद के ठिकानों को तबाह किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अन्य बड़ा दावा किया है कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस के तहत भारत के 26 हवाई अड्डे तबाह किए और अंततः भारत को सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी लेकिन हकीकत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मध्यस्थता के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम स्वीकार किया था। भारत ने साफ किया था कि उसने नागरिक इलाकों को निशाना नहीं बनाया और अगर पाकिस्तान हमले जारी रखता तो और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पाकिस्तानी किताबों में जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल की उपाधि मिलने को युद्ध की जीत बताया गया है, जबकि विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम जनता के बीच सेना की साख मजबूत करने के लिए उठाया गया था।

यूक्रेन में तबाही मचाने वाले शाहेद-136 ड्रोन पर लटटू हुआ अमेरिका

वाशिंगटन। यूक्रेन में तबाही मचाने के लिए रूस जिन शाहेद-136 ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है, उस पर अब अमेरिका भी लटूट हो गया है। रूस को ये ड्रोन ईरान से मिला हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी अब शाहेद की तर्ज पर ही ड्रोन बनाने में लगे हैं। इसके पीछे वजह है इन ड्रोन की कम लागत है। अमेरिका चाहता है कि कम लागत में इसतरह के ड्रोन तैयार हों जो कि लंबी दूरी तक भी वार कर सकें। अमेरिका के पास फिलहाल जो भी लंबी दूरी की मिसाइलें हैं, उनकी लागत बहुत ज्यादा है। वहीं ईरान के शहीद ड्रोन बड़ी संख्या में एक साथ छोड़े जा सकती हैं। बता दें कि शाहेद-136 ईरान निर्मित ड्रोन हैं जो कि मुख्य रूप से हमले के लिए तैयार की गई हैं। ये ड्रोन हथियार के तौर पर इस्तेमाल होते हैं। ये ड्रोन मिसाइल की ही तरह काम करते हैं। यानी अपने लक्ष्य पर पहुंचने के बाद इनमें भारी विस्फोट होता है। साल 2020 में ईरान ने इस ड्रोन को पहली बार इस्तेमाल किया था। शाहेद-136 ड्रोन की रेंज 2 हजार से 2500 किलोमीटर की होती है। यह 200 किलोमीटर की रफ्तार से भी उड़ान भर सकता है।

मूड पर नकारात्मक असर पडता है मौसम में बदलाव का

लंदन। सितंबर से दिसंबर के बीच मौसम में बदलाव के साथ पेड़ों से पत्ते झड़ने लगते हैं। मौसम बदलने का असर इंसानी मनोभावों पर भी देखने को मिलता है। शरद ऋतु का आगमन गर्मी से सर्दी की ओर बढ़ने का संकेत देता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इस दौरान कई लोगों के मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। दिन छोटे और रातें लंबी होने के साथ ही थकान, नींद की गड़बड़ी और उदासी महसूस होना आम हो जाता है। इस स्थिति को विज्ञान की भाषा में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी) कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम बदलने पर धूप की कमी से दिमाग में सेरोटोनिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर घटने लगता है। यह हार्मोन मूड को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं अंधेरा और ठंड बढ़ने पर शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे नींद अधिक आती है और ऊर्जा घट जाती है। इस बदलाव से शरीर की सर्केडियन रिद्म भी बिगड़ जाती है, जिससे नींद और जागने का प्राकृतिक पैटर्न प्रभावित होता है। अध्ययन बताते हैं कि उत्तरी और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों पर सैड का प्रभाव अधिक होता है क्योंकि वहां धूप का समय सीमित होता है। महिलाओं और 18 से 30 वर्ष के युवाओं में इसके मामले ज्यादा पाए जाते हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ था।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट ने चार अरब डॉलर की विदेशी सहायता राशि रोकने की अनुमति दी

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन को कांग्रेस से आवंटित विदेशी सहायता पर चार अरब डॉलर के खर्च को रोकने की अनुमति दे दी। इससे पहले एक संघीय न्यायाधीश ने फैसला सुनाया था कि प्रशासन को महीने के अंत तक यह धनराशि खर्च करनी होगी। उच्चतम न्यायालय के फैसले ने इस पर रोक लगा दी। रिपोर्ट के अनुसार, पब्लिक सिटीजन लिटिगेशन ग्रुप के वकील निकोलस सैंसोम ने कहा, यह परिणाम शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांतों को और कमजोर करता है। इसका गंभीर मानवीय प्रभाव भी पड़ेगा। निकोलस सैंसोम मुकदमा दायर करने वाले गैर-लाभकारी समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। न्यायालय ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि सरकार ने पर्याप्त रूप से साबित कर दिया है कि जिन समूहों ने मुकदमा दायर किया, उन्हें इम्पाउंडमेंट कंट्रोल एक्ट नामक कानून के तहत संबंधित मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से न्यायालय ने प्रशासन के 20 आपातकालीन आवेदनों को स्वीकार कर लिया है। आपातकालीन आवेदनों की संख्या और जिस दर से न्यायालय ने प्रशासन के पक्ष में फैसला सुनाया है, दोनों ही अभूतपूर्व हैं। बाद वाले आवेदन ने निचली अदालत के न्यायाधीशों सहित कानूनी समुदाय के भीतर आलोचना को जन्म दिया है।

न्यायालय में तीन उदारवादियों ने असहमति जताई। न्यायमूर्ति एलेना कगन ने लिखा कि इस मामले में कानूनी मुद्दा पहले कभी प्रस्तुत नहीं किया गया था। इसका अर्थ है कि अदालत अज्ञात क्षेत्र में काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि फिर भी, बहुमत ने मौखिक दलीलें सुने बिना या पूरी तरह से तर्कसंगत निर्णय दिए बिना सरकार द्वारा किए गए आपातकालीन अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

कगन ने लिखा, इसलिए हमें इस आवेदन को अस्वीकार कर देना चाहिए था। निचली अदालतों को आगे बढ़ने देना चाहिए था और यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि यहां प्रस्तुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर उचित विचार किया जाए। सनद रहे ट्रंप प्रशासन ने पहले ही अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएडी) को भंग करने के लिए त्वरित कार्रवाई की है। यह वह सरकारी विभाग है जो पारंपरिक रूप से जल उपलब्धता और रोग निवारण जैसे मुद्दों से निपटने के लिए प्रति वर्ष अरबों डॉलर की विदेशी सहायता प्रदान करता है।

यह विवादित धनराशि कांग्रेस ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए आवंटित की थी, जो 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह चार अरब डॉलर की विदेशी सहायता रोकना चाहता है, लेकिन कांग्रेस द्वारा आवंटित 6.5 अरब डॉलर और खर्च करेगा। बजट पर राष्ट्रपति के नियंत्रण को विनियमित करने के लिए 1974 में इम्पाउंडमेंट कंट्रोल एक्ट पारित किया गया था। यह तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा उन कार्यक्रमों पर खर्च रोकने के प्रयासों के बाद पारित किया गया था जिनका वे समर्थन नहीं करते थे।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह निरसन नामक एक प्रक्रिया के माध्यम से धनराशि रोक सकता है, जिसमें राष्ट्रपति कांग्रेस को कुछ धनराशि खर्च न करने के अपने इरादे से अवगत कराते हैं। लेकिन धनराशि समाप्त होने में बहुत कम समय बचा है, इसलिए कांग्रेस चाहे तो भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देगी। ट्रंप की नीतियों का व्यापक रूप से समर्थन करने वाले रिपब्लिकन दोनों सदनों पर नियंत्रण रखते हैं और पहली अक्टूबर से पहले अगले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार को धन मुहैया कराने की कोशिश कर रहे हैं।

वित्तीय वर्ष के अंत तक कांग्रेस को सूचित करने का प्रशासन का निर्णय कानूनी रूप से संदिग्ध रणनीति है जिसे पॉकेट रिसीशन कहा गया है और लगभग 50 वर्ष में इसका इस्तेमाल नहीं किया गया है। वाशिंगटन स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने तीन सितंबर को फैसला सुनाया था कि प्रशासन को यह धनराशि तब तक खर्च करनी होगी जब तक कांग्रेस इसे वापस लेने के लिए कोई कदम नहीं उठाती। सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने अदालत में दायर एक याचिका में कहा कि अली के फैसले ने राष्ट्रपति पर अस्वीकार्य प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिसमें अन्य बातों के अलावा, प्रशासन को धनराशि खर्च करने के तरीके पर अन्य देशों के साथ कूटनीतिक चर्चा करने के लिए मजबूर करना शामिल है।

ट्रंप के आदेश को चुनौती देने वाला मूल मुकदमा ग्लोबल हेल्थ काउंसिल के नेतृत्व वाले विभिन्न समूहों ने दायर किया था।

भारत ने फिर लगाई पाकिस्तान को लताड़ कहा- नौटंकी बंद करिए सच को कब तक झुठलाएंगे

जिनेवा,27 सितंबर (एजेंसियां) ।

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत ने एक बार फिर भरे मंच से पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के भाषण पर करारा जवाब दिया है। इससे पहले पीएम शहबाज शरीफ ने 80वीं सत्र की सामान्य बहस के दौरान अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि मई में चार दिन के संघर्ष के दौरान भारत के 7 जेट क्षतिग्रस्त किए गए। वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह ने पिछले महीने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय जेट्स ने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू जेट और एक बड़े विमान को मार गिराया। इस पर भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने कहा, महोदय, इस सभा ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की ओर से बेतुके नाटक देखे, जिन्होंने एक बार फिर आतंकवाद को महिमामंडित किया जो उनकी विदेश नीति का अहम हिस्सा है। मगर, कोई भी ड्रामा और कोई भी झूठ तथ्यों को छिपा नहीं सकता। पेटल गहलोत ने सभा को याद दिलाया कि बीते 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने द रेसिस्टेंस फ्रंट को जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों के नरसंहार की जिम्मेदारी से बचाया था। भारत ने 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया। पेटल गहलोत ने कहा, एक तस्वीर हजार शब्दों को बयान करती है। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय बलों की ओर से बहावलपुर और मुरिदके आतंकी परिसरों में मारे गए आतंकियों की कई तस्वीरें देखीं। पाकिस्तान के सीनियर सैन्य और नागरिक अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसे कुख्यात आतंकियों को महिमामंडित किया। उन्हें श्रद्धांजलि दी। ऐसे में क्या इस शासन की मंशा पर कोई संदेह हो सकता है इसके मंत्रियों ने हाल ही में स्वीकार किया है कि वे दशकों से आतंकी शिविर चला रहे हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए कि यह दोहराव एक बार फिर जारी है, इस बार तो प्रधानमंत्री के स्तर पर चल रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ हाल के संघर्ष का भी अनोखा विवरण पेश किया। इस मामले का एकदम रिकॉर्ड साफ है। 9 मई तक पाकिस्तान भारत पर और हमलों की धमकी दे रहा था। लेकिन, 10 मई को सेना ने हमसे सीधे युद्ध को रोकने की गुहार लगाई।पेटल गहलोत ने आगे कहा, एक ऐसा देश जो लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा देने और निर्यात करने की परंपरा में डूबा हुआ है।

कैंसर की समय पर पहचान से बच सकती है लाखों जाने

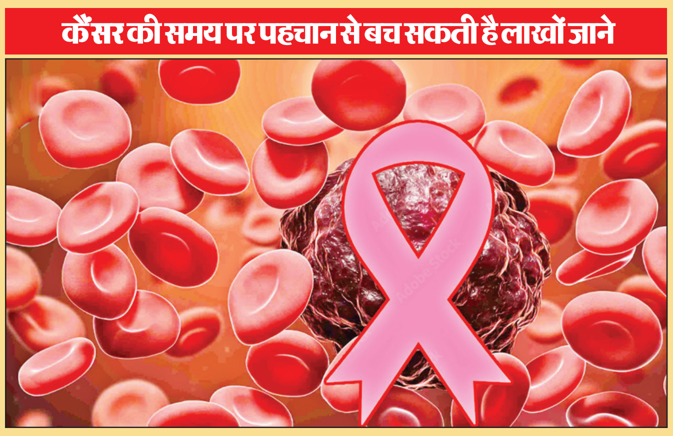

वाशिंगटन। हाल ही में देश के प्रमुख डॉक्टरों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कैंसर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। नईदिल्ली में आयोजित हेल्थकेयर होराइजन 2.0 सम्मेलन में विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में कैंसर से होने वाली लगभग 70 फीसदी मौतें देर से पहचान की वजह से होती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बीमारी की शुरुआती पहचान समय पर हो जाए तो लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है और इलाज अधिक प्रभावी और किफायती साबित होता है। डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि कैंसर धीरे-धीरे फैलने वाली बीमारी है। शुरुआती चरण में इसे पकड़ना बेहद जरूरी है, क्योंकि उस समय दवाइयों, सर्जरी और रेडियोथेरेपी के जरिए कैंसर को पूरी तरह खत्म या नियंत्रित किया जा सकता है। शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य होते हैं, जैसे बार-बार थकान, बिना वजह वजन में कमी, शरीर में गांठ बनना या खून आना। लोग इन लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बीमारी शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाती है और इलाज कठिन, लंबा और महंगा हो जाता है। सम्मेलन में सर्वाइकल कैंसर पर भी विशेष जोर दिया गया। डॉक्टरों ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन और पैप स्मीयर टेस्ट के जरिए इस प्रकार के कैंसर को समय रहते रोका जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेतन्याहू का हुआ विरोध, कुछ सदस्यों ने किया वॉकआउट

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

इजरायल पर लगातार आरोप लग रहे हैं कि गाजा में आम लोगों को मारा जा रहा है। इसी के चलते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए अपने भाषण के दौरान भारी विरोध और वॉकआउट का सामना करना पड़ा। गाजा पर जारी हमलों को अंत तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा कि इजरायल को हमास के खिलाफ काम पूरा करना ही होगा।हालांकि नेतन्याहू के भाषण के दौरान सभागार में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं- कुछ प्रतिनिधियों ने तालियां बजाई तो कई सदस्य विरोध के चलते बाहर चले गए। नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में अपने पिछले भाषणों की तरह इस बार भी विजुअल एड्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक नक्शा दिखाया, जिसका शीर्षक था द कर्स जो इजरायल के पड़ोस में उसकी चुनौतियों को दर्शाता था। उन्होंने इसे मार्कर से चिह्नित किया।

इसके अलावा, उन्होंने एक पिन पहना था, जिसमें 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और इजरायली बंधकों के बारे में जानकारी देने वाले वेबसाइट का क्यूआर कोड था।अपने भाषण में नेतन्याहू ने दावा किया कि उनका भाषण गाजा में लगे लाउडस्पीकर्स के जरिए और अभूतपूर्व अभियान के तहत लोगों के मोबाइल फोन पर भी प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने आपको एक सेकंड के लिए भी नहीं भुलाया। इजरायल की जनता आपके साथ है। हमास को संबोधित करते हुए उन्होंने चेतावनी दी, अपने हथियार डाल दो। मेरे लोगों को जाने दो। अगर ऐसा करोगे तो बचोगे, वरना इजरायल तुम्हें ढूंढ-ढूंढकर मारेगा। नेतन्याहू ने पश्चिमी देशों की आलोचना की और कहा कि कुछ पश्चिमी नेता दबाव में झुक गए हैं, लेकिन इजरायल झुकेगा नहीं। उन्होंने उन देशों के फैसले को शर्मनाक बताया जिन्होंने फिलिस्तीन को देश का दर्जा दिया है। उनके अनुसार, यह निर्णय आतंकवाद को बढ़ावा देगा और निर्दोषों के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित करेगा।

हॉल में खाली पड़ी रहीं कुर्सियां

भाषण शुरू होने से पहले ही कई से अधिक देशों के सैकड़ों राजनयिकों ने सभागार को खाली कर दिया। जिससे नेतन्याहू को लगभग खाली हॉल में बोलना पड़ा। यह घटना इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के बीच वैश्विक अलगाव को उजागर करती है, जहां पश्चिमी देशों द्वारा फिलिस्तीनी देश को मान्यता देने का निर्णय नेतन्याहू के लिए नया झटका साबित हुआ।

अमेरिकी न्याय विभाग ने जिला अटॉर्नी फानी विलिस का यात्रा संबंधी रिकॉर्ड तलब किया

अटलांटा (जॉर्जिया) , 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी न्याय विभाग ने संघीय ग्रैंड जूरी समन जारी कर फुल्टन काउंटी की जिला अटॉर्नी फानी विलिस का यात्रा संबंधी रिकॉर्ड तलब किया है। फानी ने चुनाव में हस्तक्षेप को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक मामला दायर किया था। संघीय जांच का उद्देश्य पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। यह भी साफ नहीं है कि विलिस जांच का केंद्र हैं या उन पर आरोप लग सकते हैं। लेकिन समन से संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के अधीन न्याय विभाग अपना ध्यान उनके सबसे मुखर कानूनी विरोधियों में से एक पर केंद्रित कर सकता है।

एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, संघीय जांचकर्ता 2024 में चुनाव के समय विलिस की संभावित अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। इस जांच का नेतृत्व जॉर्जिया के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी थियोडोर हर्ट्जबर्ग कर रहे हैं। फुल्टन काउंटी में ट्रंप और उनके कई सहयोगियों पर

जॉर्जिया के 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने के उनके प्रयासों के लिए मुकदमा चलाया जा रहा है।

एक अदालत ने फानी को इस मामले से हटा दिया था। अदालत को पता चला था कि विशेष अभियोजक नाथन वेड के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध थे। बचाव पक्ष के वकीलों ने उन पर ट्रंप द्वारा भुगतान की गई यात्राओं से लाभ उठाने का आरोप लगाया है। ये यात्राएं 2022 और 2023 में हुईं। पिछले हफ्ते ही जॉर्जिया के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट ऑफ जॉर्जिया) ने निचली अदालत के उस फैसले की समीक्षा करने से इनकार कर दिया था, जिसमें विलिस को ट्रंप और उनके आठ सह-प्रतिवादियों के खिलाफ 2020 के चुनाव अभियोजन से अयोग्य घोषित किया गया था। इस फैसले की घोषणा के बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल का सहारा लिया और इसे जॉर्जिया में न्याय और कानून की बड़ी जीत बताया। ट्रंप अभी जॉर्जिया में लगे आरोपों से मुक्त नहीं हुए हैं। पिछले साल दोबारा चुनी गईं डेमोक्रेट उम्मीदवार विलिस ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है और कहा है कि उन्होंने यात्रा खर्च का अपना हिस्सा चुकाया है। विलिस ने कहा कि वह फैसले की समीक्षा न करने के सुप्रीम कोर्ट ऑफ जॉर्जिया के फैसले से असहमत होने के बावजूद कानूनी प्रक्रिया और अदालतों का सम्मान करती हैं। विलिस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जिस किसी को भी इस मामले को संभालने के लिए नियुक्त किया जाएगा, उसमें सबूतों और कानून की मांग के अनुसार काम करने का साहस होगा। जॉर्जिया में ट्रंप के प्रमुख वकील स्टीव सैडो ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने समीक्षा से इनकार करके सही किया है। विलिस ने ट्रंप और उनके एक दर्जन से अधिक सहयोगियों पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए है। इन सब पर जॉर्जिया में पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन की 2020 की जीत को विफल करने के लिए महीनों तक चली एक गैरकानूनी साजिश में शामिल होने का आरोप था। हालांकि ट्रंप और ज्यादातर प्रतिवादियों ने खुद को निर्दोष बताया है।

सोशल मीडिया पर टीआरएफ का दुष्प्रचार गंभीर खतरा: उपराज्यपाल

जम्मू, 27 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर सोशल मीडिया पर आतंकवादी प्रतिरोध मोर्चा (टीआरएफ) द्वारा फैलाई जा रही बातों पर लगाम नहीं लगाई गई तो यह एक गंभीर खतरा बन सकती है। श्रीनगर के टैगोर हाल में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने जम्मू कश्मीर के लोगों से शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए आतंकवादी दुष्प्रचार के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि टीआरएफ के आनलाइन संदेशों का जमीनी स्तर पर सीधा असर पड़ता है और इसे नजरअंदाज करना खतरनाक होगा। उन्होंने कहा कि अगर टीआरएफ के सोशल मीडिया पर इस तरह की बातें फैलाई जा रही हैं और हम चुप रहते हैं, तो यह खतरनाक है। हमें इस पर ध्यान देना चाहिए।

इस बात पर जोर देते हुए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है, उन्होंने कहा कि नागरिकों को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के कारण 40 हजार से ज्यादा जानें जा चुकी हैं। इसे न सिर्फ सुरक्षा बलों द्वारा, बल्कि नागरिकों द्वारा भी पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए लोगों को आगे आना होगा। जम्मू कश्मीर में आए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि पत्थरबाजी अब इतिहास बन गई है और स्थानीय स्तर पर आतंकवादियों की भर्ती में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि जब भी किसी परिवार में फूट पड़ती है, तो हमें अपने घर को व्यवस्थित करने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद हुए बदलाव जम्मू कश्मीर की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। उन्होंने आगे कहा कि पहाड़ी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देना और वन अधिकार अधिनियम को लागू करना सरकार की न्याय और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अब पहाड़ी समुदाय को समान अधिकार दिए जा रहे हैं। इस समुदाय को कोई नहीं रोक सकता। उनका जो अधिकार है, वह उन्हें दिया जाएगा। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि देश भर में, खासकर पूर्वोत्तर में, आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद में उल्लेखनीय कमी आई है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नक्सलवाद का भी जल्द ही सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर लंबे समय से पीड़ित रहा है। आतंकवाद का अंत जरूरी है। सुरक्षा एजेंसियां अपना काम कर रही हैं और हमें नागरिकों के रूप में जिम्मेदारी से पेश आना चाहिए और किसी भी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए।

नासा-इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं

चेन्नई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) पृथ्वी-अवलोकन रडार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली तस्वीरें ली हैं।

नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में हमारे ग्रह की सतह की ये तस्वीरें भविष्य की एक झलक पेश करती हैं क्योंकि नासा और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का संयुक्त मिशन इस साल के अंत में अपने पूर्ण वैज्ञानिक संचालन के करीब पहुँच रहा है। भारत के साथ मिलकर लॉन्च किए गए निसार की पहली तस्वीरें इस बात का प्रमाण हैं कि जब हम नवाचार और खोज के एक साझा दृष्टिकोण के लिए एकजुट होते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है । यह तो बस शुरुआत है।

उन्होंने कहा, नासा अतीत और वर्तमान की अविश्वसनीय वैज्ञानिक प्रगति पर आगे बढ़ता रहेगा क्योंकि हम स्वर्ण मानक विज्ञान के माध्यम से अपने देश के अंतरिक्ष प्रभुत्व को बनाए रखने के अपने लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं।

इसरो द्वारा 30 जुलाई को प्रक्षेपित किए गए अंतरिक्ष यान से प्राप्त चित्र, उस विस्तृत स्तर को प्रदर्शित करते हैं जिसके साथ निसार पृथ्वी का स्कैन करता है और आपदा प्रतिक्रिया,

बुनियादी ढाँचे की निगरानी और कृषि प्रबंधन सहित विविध क्षेत्रों में निर्णयकर्ताओं को अद्वितीय, कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है।

नासा के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने कहा, यह समझकर कि हमारा गृह ग्रह कैसे काम करता है, हम अपने सौर मंडल और उससे आगे के अन्य ग्रहों के काम करने के तरीके के मॉडल और विश्लेषण तैयार कर सकते हैं, क्योंकि हम मानवता को चंद्रमा और मंगल ग्रह की एक महाकाव्य यात्रा पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, निसार से इन पहली तस्वीरों का सफलतापूर्वक लिया जाना इस बात का एक उल्लेखनीय उदाहरण है कि कैसे दुनिया के विपरीत छोर पर स्थित दो देशों के बीच साझेदारी और सहयोग सभी के लाभ के लिए मिलकर महान उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं।

स्वदेशी 4जी नेटवर्क की लॉन्चिंग का कार्यक्रम देश के लिए महत्वपूर्ण अवसर: मांडविया

गांधीनगर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री मनसुखभाई मांडविया ने शनिवार को गुजरात के गांधीनगर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से स्वदेशी 4जी नेटवर्क की लॉन्चिंग का कार्यक्रम देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर है।

श्री मांडविया ने कहा कि इसके अलावा, आज बीएसएनएल की 25वीं वर्षगांठ का उत्सव भी मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने वाला यह कार्यक्रम स्वदेशी विचार और राष्ट्रीय गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश बदल रहा है, लगातार आगे बढ़ रहा है और एक नए भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब हम विकसित भारत के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं, तब हम केवल एक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अनेक क्षेत्रों में हमारी आत्मनिर्भरता के भागीदार बनते हैं। एक समय ऐसा भी था जब भारत रक्षा के लिए दुनिया से बंदूक की गोलियों का भी आयात करता था जबकि आज देश के रक्षा उपकरण दुनिया को निर्यात किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, जब देश में टीके की आवश्यकता थी और टीके का अनुसंधान वैश्विक स्तर पर किया जाता था और अनुसंधान के बाद वे टीके कम से कम पांच से दस वर्ष के बाद देश में आते थे। लेकिन कोविड काल के दौरान 16 जनवरी, 2021 को दुनिया में टीके की पहली खुराक देने के एक महीने के भीतर ही भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान कर लिया गया था। भारतीय कंपनियों द्वारा उत्पादित एक नहीं बल्कि दो टीके देश में लगाए जा रहे थे, जिसने दुनिया को बहुत बड़ा संदेश दिया था।

केंद्रीय मंत्री ने टेक्नोलॉजी के विषय में कहा कि देश को आगे बढ़ाने में डिजिटल टेक्नोलॉजी का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन के अंतर्गत देश भर में अनेक 4जी टावर लगाए गए हैं। भारत की भौगोलिक परिस्थिति के बारे में उन्होंने कहा कि देश में तीन हजार

किलोमीटर लंबी हिमालय की पर्वतमाला है, सात हजार किलोमीटर से अधिक समुद्री तट और कच्छ एवं राजस्थान में विशाल रेगिस्तान भी है। देश में एक ही समय के दौरान एक स्थान पर बर्फ गिरती है, तो उसी समय दूसरे स्थान पर तापमान 50 डिग्री होता है तथा दूसरे स्थानों पर बारिश भी होती है। इस प्रकार, देश में ऐसे विविधतायुक्त वातावरण में भी हमारी स्वदेशी टेक्नोलॉजी बहुत उपयोगी हो सकती है।

श्री मांडविया ने कहा कि डिजिटल इंडिया का अर्थ यह है कि देश के किसान अपने खेतों में खड़े होकर अपने मोबाइल फोन पर मौसम का नक्शा देख सकते हैं और यह भी जान सकते हैं कि देश के किस बाजार में उनकी फसल की मौजूदा कीमत क्या है। इसके अलावा, हमारे लाखों मछुआरे समुद्र में जाते हैं, तब मौसम की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से समुद्र में मौसम की जानकारी तथा मछली पकड़ने की क्षमता जैसे विषयों पर मार्गदर्शन मिल सकता है।

इसके अतिरिक्त, देश में अनेक वन क्षेत्र और आदिवासी क्षेत्र भी हैं। गुजरात के डांग जैसे दूरस्थ जिलों में भी बच्चे डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग करके प्राथमिक या माध्यमिक स्कूलों में पढ़ाई कर सकेंगे। इस प्रकार, डिजिटल टेक्नोलॉजी जीवन में बदलाव लाने में मदद कर सकती है।

शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर फिर बेतुकी नौटकी की आतंकवाद का महिमा मंडन किया: भारत

संयुक्त राष्ट्र, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के भाषण को 'बेतुकी नाटंकी' बताते हुए शनिवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क ने एक बार फिर आतंकवाद का महिमामंडन किया है जो उसकी विदेश नीति का मुख्य हथियार बन चुका है।

आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेनाओं की बहादुरी और भारत को क्षति पहुंचाने की श्री शरीफ के दावों का उपहास करते हुए भारत ने कहा, अगर नष्ट हुए रनवे और जले हुए हैंगर जीत की तरह लगते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान इसका आनंद ले सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के भाषण का प्रत्युत्तर देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए भारतीय राजनयिक पेटल गहलोत ने सभा के अध्यक्ष को संबोधित तीखे जवाब में कहा, इस सभा में सुबह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की बेतुकी नौटंकी देखने को मिली, जिन्होंने एक बार फिर आतंकवाद का महिमामंडन किया, जो उनकी विदेश नीति का केंद्र बिंदु है। सुश्री गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान अगर सचमुच ईमानदार है तो वह आतंकवाद का निर्यात और आतंकवादियों को पनाह देना बंद करे और वांछित आतंकवादियों को भारत को सौंपे।

सुश्री गहलौत ने कहा कि धार्मिक उन्माद और कट्टर सोच वाले पाकिस्तान के मुंह से भारत के हिंदुत्व पर कुछ कहना कदापि शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने को संकल्पबद्ध है और वह अपनी कार्रवाई में आंतकवादियों और उनको पालने पोशने वालों में कोई फर्क नहीं करेगा और न ही परमाणु बम की धमकी में आएगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी स्तर पर भी नाटक ओर झूठ का सहारा लेकर सच्चाई को छुपा नहीं सकता। यह वही पाकिस्तान है जिसने गत 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में, जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों के बर्बर नरसंहार की ज़िम्मेदारी से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' को बचाया था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को शह देने और प्रयोजित करने की परंपरा में आकंठ डूबे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पहलगाम आतंकवादी हमले पर अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए सबसे हास्यास्पद आख्यान गढ़ने में कोई शर्म नहीं आती।

सुश्री गहलोत ने कहा कि एक तरफ तो पाकिस्तान दुनिया से कहता रहा कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग दे रहा है दूसरी तरफ उसने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को पनाह देता रहा। भारतीय राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान के मंत्रियों ने हाल ही में स्वीकार किया है कि वे दशकों से आतंकवादी शिविर चला रहे हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि एक बार फिर, यह दोहरा मपदंड जारी है, इस बार उसके प्रधानमंत्री के स्तर पर।

मई में सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत के बारे में श्री शरीफ के बड़बोलेपन के जवाब में भारतीय राजनयिक ने कहा, एक तस्वीर हज़ार शब्द बयां करती है और हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर और मुरीद के आतंकी ठिकानों में भारतीय सेना द्वारा मारे गए आतंकवादियों की कई तस्वीरें देखीं। जब वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य और असैन्य अधिकारी सार्वजनिक रूप से ऐसे कुख्यात आतंकवादियों का महिमामंडन और श्रद्धांजलि देते हैं, तो क्या इस शासन की प्रवृत्ति पर कोई संदेह हो सकता है?

आपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री शरीफ के वक्तव्य को विचित्र विवरण बताते हुए सुश्री गहलोत ने कहा, इस मामले में रिकॉर्ड स्पष्ट है।

नौ मई तक, पाकिस्तान भारत पर और हमले करने की धमकी दे रहा था। लेकिन 10 मई को उसकी सेना ने हमसे सीधे लड़ाई बंद करने की गुहार लगाई। बीच की घटना भारतीय सेना द्वारा कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों को नष्ट करना था। उस नुकसान की तस्वीरें, ज़ाहिर है, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। अगर नष्ट हुए रनवे और जले हुए हैंगर जीत की तरह लगते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान इसका आनंद ले सकता है।

उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि अतीत की तरह, पाकिस्तान भारत में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले के लिए ज़िम्मेदार है। हमने ऐसी कार्रवाइयों के ख़िलाफ़ अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का प्रयोग किया है और आयोजकों और अपराधियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया है।'

उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत के साथ शांति की अपनी बात को लेकर सचमुच ईमानदार हैं, तो रास्ता साफ़ है। पाकिस्तान को तुरंत सभी आतंकवादी शिविरों को बंद करना चाहिए और भारत में वांछित आतंकवादियों को हमें सौंप देना चाहिए।

सुश्री गहलोत ने कहा, यह भी विडंबना है कि एक ऐसा देश जो नफ़रत, कट्टरता और असहिष्णुता में डूबा हुआ है, इस सभा को आस्था के मामलों पर उपदेश दे रहा है।

पाकिस्तान का राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श उसके असली स्वरूप को दर्शाता है। स्पष्ट रूप से, उन्हें आईने में देखने की बहुत देर हो चुकी है।'

भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्वीकार न करने की भारत की स्पष्ट नीति को रेखांकित करते हुए भारतीय राजनयिक ने कहा, भारत और पाकिस्तान लंबे समय से इस बात पर सहमत हैं कि उनके बीच किसी भी लंबित मुद्दे को द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाएगा। इस संबंध में किसी तीसरे पक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। यह हमारा दीर्घकालिक राष्ट्रीय मत है।

सुश्री गहलोत ने कहा, जहां तक आतंकवाद का सवाल है, हम स्पष्ट कर रहे हैं कि आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के बीच कोई भेद नहीं किया जाएगा। दोनों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। न ही हम परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में आतंकवाद को बढ़ावा देने की अनुमति देंगे। भारत ऐसी धमकियों के आगे कभी नहीं झुकेगा। दुनिया के लिए भारत का संदेश स्पष्ट है कि आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस होना चाहिए।

पर्यटन और सतत परिवर्तन पर देश ने मनाया विश्व पर्यटन दिवस

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने 'पर्यटन और सतत परिवर्तन'की थीम पर शनिवार को विश्व पर्यटन दिवस मनाया और कहा कि विकसित भारत 2047 के मद्देनजर दृष्टिकोण ऐसे पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने पर केंद्रित होना चाहिए जिसमें हरित, समावेशी और सुरक्षित भविष्य के लिए जन भागीदार के साथ सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का संकल्प हो।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सरकार के साथ ही उद्योग, शिक्षा जगत और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित हितधारकों ने हिस्सा लिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को गति देने और पर्यटन में लगातार प्रथाओं को आगे बढ़ाने के प्रति देश की प्रतिबद्धता को जताया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के पूरे हुए 100 साल, साल भर चलने वाला शताब्दी समारोह शुरू

नागपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थापना के 100 वर्ष शनिवार को पूरे हो गये। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 17 सहयोगियों के साथ मिलकर 27 सितंबर, 1925 को विजयादशमी के पावन अवसर पर संघ की स्थापना की थी।

संघ अब देशभर में 83,000 से अधिक शाखाओं और लाखों स्वयंसेवकों के साथ देश के सबसे बड़े सांस्कृतिक निकाय के रूप में विकसित हो चुका है।

आरएसएस की उत्पत्ति नागपुर के महल स्थित हेडगेवार वाड़ा से मानी जाती है। डॉ. हेडगेवार ने हिंदुओं में एकता, अनुशासन और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की कल्पना की थी।

वर्ष 1926 में विचार-विमर्श के बाद जरीपटका मंडल और भारतोद्धारक मंडल जैसे विकल्पों को हराकर मतदान के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम को अंतिम रूप दिया गया।

नागपुर के बाहर पहली शाखा फरवरी 1926 में वर्धा में स्थापित की गई, जिसने पूरे देश में क्रमिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। व्यक्ति-आधारित नेतृत्व से बचने के लिए, भगवा ध्वज को संघ का 'गुरु' मान लिया गया और 1927 में गुरु दक्षिणा देने की प्रथा शुरू हुई।

डॉ. हेडगेवार (1929 में प्रथम सरसंघचालक बने) पहले कांग्रेस से जुड़े थे और उन्होंने असहयोग और जंगल सत्याग्रह आंदोलनों में भाग लिया था और जेल भी गये थे। उनकी दृष्टि शारीरिक प्रशिक्षण, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर ज़ोर देती थी। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल पूरा होने पर एक साल तक विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

निर्मला सीतारमण के खिलाफ मानहानि मामले में अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट की एडिशनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास पारस दलाल की अदालत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लेने के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने इस पर आठ अक्टूबर को आदेश सुनाने का दिन तय किया है। यह आपराधिक मानहानि याचिका आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा ने दायर की है। अदालत ने इससे पहले 23 मई को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी किया था।

हिंदू धर्म को पूरी तरह से नष्ट करने की योजना बना रहे हैं इंडिया गठबंधन के नेता: भाजपा

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडिया गठबंधन के नेताओं पर हिंदू धर्म को पूरी तरह से नष्ट करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है और कहा कि देश को इनकी खतरनाक योजना के प्रति जागृत होने की आवश्यकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां पूरा देश इस समय हर्षोल्लास के साथ शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना का पर्व दशहरा मना रहा है। जीएसटी की दरों में कटौती ने इस उल्लास को और बढ़ा दिया है। वहीं, इंडिया गठबंधन के नेता हिंदू धर्म को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपको याद होगा कि 2024 में श्री गांधी के मुंह से निकल गया था कि हम शक्ति से लड़ रहे हैं।

रुबीना दिलैक ने डांस के जरिए बयां की अपने दिल की खुशी

मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री रुबीना दिलैक, जो अपनी शानदार एक्टिंग और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने सुकून और खुशी के बारे में बताया। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह नेवी ब्लू कलर की फ्लोरल ऑर्गेंजा लहंगा और मैचिंग चोली पहने नजर आ रही हैं। इस खूबसूरत परिधान के साथ उन्होंने मैचिंग स्टाइलिश चुन्नी भी पेयर की। उनके लुक को गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां, कानों में बड़े झुमके और मिनिमल मेकअप ने पूरा किया। बालों में उन्होंने आगे हेयर स्टाइल बनाकर पीछे की तरफ चोटी की है, जो उनके ट्रेडिशनल लुक को और निखार रहा है।

इन तस्वीरों में रुबीना डांस के अलग-अलग पोज देती दिख रही हैं। पहली तस्वीर में वह स्टाइलिश डांस पोज में हैं, जहां उनके हाथों की मुद्रा और चेहरे का आत्मविश्वास उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। दूसरी तस्वीर में उन्होंने दोनों हाथों को डांस के एक खास फॉर्म में ऊपर उठाया है, जिससे उनका लहंगा और चुन्नी का डिजाइन बेहतरीन तरीके से उभरकर सामने आया। बाकी तस्वीरों में भी वह कई अनोखे और ग्रेसफुल पोज में नजर आईं, जो उनके डांस के प्रति जुनून को दर्शाता है।

रुबीना ने इन तस्वीरों के साथ एक दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा, डांस करना मेरी अंतर आत्मा को खुशी और शांति देता है।

उनके इस कैप्शन ने साफ कर दिया कि डांस उनके लिए सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि उनके दिल और आत्मा को सुकून देने का जरिया है।

रुबीना की ये तस्वीरें फैंस के बीच खूब पसंद की जा रही हैं।

रुबीना के शुरुआती दिनों की बात करें तो उन्होंने साल 2006 में मिस शिमला का खिताब जीता था। फिर साल 2008 में 'मिस नॉर्थ इंडिया' बनीं और उसी साल उन्होंने सीरियल 'छोटी बहू' से टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने 'शक्ति: अस्तित्व के अहसास की' में दमदार किरदार निभाया और फिर 'बिग बॉस 14' में धमाकेदार एंट्री करके शो की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। रुबीना ने 2022 में फिल्म 'अर्ध' से बॉलीवुड डेब्यू भी किया।

अनुपमा फेम जसवीर कौर का पारंपरिक अंदाज

टेलीविजन की जानी-मानी अभिनेत्री जसवीर कौर इन दिनों सीरियल अनुपमा में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनका पारंपरिक अंदाज नजर आ रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में जसवीर ने रानी रंग का अनारकली सूट पहना है, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। इस सूट में बारीक कढ़ाई का काम किया गया है, खासकर स्कर्ट के घेर वाले हिस्से पर, जो इसे बेहद खास बना रहा है। लंबे बाजू वाला टॉप गले में स्टाइलिश डिजाइन सबका ध्यान खींच रहा है, जिसमें एक छोटा सा कट-आउट है। स्कर्ट पर फूल-पत्तियों की नाजुक कढ़ाई हल्के सुनहरे और चांदी जैसे धागों से की गई है, जो सूट को शाही अंदाज दे रही है।

अभिनेत्री ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ पूरा किया है, जिसमें उनकी सुंदरता साफ झलक रही है। कानों में पहने गए

झुमके उनके परिधान के साथ बेहतरीन तालमेल बिठा रहे हैं। जसवीर ने अपने बालों को खूबसूरती से स्टाइल किया है, जिसने उनके लुक को और भी खास बना दिया है।

पोस्ट की गई तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में सिर्फ 'कलर्स' लिखा, जो उनके पोस्ट को और उजागर कर रहा है।

तस्वीरों की बात करें तो पहली में जसवीर एक घर की चौखट के सामने खड़ी होकर आत्मविश्वास के साथ पोज दे रही हैं। दूसरी में गेट को पकड़कर कमर में हाथ रखे हुए अपने स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रही हैं।जसवीर की इन तस्वीरों को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं और तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें सीआईडी में सब-इंस्पेक्टर काजल की भूमिका के लिए ज्यादा जाना जाता है। अभिनेत्री 'हिटलर दीदी', 'इश्क का रंग सफेद', और 'ससुराल सिमर का' जैसे धारावाहिकों में भी नजर आ चुकी हैं। जसवीर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में अनुपमा की दोस्त देविका की भूमिका में नजर आ रही हैं।

मलाइका अरोड़ा ने साझा किए फिटनेस के राज

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस से लोगों के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर फिटनेस टिप साझा की। मलाइका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वह चाइनीज एक्सरसाइज करती नजर आ रही है, जो न केवल शरीर को लचीला बनाती है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करती है।

पोस्ट किए गए वीडियो में मलाइका ने व्हाइट कलर का स्पोर्ट्स वियर पहना है। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ये हैं सात ऐसी चाइनीज मूवमेंट, जो आपके शरीर को लचीलापन देने के साथ-साथ लसिका तंत्र को सक्रिय करते हैं। ये व्यायाम दिखने में थोड़े अलग हैं, लेकिन ये शरीर की अंदरूनी थकान और तनाव को दूर करके आपको हल्का और तरोताजा महसूस कराते हैं।

अभिनेत्री ने वीडियो में एक वॉयस ओवर के जरिए इन व्यायामों के फायदे और करने का तरीका भी समझाया है। इन व्यायामों को करने से शरीर की लसिका तंत्र उत्तेजित होने के साथ रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। ये व्यायाम मांसपेशियों को मजबूत करने, जोड़ों को लचीला बनाने और तनाव को कम करने में कारगर हैं। मलाइका का ये वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है और कई यूजर्स इसके लिए अभिनेत्री को धन्यवाद बोल रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा लंबे समय से योग और फिटनेस की समर्थक रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया पर योग, वर्कआउट और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े टिप्स साझा करती रहती हैं।

मलाइका एक मॉडल, वीजे, अभिनेत्री रह चुकी हैं। वे रियलिटी शो में जज की भूमिकाओं में भी नजर आती हैं। वह कई बार डांस रियलिटी शो जैसे 'इंडियाज बेस्ट डांसर' और 'मूविंग इन विद मलाइका' और 'इंडियाज सुपर मॉडल' जैसे शो में भी नजर आई हैं। उन्होंने पहले आइटम सॉन्ग 'छैय्या छैय्या' और 'मुन्नी बदनाम' जैसे हिट गानों से लोकप्रियता हासिल की है।

व्हाइट ड्रेस में जान्हवी कपूर का ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड की डीवा जाह्नवी कपूर के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास है, क्योंकि उनकी फिल्म होमबाउंड सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में एक्ट्रेस अपने डेब्यू एक्टर ईशान खट्टर के साथ हैं और फिल्म को सोशल मीडिया पर शानदार रिस्पांस मिला है। अपने दिन को और खास बनाते हुए एक्ट्रेस ने बेहद ही ग्लैमरस फोटोज से अपना इंस्टाग्राम भर दिया है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की तुलसी यानी जाह्नवी ने बोल्ड फोटोज अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

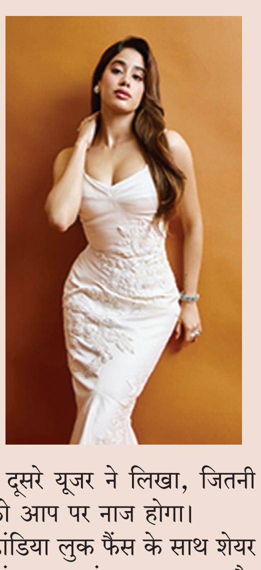

फोटोज में एक्ट्रेस व्हाइट फिश कट, स्किन टाइट ड्रेस में दिख रही हैं, जिसपर व्हाइट फ्लॉवर की एब्रायडरी भी है। एक्ट्रेस ने हाथ में व्हाइट लीली फ्लावर भी ले रखे हैं। एक्ट्रेस के क्लासी पोज उनके लुक को और गार्जियस बना रहे हैं। फैंस एक्ट्रेस के लुक पर रेड हार्ट पोस्ट कर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बिल्कुल रॉयल प्रिंसेस लग रही हो, जो रोज आकर इंस्टाग्राम पर छा जाती है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, जितनी तारीफ की जाए कम हैश्रीदेवी को आप पर नाज होगा।

इससे पहले एक्ट्रेस ने अपना डांडिया लुक फैंस के साथ शेयर किया है। एक्ट्रेस ने गहरे लाल रंग का लहंगा पहना था और वरुण धवन के साथ कोजी पोज दिए थे।वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज की जाएगी। फिल्म में एक्ट्रेस और वरुण धवन का रोमांस दिखाया गया है। फिल्म में आपको लव ट्रायंगल भी देखने को मिलेगा, क्योंकि फिल्म में अकेले जान्हवी और वरुण ही नहीं बल्कि रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा भी हैं। फिल्म का ट्रेलर काफी प्रॉमिसिंग है।

पारंपरिक साड़ी में राशि खन्ना का ग्लैमर अंदाज

साउथ सिनेमा की स्टार और बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री राशि खन्ना ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह पारंपरिक साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में उन्होंने सादगी और भारतीय परिधान की खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा है।

राशि ने खूबसूरत साड़ी पहनी है, जिसका चौड़ा गोल्डन बॉर्डर उनके लुक को और निखार रहा है। इस साड़ी के साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का ब्लाउज चुना, जिस पर गोल्डन लाइन और बाजुओं पर बारीक कढ़ाई की गई है। उनके गहनों की बात करें तो उन्होंने गले में नाजुक नेकलेस, कानों में चमकदार झुमके और हाथों में गोल्डन कंगन पहने हैं, जो उनके लुक को और भी शाही बना रहे हैं। मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने सादगी भरा जूड़ा बनाया, जिसमें साइड में सफेद फूलों की गजरा उनकी सुंदरता को चार चांद लगा रही है। राशि ने इन तस्वीरों के साथ एक खूबसूरत कैप्शन लिखा, साड़ी की नजाकत, दिल की मुस्कान...कहना ही क्या।

तस्वीरों में राशि अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह दोनों हाथ पकड़कर कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह दीवार के सहारे एक हाथ से दूसरा हाथ पकड़कर खूबसूरत पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह दीवार के पास अपनी कलाई को नरमी से पकड़कर लाजवाब अंदाज में नजर आ रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी वह तरह-तरह के पोज में अपनी खूबसूरती बिखेर रही हैं।

राशि की इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर उनके इस पारंपरिक अवतार को खूब पसंद किया जा रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशि के कई प्रोजेक्ट रिलीज होने जा रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही पवन कल्याण के साथ फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में दिखाई देगी। इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। इसके अलावा राशि को फरहान अख्तर के साथ '120 बहादुर' में भी लीड रोल प्ले करते हुए देखा जाएगा।

दशहरा, धनतेरस, दीपावली, करवा चौथ कब है?

अक्टूबर में पड़ने वाले व्रत-त्यौहार

धार्मिक परंपराओं के लिहाज से अक्टूबर 2025 इस बार बेहद महत्वपूर्ण माह रहने वाला है। इस महीने दशहरा से लेकर दिवाली और करवा चौध से लेकर छठ महापर्व तक कई प्रमुख त्यौहार और व्रत पड़ रहे हैं। इसी महीने 1 अक्टूबर को शारदीय नवरात्रि का समापन बी हो रहा है। इसके बाद असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा मनाया जाएगा। इसके साथ ही पापांकुशा एकादशी , शरद पूर्णिमा और अहोई अष्टमी जैसे व्रत मनाए जाएंगे। आइए ऐसे में जानते हैं अक्टूबर में आने वाले व्रत त्योहारों कैन-कैन से हैं।

02 अक्टूबर – दशहरा

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरा मनाया जाता है। असत्य पर सत्य की विजय का यह पर्व शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों के बाद आता है। इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया था सच्चाई का परचम लहराया था। इस बार यह त्योहार 2 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन शस्त्र पूजन और रावण दहन की परंपरा है।

02 अक्टूबर – पापांकुशा एकादशी

सालभर में पड़ने वाली 24 एकादशियों में से आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पापांकुशा एकादशी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन उपवास कर भगवान विष्णु की पूजा करने से अकाल मृत्यु से मुक्ति मिलती है और मनुष्य के सभी पाप नष्ट होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार पापांकुशा एकादशी 02 अक्टूबर शाम 07.10 बजे से शुरू होकर 03 अक्टूबर को शाम 06.32 बजे तक रहेगी.

02 अक्टूबर – पापांकुशा एकादशी

सालभर में पड़ने वाली 24 एकादशियों में से आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पापांकुशा एकादशी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन उपवास कर भगवान विष्णु की पूजा करने से अकाल मृत्यु से मुक्ति मिलती है और मनुष्य के सभी पाप नष्ट होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार पापांकुशा एकादशी 02 अक्टूबर शाम 07.10 बजे से शुरू होकर 03 अक्टूबर को शाम 06.32 बजे तक रहेगी.

10 अक्टूबर – करवा चौथ

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करती है। सुबह से निर्जला उपवास कर शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देकर सुहागिन पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण करती हैं। पंचांग के अनुसार, इस बार करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर रखा जाएगा।

13 अक्टूबर – अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी का व्रत आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रखा जाता है। बताएं संतान की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। इस दिन सूर्योदय से उपवास शुरू होता है और रात में तारों को देखकर व्रत खोला जाता है। इस साल अहोई अष्टमी का व्रत 13 अक्टूबर को रखा जाएगा। मान्यता है कि इस व्रत से निसंतान महिलाओं को संतान सुख प्राप्त होता है।

17 अक्टूबर – रमा एकादशी/गोवत्स द्वादशी

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को रमा एकादशी कहते हैं। इस दिन उपवास रख भक्त भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का पूजन करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से जीवन में दरिद्रता दूर होती है और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार, 17 अक्टूबर को यह व्रत रखा जाएगा। इस दिन गो-वत्स द्वादशी भी पड़ रही है। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर गौ पूजन करती हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं।

18 अक्टूबर – धनतेरस/यम प्रीत्यर्थ दीपदान

हिंदू धर्म में धन त्रयोदशी या धनतेरस का खास महत्व है। इस दिन को पांच दिनों तक चलने वाले दीपावली उत्सव के पहले दिन के तौर पर माना जाता है। हर साल यह पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा होती है। इस साल 18 अक्टूबर 2025, शनिवार को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा. धनतेरस की शाम को दीपदान करने की परंपरा है। इसे यम दीपदान भी कहा जाता है।

19 अक्टूबर –हनुमान जयंती

कार्तिक मास की चतुर्दशी को कई स्थानों पर हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस तिथि को व्रत और हनुमान जी की पूजा करने से जीवन से भय और संकट दूर होते हैं। श्रीरामचरितमानस, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। इस बार 19 अक्टूबर को हनुमान जयंती मनाई जाएगी।

20 अक्टूबर – नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को 'छोटी दिवाली' के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी पड़ती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे नरक चतुर्दशी कहा जाता है। इस बार सोमवार 20 अक्टूबर को यह त्योहार मनाया जाएगा।

20 अक्तूबर –दीपावली

कार्तिक मास की अमावस्या को बड़ी ही धूमधाम के साथ अंधकार पर प्रकाश की जीत का त्योंहार दीपावली मनाया जाता है। इस दिन भगवान राम और माता सीता के अयोध्या लौटने पर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। यही परंपरा आज तक चली आ रही है। इस साल दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा. यह दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्तम माना जाता है।

21 अक्टूबर – कार्तिक अमावस्या

कार्तिक अमावस्या का दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। यह तिथि दीपावली के साथ ही आती है और इस दिन पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध और दीपदान करना अत्यंत शुभ होता है। इस दिन किए गए धार्मिक कार्य मनुष्य के पापों का नाश करते हैं और उसे पुण्य फल की प्राप्ति कराते हैं। इस साल 21 अक्टूबर को यह पर्व मनाया जाएगा।

22 अक्टूबर – अन्नकूट व गोवर्धन पूजा

हर साल कार्तिक माह की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है। यह दिन भगवान कृष्ण को समर्पित है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने इन्द्रदेव का अभिमान तोड़कर ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर धारण किया था। इस दिन कई तरह के भोजन बनाकर भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता।

23 अक्टूबर – भाई दूज (यम द्वितीया)

भाई दूज कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है। इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है। यह दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव का अंतिम दिन होता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना जी से मिलने आए थे, तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

27 अक्टूबर – छठ महापर्व

छठ महापर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। यह पर्व विशेषकर बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अत्यधिक श्रद्धा से मनाया जाता है। छठ व्रत में महिलाएं और पुरुष निराहार व्रत रखकर अस्ताचल और उदयाचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। मान्यता है कि सूर्य की उपासना से संतान सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। छठ पूजा चार दिनों तक चलता है।

31 अक्टूबर – अक्षय कूष्माण्ड नवमी

कार्तिक मास की शुक्ल नवमी को अक्षय कूष्माण्ड नवमी का व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि इस दिन माता कूष्माण्डा की पूजा करने से अक्षय पुण्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन महिलाएं संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत करती हैं। इस दिन व्रत और दान करने से जीवन में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती।

अष्टमी के दिन सुख-सम्पन्नता के लिए करें माता के महागौरी स्वरूप की आराधना

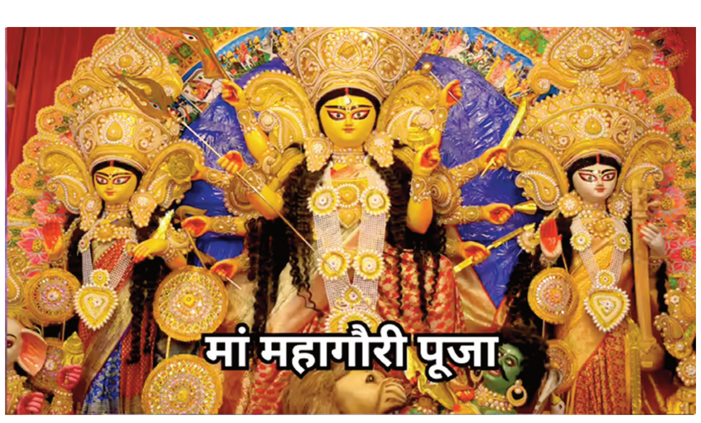

अष्टमी के दिन मां दुर्गा की पूजा व आराधना ठीक उसी प्रकार कल्याणकारी है जिस प्रकार अंधेरे में घिरे हुए संसार के लिए भगवान सूर्य की एक किरण। नवरात्रि में दुर्गाष्टमी की कल्याणप्रद, शुभबेला श्रद्धालु भक्तजनों को मनोवांछित फल प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है। नवरात्रि के आठवें दिन की देवी मां महागौरी हैं, परमकृपालु मां महागौरी कठिन तपस्या कर गौरवर्ण को प्राप्त कर भगवती महागौरी के नाम से सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में विख्यात हुईं। भगवती मां गौरी की अष्टमी के दिन आराधना सभी मनोवांछित फलों को देने वाली तथा शरीर में उत्पन्न नाना प्रकार के रोग, शोक, व्याधि आदि का अंत कर जीवन को आरोग्यता से पूर्ण करती हैं।

महागौरी मां दुर्गा की शक्ति का आठवां विग्रह स्वरूप हैं। इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गई है, 'अष्टवर्षा भवेद् गौरी।' माता महागौरी मनुष्य की प्रवृत्ति सत् की ओर प्रेरित करके असत् का विनाश करती हैं। इनका शक्ति विग्रह भक्तों को तुरंत और अमोघ फल देता है। शास्त्रों में वर्णित इनकी उपासना से भक्त के जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं और मार्ग से भटका हुआ भी सन्मार्ग पर आ जाता है। भविष्य में पाप-संताप, निर्धनता, दीनता और दुख उसके पास नहीं फटकते। इनकी कृपा से साधक सभी प्रकार से पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है, उसे अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। 'नारद पंचरात्र' के अनुसार पार्वती के रूप में इन्होंने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए बड़ी कठोर तपस्या की थी। इनकी प्रतिज्ञा थी कि, 'व्रियेऽहम् वरदं शम्भुं नान्यं देवं महेश्वरात्।' इस कठोर तप के कारण उनकी देह क्षीण और वर्ण काला पड़ गया। अंत में इनकी तपस्या से संतुष्ट होकर जब भगवान शिव ने इन्हें अपनी जटा से निकलती पवित्र गंगाधारा के जल से धोया तो यह विद्युत प्रभा के समान अति कांतिमान और गौर वर्ण की हो गईं, तभी से इनका नाम महागौरी पड़ा। महागौरी अक्षत सुहाग की प्रतीक हैं, इनकी पूजा विवाहित महिलाओं को विशेष फल प्रदान करती हैं।

पूजन विधि – नवरात्र के आठवें दिन कंद, फूल, चंद्र अथवा श्वेत शंख जैसे निर्मल गौर वर्ण वाली महागौरी का स्तवन करें। पूजा के समय देवी स्थान को तोरण व विविध प्रकार के मांगलिक पत्र-पुष्प से सजाना चाहिए तथा स्थापित सभी देवी-देवताओं का पूजन उनके नाम मंत्रों द्वारा षोडशोपचार पूजन करना चाहिए जो विशेष फलदायक होता है। मां का ध्यान इस मंत्र से करें,

श्वेत हस्ति समारूढ़ा, श्वेताम्बर धरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्याद् महादेव प्रमोददा।।

देवी की मूर्ति के सामने न केवल मंत्रोच्चारण करें, बल्कि प्रसाद और फूल भी चढ़ाएं, गौरी श्वेत रंग पसंद करती हैं, इसलिए इस दिन सभी को श्वेत वस्त्र पहनना चाहिए और देवी को सफेद फूल (बेली, चमेली) की माला चढ़ानी चाहिए। मां का शास्त्रीय विधि से पूजन करने वाले सभी रोगों से मुक्त हो जाते हैं, इस प्रकार अष्टमी को विविध प्रकार से भगवती जगदम्बा का पूजन कर रात्रि का जागरण करते हुए भजन-कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए।

बुधादित्य योग के संयोग में माता कात्यायनी की कृपा का लाभ पाएंगे मेष कर्क समेत अन्य राशियों के जातक

आज यानी 28 सितंबर दिन रविवार है और आज के दिन तिथि रहेगी आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी। शास्त्रों के अनुसार इस दिन की देवी मां कात्यायनी होती हैं। इस पर रविवार का दिन होने से दिन के देवता सूर्य होंगे जो आज कन्या राशि में बुधादित्य योग बनाकर संचार करेंगे और इसके साथ ही आज के दिन चंद्रमा का गोचर वृश्चिक राशि मे होगा और चंद्रमा अष्टम और एकादश भाव में शुभ ग्रहों के होने से शुभ योग बनेगा। साथ ही ज्येष्ठा नक्षत्र के संयोग में आज आयुष्मान योग का संयोग बन रहा है। ऐसे में आज का दिन बुधादित्य योग और माता कात्यायनी के आशीर्वाद से मेष, कर्क, कन्या, तुला और मकर राशि के जातको के लिए भाग्यशाली रहेगा।

मेष राशि –आज रविवार का दिन मेष राशि के लिए पराक्रम और प्रभाव मे वृद्धि करने वाला रहेगा। आप आज सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आर्थिक रूप से आपका पक्ष आज अनुकूल रहेगा। बिजनेस में आपको जहां लाभ मिलेगा। वहीं प्रॉपर्टी संबंधी काम में भी आप आज सफलता पाएंगे। आपके लिए सितारे कहते हैं कि आपके काम का संबंध अगर गृह निर्माण से संबंधित है तो आपके लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक होगा। पारिवारिक जीवन में भी आपसी सामंजस्य बना रहेगा। किसी पारिवारिक यात्रा का संयोग बन सकता है।

उपाय :आपको उपाय के तौर पर सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्घ्य देना चाहिए।

कर्क राशि –कर्क राशि के लिए आज का दिन आध्यात्मिक उत्थान का रहेगा। आपका मन आज के दिन धर्म अध्यात्म में अधिक लगेगा। आपको आज परिवार की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। लोग आपकी बातों को मानेंगे और सम्मान करेंगे। आपकी आर्थिक योजनाएं फलीभूत होंगी। आपको कोई भौतिक सुख साधनों से संबंधित वस्तुओं की भी प्राप्ति हो सकती है। कोई सोचा हुआ काम पूरा होने से आपका मन आनंदित होगा। आपके लिए आज का दिन लव लाइफ के मामले में भी अच्छा है। आपको गिफ्ट मिलने का भी योग बना है।

उपाय : आपको आज के दिन उपाय के तौर पर सप्तशती के पंचम अध्याय का पाठ करना चाहिए।

कन्या राशि – कन्या राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन पिता और पैतृक धन संपत्ति का लाभ मिल सकता है। जो प्रॉपर्टी संबंधी विवाद चल रहा है तो उसे सुलझाने में आप सफल रहेंगे। आपको वरिष्ठ लोगों से सहयोग प्राप्त होगा। आपके लिए आज का दिन आर्थिक लाभ दिलाने वाला भी रहेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है जिससे भविष्य में लाभ का सृजन हो सकता है। सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को आज कोई सम्मान या पद का लाभ मिल सकता है। आपको आज के दिन धार्मिक कार्यो में शामिल होकर पुण्य लाभ पाने का भी अवसर प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में आपको जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

उपाय : आज के लिए आपको उपाय के तौर गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए और गाय को गुड़ खिलाएं

तुला राशि – तुला राशि के जातक आज भाग्य का चमत्कार देख सकते हैं। आपके लिए अचानक लाभ का कोई संयोग बन सकता है। कोई ऐसी खबर मिल सकती हे जिससे आपका मन आनंदित हो जाएगा। आपका प्रभाव और आत्मविश्वास आपके लिए उन्नति की राह बनाएगा। आपको आज किसी काम में नेतृत्व करने का भी मौका मिलेगा। पारिवारिक जीवन मे आपको जीवनसाथी और भाई बहनों से भी सहयोग मिलेगा। कोई अधूरा अटका काम पूरा होने से आपका मन आज आनंदित हो जाएगा। शाम का समय आपका धार्मिक कार्यों में बीतेगा।

उपाय : आपको आज के दिन उपाय के तौर पर रुद्राष्टक का पाठ करना चाहिए।

मकर राशि – मकर राशि के लिए रविवार का दिन सुखद रहने वाला है। जो लोग वस्त्र और शौक श्रृंगार से संबंधित वस्तुओं के कारोबार से जुड़े हुए हैं उनको भाग्य आज लाभ का विशेष अवसर प्रदान करेगा। आपको आज के दिन प्रॉपर्टी के काम में भी लाभ मिलने का योग बना हुआ है। आपके लिए यात्रा का भी संयोग बना हुआ है। अगर आप किसी शुभ काम के लिए यात्रा पर जा रहे हैं तो आपकी यात्रा सफल और सुखद रहेगी। किसी तीर्थ दर्शन का भी आपको आज के दिन पुण्य मिलने का योग बना है। आपको आज घर के बड़े और वरिष्ठजनों से लाभ लाभ और सहयोग मिलेगा।

उपाय : आपको उपाय के तौर पर सप्तशती के कुंजिकास्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

घर के ईशान कोण में हैं ये दोष तो नहीं मिलता पूजा का फल, हो सकता है भारी नुकसान

सुख-समृद्धि की चाह हम सबको अपने जीवन में होती है। जिसके लिए हर कोई जीवन में निरंतर प्रयास और कड़ी मेहनत करता है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि हमारे अथक प्रयासों और परिश्रम के बाद भी हम असफल रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, आपकी प्रगति में आने वाली बाधाओं के पीछे वास्तुदोष भी हो सकता है। जिस व्यक्ति को धनाभाव हो या उन्नति रूकी हुई हो तो वास्तु से संबंधित दोष भी इसके लिए उसके घर में मौजूद वास्तुदोष भी जिम्मेदार हो सकते हैं। घर की बनावट या संरचना में यदि वास्तु के मुताबिक दोष है तो यह आपकी असफलता और धनहानि का कारण बन सकता है।

क्या है ईशान कोण

वास्तु के अनुसार घर में मौजूद गलत संरचना या बनावट पूरे घर को प्रभावित करती है। यह घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, पूर्व और उत्तर दिशाएं जहां पर मिलती हैं उस स्थान को ईशान दिशा कहते हैं। घर में यह जगह ईशान कोण कहलाती है। वास्तु के अनुसार, इस कोण पर देवताओं और आध्यात्मिक शक्तियों निवास करती हैं। यह घर का सबसे पवित्र कोना माना गया है। भगवान शिव भी उत्तर-पूर्व दिशा में रहते हैं और उनका एक नाम भी ईशान है, इसलिए यह कोण ऊर्जा का स्रोत और शक्तिशाली माना गया है। बृहस्पतिदेव और मोक्षदायी केतु भी इसी जगह रहते हैं। इसलिए यह कोण और भी शुभ माना जाता है। जानिए इसके गलत संरचना से कैसे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

होती है धन हानि

यदि यह कोण ऊंचा हो तो धन हानि होती है, उन्नति रूक जाती है। यदि ईशान कोण में उत्तरी दिशा की लंबाई घट रही हो तो उस मकान की गृहस्वामिनी को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। यह कोण भारी, अस्वस्थ, सूखा आदि हो तो गृहस्वामी की उन्नति के समान धनवृद्धि नहीं हो पाती है।

गंदगी से होता है नुकसान

यदि इस कोण में शौचालय, नगर निकासी या कोई अन्य गंदगी है तो धन संबंधी परेशानी रहती है। उन्नति में बाधा रहती है। सेप्टिक टैंक इस कोण में होने पर आर्थिक हानि होती है। इस दोष को दूर करने हेतु उपाय के रूप में टैंक के ढक्कन को लाल रंग से रंगने पर दोष का प्रभाव दूर हो जाता है।

इस दिशा में टॉयलेट नहीं बनाना चाहिए

इस दिशा(कोण) में टॉयलेट होने पर व्यक्ति का जीवन तबाह हो जाता है, उन्नति रुक जाती है, धन-हानि होती है। दोष दूर करने के लिए उपाय के रूप में दर्पण लगाना शुभ रहता है। पानी भरा बर्तन रखना चाहिए। फिश एक्वेरियम रखना चाहिए।

सीढ़ियां पहुंचाती हैं नुकसान

इस कोण में सीढ़ियां कर्जवृद्धि आर्थिक तंगी देती है। यदि यह कोण कट या घट जाए तो भयंकर आर्थिक संकट आता है। यदि इस कोण में सीढ़ियां, किचन, कबाड़खाना आदि है तो आर्थिक तंगी रहती है। इस दिशा में शौचालय, सीढ़ी, पानी की टंकी नहीं होनी चाहिए।

निम्न उपाय अपनाकर ईशानकोण संबंधित वास्तुदोष से छुटकारा पा सकते हैं।

कैलाश पर्वत की तस्वीर है लाभकारी

इस कोण को अन्य सभी कोण से नीचा रखना चाहिए। इसे बड़ा, खुला हल्का,स्वच्छ व सुगंधयुक्त रखना चाहिए। बर्फ से ढंके कैलाश पर्वत पर साधना मुद्रा में भगवान श्री शिवजी, जिनके भाल पर चंद्र हो और जटा से गंगाजी निकल रही हों, की तस्वीर लगाना चाहिए।

पक्षियों की तस्वीर कम करती है दुष्प्रभाव

इसके बुरे प्रभाव से बचने के लिए गुरु यंत्र की स्थापना करनी चाहिए। बड़ा शीशा लगाना चाहिए। भोजन की तलाश में उड़ते पक्षियों की तस्वीर लगानी चाहिए। जल स्रोत व इसके फोटो रखनी चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

कर लो तैयारी पूरी!!!

अभी कुछ दिनों पहले ही तो क्लासेज शुरू हुईं थीं और अब एग्जाम का भूत आ गया है। अरे भई! ये यूनिट टेस्ट के नाम से तो गुस्सा आता है। है न। पर यह सब तो आपकी तैयारी के लिए ही लिए जाते हैं। तो फिर घबराना कैसा? जैसे बूंद-बूंद से सागर भरता है, वैसे ही थोड़ी-थोड़ी तैयारी से पूरा सिलेबस याद हो जाता है। मालूम है आप सबने कर ही ली होगी तैयारी। पर दोस्तो, थोड़ा रिवीजन करना तो बनता है न। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ जाएगा...

परीक्षाओं का डर तो मन से जाता ही नहीं। वैसे आप सब जानते हैं, बच्चे से लेकर बूढ़े तक सबके मन में इस शब्द ने डर भर रखा है। तो आपका डरना लाजिमी ही है। वैसे अब तक टेस्ट में पूछा जाने वाला सिलेबस आपने रट ही लिया होगा। क्या?...अभी रिवीजन बाकी है। हम्मम...वैसे रिवीजन करने का समय भी तो आ ही गया है। पर रिवीजन करते क्यों है? आखिर क्या जरूरत है इसकी?...अरे! समझ गए भई। रिवीजन करना चाहिए। हम भी यही कह रहे हैं। पर रिवीजन के रीजन को समझने की कोशिश करते हैं और इसे सही तरीके से करने के बारे में भी कुछ बातें करेंगे।

रिवीजन के कायदे

1. **इंटरैक्टिव स्टडी-** रिवीजन करने बहुत सारे तरीके हैं। जो सबसे ज्यादा लोग करते हैं वो है, नोट्स को कई दफा पढ़ना। सबसे कारगर तरीकों में से एक है, इंटरैक्टिव स्टडी। यानी की एक टॉपिक पर दो या फिर दो से ज्यादा लोग चर्चा कर के उस टॉपिक को तैयार करें।

2. **डायग्राम और थ्योरी-** इसके अलावा जिन विषयों में डायग्राम बनाए जाते हैं, उनकी भी तैयारी की जाती है। इन विषयों में सबसे पहले नाम आता है- विज्ञान और गणित का। पर इनके अलावा अन्य विषयों में भी चार्ट आदि बनाने की तैयारी की जाती है। वहीं हेडिंग और अंडरलाइन होने वाले बिन्दुओं को भी याद करना चाहिए। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के थ्योरियों को भी बारीबारी याद करना चाहिए।

3. **टाइम-टेबल बनाएं-** रिवीजन की शुरुआत में ही सब टाइम-टेबल बनाते हैं। इससे समय के अनुसार विषयों का विभाजन हो जाता है और सभी विषयों को समय दे पाते हैं। इस बार जब आप टाइम टेबल बनाएं तो उसे बड़े आकार की शीट पर बनाएं। इससे आपके साथ घर के अन्य लोग भी आपकी रूटीन से परिचित हो जाएंगे। और चूंकि सब जान जाएंगे, तो आप भी उसे पूरा करने के प्रति ज्यादा सजग होंगे।

4. **जल्दी से जल्दी-** रिवीजन की शुरुआत सुबह जितनी जल्दी कर सकें, करनी चाहिए। एक अंग्रेजी कहावत के अनुसार सबसे जल्दी उठने वाली चिड़िया को सबसे अच्छा भोजन मिलता है। इसका मतलब आप जितनी जल्दी अपनी तैयारी शुरू करेंगे, उतनी जल्दी ही इसे खत्म कर पाएंगे। दिन का टार्गेट पूरा हो जाएगा, तो बड़ी संतुष्टि मिलेगी।

इन सबके अलावा आप खेल के साथ भी कुछ तैयार कर सकते हैं। नहीं आया समझ में। कोई बात नहीं। इतिहास को याद करते वक्त आप दिन और वर्ष भूल जाते हैं। सच है न। इसे याद करने के लिए आप एक इतिहास के उस हिस्से का मंचन कर लीजिए। याद नहीं रहता। इसलिए जरूरी है ये मंचन का खेल। तो फिर कोई बाबर बन जाए और कोई लोधी का किरदार निभाए। इससे आप सबका मनोरंजन होने के साथ-साथ आपकी तैयारी भी हो जाएगी। है न कारगर उपाय।

तो फिर बैठिए मत। तैयारी कीजिए।

इसके फायदे

आपने जितना भी और जो भी पढ़ा है, वो आपको याद है भी या नहीं, इसकी जांच करना बेहद जरूरी है। इस जांच में आप अपने भाई-बहनों या फिर दोस्तों की भी मदद ले सकते हैं। अपने सिलेबस के किसी एक सब्जेक्ट का चयन करें और फिर अपने दोस्त या फिर भाई-बहन से कहें कि वो आपका छोटा-सा टेस्ट लें। इस टेस्ट में सफल होने पर आपके अंदर आत्मविश्वास खुद-ब-खुद ही आ जाएगा। वहीं कुछ टॉपिक्स को हम बहुत पहले पढ़ चुके होते हैं, तो यह सोच कर रह जाते हैं कि वो तो हमें याद ही है। लेकिन रिवीजन करते समय उन टॉपिक्स को भी दोहरा लिया जाता है। इससे आपकी तैयारी पुख्ता हो जाती है।

इस तरह करने से आपकी परीक्षा के लिए तैयार रहने की आदत पनप जाएगी और आप वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में सफर रहेंगे।

एक केला हो जाए

टेनिस प्लेयर्स को जब ब्रेक मिलता है तो वो क्या करते हैं? कभी ध्यान दिया है। नहीं! कोई बात नहीं, वो झट से एक केला खा लेते हैं। दरअसल, केले में पोटैशियम की बहुत ज्यादा मात्रा पाई जाती है। और विशेषज्ञों का मानना है कि पोटैशियम से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। इसका मतलब जब भी आपको लगे कि आप थक से रहे हो तो फिर आप भी झट से एक केले का सेवन कर लें।

कविता

पेड़ की पुकार

मेरे हैं उपकार बहुत,
कुछ तो सोच-विचार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।
बचपन में मां ने तुम्हें,
मुझसे बने झूले में झुलाया।
मेरी कलम से तुमने,
कापी पर अ-आ बनाया।
मैं हूं तेरा सच्चा साथी,
न यह मारा-मार करो।
छोटी उम्र में रहे,
खेलते तुम पेड़ों पर चढ़कर।
बड़ा होते ही उठाई आरी,
और मुझे लहुलुहान किया।
मेरे कारण तुम्हारा जीवन,
बुरा न व्यवहार करो।
मीठे फल मैं देता,
तुमको साथ में ठंडी छांव।
ऐसे करता सेवा तुम्हारी,
जैसे करती है मां।
सुंदर प्यारे फूल देखकर,
सुख का इजहार करो।
मेरी टहनी पर बैठे पंछी,
करते हैं विनती।
हमारा घर न उजाड़ो,
न हमें बेहाल करो।
मानव अपने सुख के,
लिए जीवन ना दुश्वार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।

ज्ञान बढ़ाओ

बूझो तो जानें!!!

1. भारत की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर का नाम बताइए।
2. भारतीय प्रधानमंत्री जिनका कार्यकाल के दौरान ही देहांत हुआ।
3. भारतीय थलसेना के प्रथम प्रमुख का नाम बताइए।
4. भारत के सबसे बड़े पुरस्कार का नाम बताइए।
5. भारत की पहली जनगणना किस वर्ष हुई थी?
6. भारत के पहले अंग्रेजी अखबार का नाम बताइए।
7. भारत की पहली पंचवर्षीय योजना किस वर्ष से शुरू किया गया।
8. भारत का पहला सिनेमा हॉल कब बनाया गया था?
9. भारत की वह पहली फिल्म जिसमें सारी महिला कलाकार थीं।
10. भारत की पहली बिना गीत की फिल्म का नाम बताइए।
11. भारत की प्रथम महिला राजदूत कौन थीं?
12. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री का नाम बातइए।
13. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष का नाम बताइए।
14. प्रथम फिल्म अभिनेता जो मुख्यमंत्री बने।
15. भारतीय राष्ट्रपति जिनका कार्यकाल के दौरान देहांत हुआ।

उत्तर-1. किरण बेदी 2. इंदिरा गांधी 3. एस राजेन्द्र सिंह 4. भारत रत्न 5.-वर्ष 1901 6. बंगाल गेजेट(1790) 7. वर्ष1951 8. 1907 में कोलकाता में जेएफ मदन ने बनवाया था। 9. बिंदहस्त(मराठी फिल्म) 10. जेबीएच वाडिया की नौजवान (1937) 11. विजयलक्ष्मी पंडित 12. सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश) 13. सरोजिनी नायडू 14. एम.जी. रामचंद्रन 15. जाकिर हुसैन

खुद से किया वादा

स्कूल से आते ही बस्ता फेंककर सोनू खेलने भाग जाया करता था। सोनू की इस आदत से उसकी मां बहुत परेशान रहती थी। फिर अचानक एक दिन सोनू को कुछ ऐसा भुगतना पड़ा, जिसकी वजह से उसने खुद से एक वादा किया। वह वादा था सभी कार्यों को नियत समय पर करने का...

कहानी

सोनू स्कूल से आता और अपना स्कूल बैग उतार कर बिना पानी पिए खेलने के लिए चला जाता। मां आवाज लगाती, पानी तो पी ले, स्कूल के कपड़े तो बदल ले, लेकिन सोनू किसी की भी नहीं सुनता और अभी आता हूं कह कर चला जाता और कितनी देर तक वापस नहीं आता। यह उसकी रोज की आदत बन गई। इसके कारण उसका कोई भी काम समय से पूरा नहीं होता। वह आराम करने के समय में खेलता और खेलने के समय स्कूल का काम करता। उसका कोई भी काम समय पर न होने के कारण उसका स्कूल का काम भी अधूरा रह जाता। जब वह रात को स्कूल का काम करने के लिए बैठता तो लाइट चली जाती। जिस कारण काम पूरा नहीं होता और उसे रोज स्कूल में अध्यापकों से डांट पड़ती। सोनू की मां रोज उसे समझाती कि जिन बच्चों के साथ वह खेलता-कूदता है वे बच्चे खुद तो पढ़ते नहीं और उसकी पढ़ाई भी खराब करते हैं। उसे स्कूल से आते ही उन बच्चों के साथ खेलना नहीं चाहिए। उसे पहले अपना काम करना चाहिए और फिर खेलना चाहिए। लेकिन सोनू किसी की भी न सुनता।

आज भी वह खेल कर देर से घर वापस आया और आते ही कहने लगा कि उसके सिर में दर्द हो रहा है। मां ने देखा तो उसका सारा शरीर बुखार के कारण तप रहा था। मां ने कहा, 'मैंने तुम्हें मना किया था खेलने से और कहा था कि तुम पानी पीकर आराम करके फिर खेलने जाना, लेकिन तुम किसी की भी नहीं सुनते हो।'

'मेरा सिर दबा दो, बहुत दर्द हो रहा है' सोनू ने कहा। वो दर्द से कराह रहा था। 'रुक पहले तेरा बुखार देख लूं थर्मामीटर से', मां ने कहा।

थर्मामीटर लगा कर देखा तो सोनू का बुखार 102 से भी ज्यादा था। मां गुस्से में बोली 'तुझे कितनी बार कहा था कि स्कूल से आने के बाद कुछ देर आराम कर लिया कर आराम शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। लेकिन तू कभी नहीं सुनता। यह ले पानी पी' और मां सोनू के माथे पर ठंडे पानी की पट्टियां करने लगी और कहा कि 'हम थोड़ी देर बाद दवाई लेने जाएंगे।'

'घर में कोई दवाई है तो वो ही दे दो।' सोनू ने कहा।

'घर में कोई भी दवाई नहीं है। अब तो डॉक्टर इंजेक्शन लगाएगा और पैसे जो लगेंगे सो अलग। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इलाज से परहेज अच्छा लेकिन आजकल के बच्चे कहां किसी की मानते हैं।'

जब वे लोग डॉक्टर के पास पहुंचे तो वहां पर बहुत भीड़ थी। सोनू का खड़ा होना भी मुश्किल हो गया था। उन्होंने अपनी बारी की पर्ची बनवाई और अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

अब सोनू बैठा सोच रहा था कि 'अगर मां की बात मानी होती तो वह आज बीमार न होता और उसे इंजेक्शन का भी डर न होता। अब पता नहीं डॉक्टर कितने दिनों के लिए आराम करने को कहेगा। भगवान करे कि अब ठीक हो जाऊं और इंजेक्शन भी न लगे। आगे से कभी भी ऐसा नहीं होगा।' सोनू ने खुद से वादा किया कि शरीर को जितना आराम चाहिए वो उसे देगा और सभी काम समय से करेगा।

सोनू अंदर आओ। अंदर से आवाज आई। आवाज सुनते ही सोनू इंजेक्शन के डर से घबराता हुआ डॉक्टर के पास गया। नब्ज देखकर डॉक्टर ने कहा कि 'बुखार अब कम है।' शायद मां के घरेलू नुस्खे से सोनू का बुखार कम हो गया था। डॉक्टर के पीछे खड़ी एक नर्स सिरींज में दवाई भर रही थी। सोनू ने सोचा कि शायद अब डॉक्टर नर्स से कहेगा कि इसको लिटाओ इंजेक्शन लगाने के लिए, लेकिन नर्स तो दूसरे कैबिन में चली गई। यह देखकर सोनू ने चैन की सांस ली। कैबिन से जब बच्चे की रोने की आवाज आई तो सोनू न सोचा कि 'अब मेरी बारी आएगी।' तभी डॉक्टर ने सोनू की तरफ देखते हुए कहा, 'हां, जी तो आपका नाम क्या है?'

'जी सोनू।'

'पढ़ते हो, कौन से स्कूल में, कौन सी कक्षा में?' डॉक्टर ने पूछा।

सोनू ने सभी सवालों के जवाब दिए, लेकिन उसका ध्यान टीके की तरफ ही था। 'यह बुखार सिर्फ थकावट के कारण हुआ है। इंजेक्शन की जरूरत नहीं है। यह तो दवाइयों से ही ठीक हो जाएगा।' डॉक्टर ने पीठ थपथपाते हुए कहा। इंजेक्शन न लगने की खुशी से सोनू बहुत खुश था। उसने सोचा शायद उसने खुद से जो वादा किया था उसे भगवान ने सुन लिया।

सोनू घर आया और आराम किया। अगले दिन वह स्कूल गया पर वापस आने के बाद यूनीफॉर्म बदलकर खाना खाया और आराम किया। सोनू में आए इस बदलाव को देखकर उसकी मां बहुत खुश हुईं।

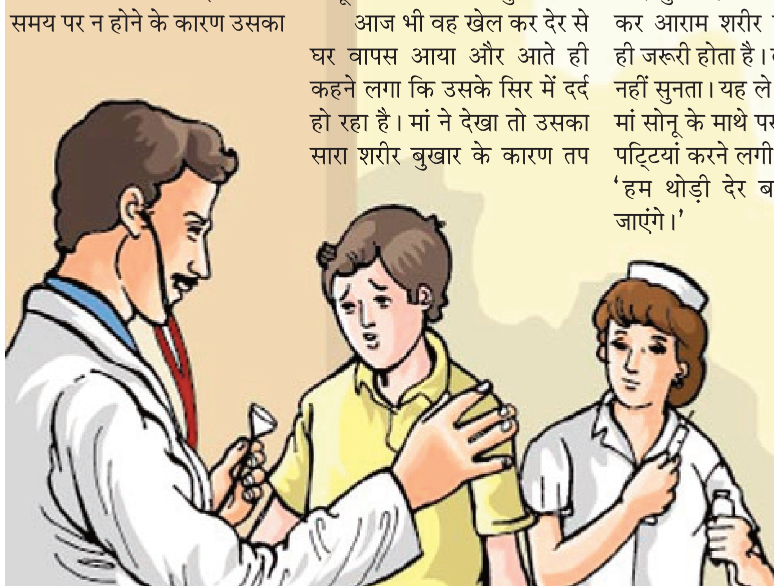

अंतर ढूढो

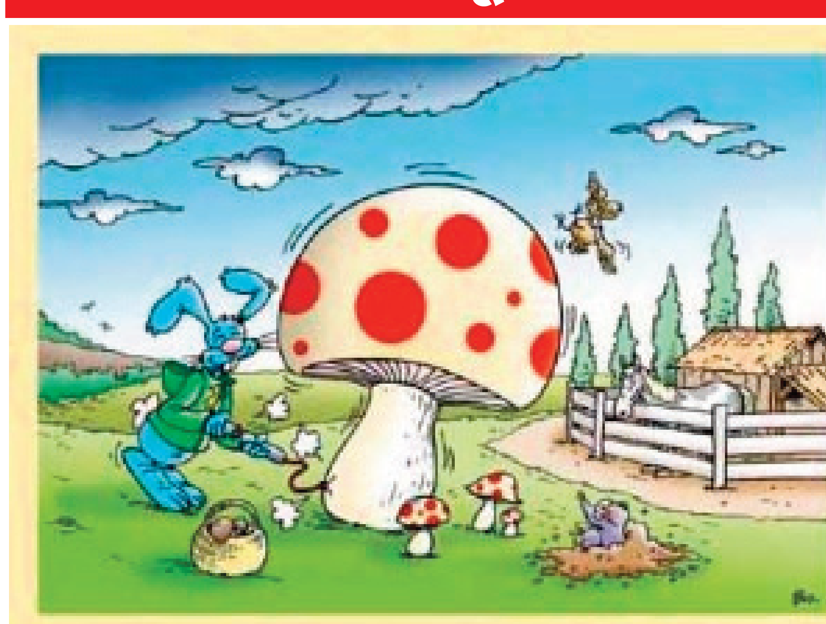

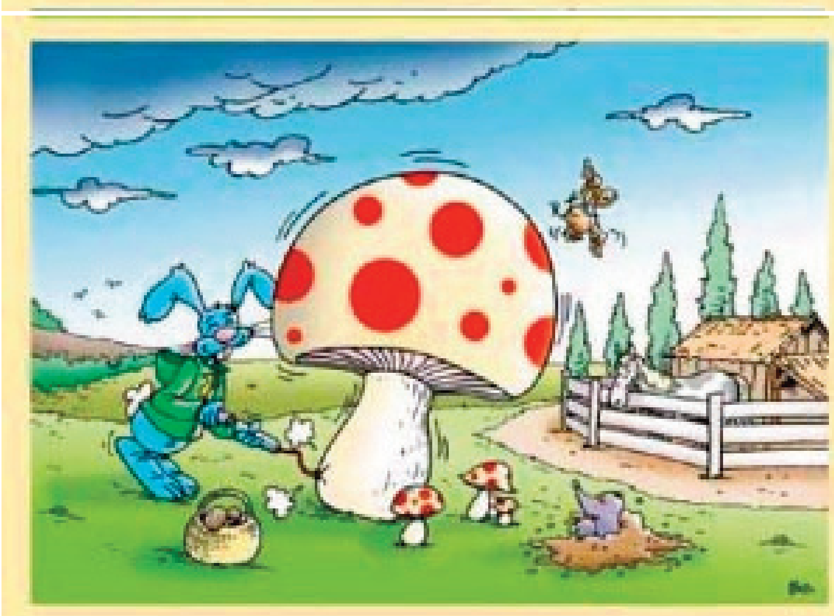

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। तो जमाइए नजरें और खोज निकालिए ये अंतर भी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उत–ार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आप–को झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरा–ताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जी–वनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बाय–ोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 सितंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 02:28 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 03:55 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 12:32 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:28 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 03:55 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:11 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , षष्ठम् कात्यायनी पूजन, शहद भगतसिंह जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री का 4जी सेवा के लाभार्थियों से संवाद–लाभार्थियों ने कहा

अब हमें बात करने के लिए नहीं जाना पड़ता है पहाड़ियों पर

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी नेटवर्क सेवा के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम में 4जी सेवा के लाभार्थियों से आत्मीयतापूर्वक संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान की हजारों साइट्स पर अब बीएसएनएल की 4जी सेवा उपलब्ध है। इससे प्रदेशवासियों को स्वदेशी रूप से विकसित नेटवर्क पर शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार तथा अन्य क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न सुविधाओं का लाभ सुचारू रूप से मिल रहा है।विभिन्न जिलों से वर्चुअली जुड़े तथा कार्यक्रम में मौजूद सभी लाभार्थियों ने 4जी सेवा के प्रारंभ होने से उनके जीवन में आए बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया और अपने अनुभव साझा किए। अलवर के हरिपुरा गांव के तुलसीदास ने बताया कि उनका गांव वर्षों तक संचार सुविधा से वंचित था। गांव में 4जी नेटवर्क आने से बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। ब्यावर के नाईकलां ग्रामवासी सोहनसिंह ने बताया कि हमें मोबाइल पर बातचीत करने के लिए पहाड़ियों पर चढ़ना पड़ता था। 4जी सेवा की शुरूआत होने से हमारी ग्राम पंचायत में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का निर्बाध रूप से लाभ मिल पा रहा है।

जैसलमेर की अभयवाला चौकी से जुड़े बीएसएफ के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि भारत–पाकिस्तान सीमा से लगभग 200 मीटर दूर पर ही अब 4जी सेवा की पहुंच होने से सीमा पर चौकसी और सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो गई है। वहीं, जयपुर जिले के रामेश्वर लाल गुर्जर ने बताया कि पूर्व में हमें मोबाइल नेटवर्क के लिए घर की छत पर जाना पड़ता था। अब घर के भीतर ही आसानी से इंटरनेट व अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

विश्वास, एकता और शांति बनाए रखने का सशक्त माध्यम : राज्यपाल

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को ब्रह्माकुमारी के शांतिवन परिसर में आयोजित नेशनल मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसीलिए कहा जाता है कि वह लोकतंत्र की जड़ों को सींचकर उसे हरा भरा रखता है।उन्होंने कहा कि मीडिया विश्वास, एकता और शांति बनाए रखने का सशक्त माध्यम है उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को कई वर्षों से अक्षुण्ण रखने के लिए समय–समय पर देश की संस्कृति, एकता और लोकतंत्र को अखण्ड रखने के लिए देश के कई लोगों का बलिदान है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की संस्कृति विश्व की पहली संस्कृति है। हजार वर्षों से ज्यादा समय तक हमारी संस्कृति को छिन्न–भिन्न करने की कोशिश की गई है। मैकाले की शिक्षा पद्धति ने भी संस्कृति को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। विश्व में जब कुल 6 विश्वविद्यालय थे, उस समय हमारे पास नालंदा और तक्षशिला जैसे दो विशाल विश्वविद्यालय थे। विभिन्न आक्रांताओं द्वारा किए गए आक्रमण साथ ही विभिन्न कुत्सित प्रयासों के बाद भी हमारी संस्कृति नष्ट नहीं हुई, बल्कि तेजी से बढ़ रही है। क्योंकि हमारे यहां योगी, महात्मा हुए। हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम सर्वधर्म को मानते हैं।उन्होंने कहा कि सभी लोग राष्ट्रहित के लिए और शांति के लिए कार्य करे, ये बेहद महत्वपूर्ण है उन्होंने मीडिया के विभिन्न माध्यमों के बारे में बताते हुए कहा कि मीडिया का हर माध्यम आज के समय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। राज्यपाल ने बताया कि हमारा देश विश्व में कई क्षेत्रों में अग्रणी है साथ ही सामुहिक प्रयासों से ही आगे प्रगतिरत भी है।

उदयपुर में अशोक गहलोत ने भाजपा पर बोला हमला

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी, बढ़ती हिंसा को लेकर उठाए सवाल

उदयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने उदयपुर में शनिवार को मीडिया से बातचीत में देशभर में बढ़ते हिंसा के माहौल, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और कान्हैयालाल साहू हत्या की जांच में हो रही देरी को लेकर बीजेपी सरकारों पर जमकर हमला बोला।गहलोत ने कहा, मणिपुर में पिछले ढाई साल से हालात चिंताजनक हैं, लेकिन केंद्र सरकार समय रहते हस्तक्षेप नहीं कर रही। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद भी हिंसा जारी रही। लंबे समय से अपनी मांगें उठाने वाले एक्टिविस्ट जिनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें जेल भेजा गया, वे आतंकवादी नहीं हैं। फिर उन्हें जोधपुर जेल क्यों भेजा गया, यह समझ से बाहर है। यह सरकार का मिसहैंडलिंग है।

जेल की सीसीटीवी मॉनिटरिंग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, जेल के अंदर अगर व्यवस्था नहीं है, तो अपराधी मोबाइल फोन के जरिए अंदर से ही गैंगस्टरिंग कर सकते हैं। ऐसी खबरें गृह मंत्रालय तक पहुंचती रहती हैं। देश की सीमाओं और संवेद–नशील इलाकों में शांति, भाईचारा और प्यार का माहौल बनाए रखना आवश्यक है।

मेवाराम जैन को कांग्रेस में पुनः शामिल करने के सवाल पर गहलोत ने कहा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति की सिफारिशों और सभी की राय के बाद यह निर्णय लिया गया। यह सोच–समझकर लिया गया फैसला है।।

कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, देश को कांग्रेस की विचारधारा की जरूरत है। कांग्रेस सभी धर्मों, जातियों और वर्गों को साथ लेकर चलती है। देशहित में कांग्रेस तभी मजबूत होगी जब कार्यकर्ता, नेता और संगठन एकजुट हों। मतभेद भूलकर एक–दूसरे को समझने की कोशिश करें और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लें।

शेखावाटी विवि के कुलगुरु प्रो. अनिल राय को वाइस–चांसलर ऑफ द ईयर अवॉर्ड, दुबई में होगा सम्मान समारोह

सीकर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय को लंदन स्कूल ऑफ डिजिटल बिजनेस की ओर से आयोजित डएझ 2025 ग्लोबल अवॉर्ड्स में प्रतिष्ठित 'वाइस–चांसलर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण नेतृत्व, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रदान किया गया।

कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय को 6 नवम्बर 2025 को दुबई में ग्रैंड अवॉर्ड्स समारोह में आमंत्रित किया गया है, जहाँ विजेता कुलगुरुओं को ट्रॉफी और सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

इस सम्मान के लिए दुनिया भर में चुनिंदा शिक्षाविदों का चयन हुआ है और राजस्थान से प्रो. अनिल कुमार राय को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

आयोजन समिति ने ईमेल पर बताया कि इस वैश्विक समारोह में 74 देशों से 500 से अधिक प्रतिभागियों और यूट्यूब पर एक हजार से अधिक दर्शकों ने हिस्सा लिया।

सम्मान मिलने पर कुलगुरु प्रो. राय ने कहा कि यह 'वाइस–चांसलर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड मेरे लिए गर्व का क्षण है। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का है। मैं डएझ 2025 और लंदन स्कूल ऑफ डिजिटल बिजनेस का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मेरे प्रयासों को यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता दी। प्रो. राय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार, शेखावाटी क्षेत्र के शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है।इस उपलब्धि ने शेखावाटी विश्वविद्यालय को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर अनिल राय महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्याय, मोतीहारी, बिहार के कार्यकारी कुलपति तथा प्रति कुलपति रह चुके है।

उच्च शिक्षा तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रो. राय को भारत ज्योति पुरस्कार, संचारश्री पुरस्कार, उत्कृष्ठ शिक्षक सम्मान तथा सामाजिक– सांस्कृतिक क्षेत्र में किए गए योगदानों के लिए विदर्भभूषण पुरस्कार, द्वारिकाधीश मानद उपाधि जैसे अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है।

किसानों से हो रही भारी लूट, कम रेट में बिक रही धान : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार ने एक बार फिर किसानों के साथ भारी लूट शुरू कर दी है। सरकारी खरीद न होने के कारण मंडियों में किसानों को अपनी धान 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल कम रेट पर बेचनी पड़ रही है। नमी का बहाना बनाकर सरकारी एजेंसियाँ खरीद से इनकार कर रही हैं, जिससे किसानों को कई दिन–रात इंतज़ार करना पड़ रहा है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव से पहले धान के किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का रेट देने का वादा किया था, लेकिन न पिछले सीजन में और न ही इस सीजन में यह वादा पूरा हुआ। आज प्रदेश की मंडियों में धान की आवक तेज़ है, लेकिन खरीद न होने से किसान भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

ज़्यादातर मंडियों में खरीद शुरू ही नहीं हुई है। कई जगह पोर्टल पर वेरीफिकेशन न होने के कारण गेट पास नहीं बन पा रहे हैं। कहीं राइस मिलर्स के रजिस्ट्रेशन न होने की वजह से दिक्कत आ रही है। इस सारी व्यवस्था का लाभ प्राइवेट एजेंसियाँ उठा रही हैं। 2,369 रुपये MSP की धान को 1,900 से 2,000 रुपये प्रति क्विंटल के रेट पर खरीदा जा रहा है। एम एस पी पर खरीद के साथ बोनस दिया जाए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा का किसान बाढ़ की मार से उबर भी नहीं पाया कि अब उसे सरकारी मार ने अपनी चपेट में ले लिया। एक तरफ उन्हें पूरी MSP न देकर प्रताड़ित किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ पराली जलाने के आरोप में मुकदमे झेलने पड़ रहे हैं।

पंचायत सचिव नकद रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

करनाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल ने आज भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ब्यूरो की टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए इन्द्री, जिला करनाल से एक पंचायत सचिव को ₹20,000 रुपये नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित कुमार, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत चौगांव, कार्यालय बी.डी.पी.ओ. इन्द्री, जिला करनाल के रूप में हुई है। उसे बस अड्डा, इन्द्री जिला करनाल के सामने से दबोचा गया। रा.स.एवं भ्र.नि.ब्यूरो, करनाल को दी गई अपनी शिकायत में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने अप्रैल 2024 में ग्राम पंचायत चौगांव में सी.सी.टी.वी. कमरों की मरम्मत का कार्य किया था। इस मरम्मत कार्य की कुल बिल राशि ₹1,08,452/– थी, जिसका भुगतान आरोपी अमित कुमार द्वारा अप्रैल 2024 में उसके बैंक खाते में कर दिया गया था।

शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी अमित कुमार ग्राम सचिव द्वारा उपरोक्त राशि का भुगतान करने के एवज में उससे बार–बार कमीशन की मांग की जा रही थी।

कैथल में 12 अक्टूबर को होगा जेजेपी का युवा योद्धा सम्मेलन

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपनी गतिविधियां तेज करते हुए 15 जिलों में पार्टी की जिला बैठकों और जनसंपर्क के कार्यक्रम घोषित किए है। 28 सितंबर से जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा प्रदेशभर का दौरा करेंगे। अभियान के तहत वे सभी 22 जिलों में जाकर जेजेपी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और संगठन मजबूती पर फोकस करेंगे।

इस दौरान जेजेपी नेता आम लोगों से जनसंपर्क करके भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को भी उजागर करेंगे। रविवार से जेजेपी इन कार्यक्रमों की शुरुआत करेगी। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता 28 सितंबर को जींद, 29 सितंबर को झज्जर, 30 सितंबर को महेंद्रगढ़, 4 अक्टूबर को भिवानी, 5 अक्टूबर को रोहतक, 6 अक्टूबर को अंबाला, 7 अक्टूबर को पंचकुला, 8 अक्टूबर को कुरुक्षेत्र और 9 अक्टूबर को दादरी में जिला कार्यकर्ताओं की बैठक करेंगे।

अब हरियाणा में भी शहरों के बीच होगी स्वच्छता को लेकर प्रतियोगिता

करनाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जिला सचिवालय सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत स्वच्छ शहर जोड़ी–समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। स्वच्छता के प्रति मार्गदर्शन के लिए करनाल नगर निगम की ओर से प्रदेश के 5 शहरों की नगर पालिकाओं के साथ एमओयू किया गया। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल सोनीपत से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देश की विभिन्न निकाय संस्थाओं से जुड़े और स्वच्छ शहर जोड़ी पर प्रकाश डाला।इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार करनाल को देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था। अब करनाल प्रदेश के 5 शहरों– सीवन व राजौंद (कैथल), ईस्माइलाबाद (कुरुक्षेत्र), नारनौंद

(हिसार) और कालांवाली (सिरसा) का स्वच्छता को लेकर मार्गदर्शन करेगा। इस बारे में आज एमओयू किया गया। उन्होंने कहा कि दूसरे शहरों अथवा कस्बों को भी स्वच्छ, सुंदर व हरा भरा बनाने के लिए निर्धारित मापदंडों को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम हरियाणा के शहरों के बीच भी स्वच्छता की प्रतियोगिता आयोजित करेंगे। हमने हरियाणा के शहरों की रैंकिंग भी तय की है। उसके लिए कुछ पैरामीटर भी तय किए हैं। नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्र में साफ–सफाई के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि प्रदेश साफ – सुथरा हो, शहर स्वच्छ हों, हरे भरे हों, उसे साकार किया जा सके।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता में बेहतर रैंकिंग पाने वाले शहरों ने आज पांच–पांच अन्य शहरों को गोद लिया है ताकि भविष्य में इन्हें भी स्वच्छ बनाया जा सके। पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण में करनाल के साथ–साथ सोनीपत ने भी बेहतर रैंक प्राप्त किया था। आज सोनीपत ने होडल, नारनौल, पटौदी मंडी, फर्रूखनगर व कुंडली को गोद लिया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से कई प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में शुरू किए गए स्वच्छता अभियान को सफल बनाएं। एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धान की खरीद जारी है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मंडियों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगें। मंडियों में धान की खरीद सही तरीके से हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने एक अधिकारी की नियुक्ति मंडी में धान खरीद की व्यवस्था की निगरानी के लिए की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समय में तो फसल नुकसान की भरपाई नहीं होती थी। किसान सहायता के लिए ताकता रहता था, एक–दो रुपये का चेक भेजा जाता था। जबकि हमारी सरकार ने फसलों के हुए नुकसान का जल्द भुगतान सुनिश्चित किया है। इस बार भी क्षति–पूर्ति पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले किसानों को जल्दी ही जांच के बाद मुआवजा राशि दी जाएगी।

इस मौके पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक डॉ. पंकज, उपायुक्त उत्तम सिंह, मेयर रेणुबाला गुप्ता तथा विभिन्न नगर पालिकाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

जगह-जगह सांप्रदायिक तनाव के बीच सीएम योगी का निर्देश

हिंदू पर्व में व्यवधान डाला तो उपद्रवियों को कुचल देंगे

श्रावस्ती, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को श्रावस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने 510 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। 236 करोड़ की 32 परियोजनाओं का लोकार्पण व 274 करोड़ की 22 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर सीएम ने सात अक्टूबर को प्रदेशभर में महर्षि बाल्मीकि जयंती पर अवकाश की घोषणा की। साथ ही पर्यटन विभाग को सभी मंदिरों में अखंड रामायण पाठ करवाने के लिए निर्देशित किया।

बरेली बवाल पर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों को शांति अच्छी नहीं लगती है। हिंदू पर्वों पर उनको गर्मी आने लगती है। तब ऐसे लोगों के लिए डेंटिंग-पेंटिंग का सहारा लेना पड़ता है। इस्लाम में बुतपरस्ती का विरोध करते हैं। दूसरी तरफ आई लव मोहम्मद के नाम पर तोड़फोड़ कर रहे हैं। ये शारदीय नवरात्र पर अव्यवस्था करना चाहते हैं, लेकिन इन्हें नहीं पता कि मां भगवती नवरात्र में चंड-मुंड का नाश करती हैं। सीएम योगी ने कहा कि हिंदू त्यौहारों पर सपरिवार इकठ्ठा होते हैं। कोई सनातनी अपने पर्व पर किसी से भेदभाव नहीं करता है। लेकिन, कुछ अराजक तत्व हिंदू पर्व पर व्यवधान डालना चाहते हैं। पर्व के दौरान व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी ने सड़क पर प्रदर्शन किया तो उसे खुले मंच से चेतावनी देता हूं कि अगर कायरों की तरह महिलाओं-बच्चों को आगे कर व्यवधान डाला तो छोड़ेंगे नहीं।

उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में सांप्रदायिक तनाव देखने को मिला है। पुलिस और लोगों के बीच झड़पें हुई हैं। इन घटनाओं के बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। इस बैठक में उन्होंने कानपुर, वाराणसी, मुरादाबाद समेत कई दूसरे जिलों में हुई सांप्रदायिक घटनाओं पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वह उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। यहां तक कहा गया कि दशहरा के दौरान शांति, सुरक्षा और सामुदायिक सौहार्द बनाए रखना जरूरी है। उपद्रवियों को किसी भी कीमत पर पक्ष न दिया जाए और कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि कोई भी दोबारा अराजकता फैलाने की हिम्मत न करें।

शुक्रवार को जो उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी, उसका कारण कानपुर, वाराणसी समेत दूसरे जिलों में सांप्रदायिक तनाव था। कुछ विशेष गुटों द्वारा जुलूस प्रदर्शन के नाम पर सड़कों पर उतरने की घटनाएं हुई थीं। इन घटनाओं को देखते हुए सीएम योगी ने साफ कर दिया है कि दशहरा के पावन अवसर पर उपद्रव के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दशहरा बुराई और आतंकी दहन का प्रतीक भी होता है।

सीएम योगी ने बैठक में यहां तक कहा कि सरकार हर उपद्रवी को कुचल देगी। वीडियो फुटेज और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए सभी आरोपियों की पहचान की जाए और फिर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की जाए। बैठक में महिला सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया गया। उनकी तरफ से स्पष्ट निर्देश दिए गए कि छेड़खानी, छेड़छाड़ और एसिड अटैक जैसे मामलों में पुलिस की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। गरबा और डांडिया आयोजनों के दौरान भी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतने की बात कही गई है। बरेली में शुक्रवार को हालत काफी विस्फोटक हो गए और मुस्लिम समुदाय के लोगों और पुलिस के बीच जबरदस्त झड़प हुई। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया और इसके जवाब में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हालात को देखते हुए सीनियर पुलिस अफसर अलर्ट हैं।

निकायों में 3600 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में निकायों में 3600 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। कैबिनेट बैठक में नई नियमावली को मंजूरी मिल गई है।

भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता और वेतन तय कर दिया गया है। अरबन प्लानिंग व पर्यावरण सेवाएं दो नए पद जोड़े गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश पालिका (केंद्रीयत) सेवा नियमावली-2025 को भी मंजूरी दे दी है। इसमें नए पदों पर भर्ती के लिए योग्यता और वेतनमान तय किया गया है। इससे कॉडर पुनर्गठन के बाद इस सेवा में करीब 3061 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला हुआ। नगर विकास विभाग ने 24 सितंबर 2024 को उप्र पालिका केंद्रियत सेवा नियमावली में 28वां संशोधन कराते हुए काडर का पुनर्गठन किया था। इसके बाद इस सेवा के पदों की संख्या 3085 से बढ़कर 6686 हो गई। इनको भरने के लिए उस समय नियमावली में शैक्षिक योग्यता और वेतनमान का प्रावधान नहीं किया गया।

शासनादेश के सहारे भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था की गई, लेकिन नियमावली में व्यवस्था न होने की वजह से इसमें पेंच फंस गया। इसके चलते नियमावली में 29वां संशोधन करते हुए भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता और वेतनमान तय किया गया है। इसके अलावा अर्बन प्लानिंग और पर्यावरण सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पर्यावरण अभियंता एवं नगर नियोजक रखने का प्रावधान किया गया है। अभी तक इन दोनों पदों पर भर्ती की योग्यता तय नहीं थी।

कैबिनेट से मंजूरी के बाद केंद्रियत सेवा के खाली पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। सरकार का मानना है कि इससे शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी और इसके आधार पर सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सीवर प्रबंधन के साथ पर्यावरण और अबर प्लानिंग और सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएं देने में मदद मिलेगी। नियमावली में संशोधन के बाद सेवा शर्तें स्पष्ट होने से न्यायालयों में होने वाले मुकदमों में भी कमी आएगी।

इन्वेस्ट यूपी में कमीशनखोरी ईडी ने तेज की जांच

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इन्वेस्ट यूपी में कमीशनखोरी मामले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच तेज कर दी है।

कमीशनखोरी के आरोप में गिरफ्तार बिचौलिया निकांत जैन आयकर विभाग की जांच इकाई के सामने पेश नहीं हुआ है। आयकर विभाग की जांच इकाई ने बीते सप्ताह निकांत और उसके भाई सुकांत जैन को भी नोटिस देकर तलब किया था, लेकिन दोनों गैरहाजिर रहे और पेश होने की कोई वजह भी नहीं बताई। वहीं दूसरी ओर ईडी ने भी निकांत जैन को तलब किया था, लेकिन अभी तक वह जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुआ है। अब ईडी अगले सप्ताह उसे दोबारा नोटिस भेजेगा।

इन्वेस्ट यूपी में प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के नाम पर सोलर पी6 कंपनी से 5 फीसद कमीशन मांगने वाले निकांत जैन को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। कंपनी के प्रतिनिधि की शिकायत पर इन्वेस्ट यूपी के तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश को भी राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था।

बाद में इस प्रकरण की जांच एसआईटी को सौंप दी गई थी। इस हाई प्रोफाइल मामले की जांच आयकर और ईडी ने भी शुरू की थी। ईडी ने निकांत जैन और उसके करीबियों के ठिकानों पर छापा भी मारा था, हालांकि निकांत जैन अपने घर से नदारद मिला था। जिसके बाद उसे नोटिस देकर तलब किया गया था।

वहीं दूसरी ओर आयकर विभाग की जांच इकाई ने एसटीएफ से इन्वेस्ट यूपी मामले की जांच से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं, जो तीन बार रिमाइंडर देने के बाद भी नहीं सौंपे गए हैं। अब आयकर विभाग इस बाबत वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर दस्तावेज मुहैया कराने को कहेगा। साथ ही, एसआईटी से भी अब तक हुई जांच की जानकारी मांगी जाएगी।

गोरखपुर कांड का आरोपी जुबैर पुलिस मुठभेड़ में ढेर

दो पुलिसकर्मी घायल बुलेट प्रूफ जैकेट से बची सीओ की जान

रामपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में छात्र दीपक गुप्ता हत्याकांड का फरार अभियुक्त एक लाख का इनामी तस्कर पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ के दौरान फायरिंग में एक उप निरीक्षक समेत दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी दो गोलियां लगीं। वह बाल-बाल बचे। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीआईजी मुनिराज जी समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंच गए।

शहर के मोहल्ला कोतवाली क्षेत्र के घेर मर्दान खां निवासी जुबैर उर्फ कालिया शुक्रवार की रात करीब दस बजे पुलिस के हत्थे चढ़ गया। रात करीब दस बजे सीओ सिटी जितेंद्र सिंह पुलिस के साथ गंज थाना क्षेत्र के चाकू चौराहे के पास चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान बाइक सवार को रोकने की कोशिश की गई,

लेकिन बाइक सवार ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे ढेर कर दिया। गो तस्कर की फायरिंग में गंज थाने में तैनात दरोगा राहुल सिंह एवं कांस्टेबल संदीप सिंह घायल हो गए।

बाद में पुलिस ने उसकी पहचान घेर मर्दान खां निवासी जुबैर उर्फ कालिया के रूप में की। पुलिस जुबैर को घायल अवस्था में जिला अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायल पुलिस कर्मियों का इलाज चल रहा है। सूचना मिलने के बाद डीआईजी मुनिराज जी और डीएम जोगिंदर सिंह व एसपी विद्या सागर मिश्र मौके पर पहुंच गए। डीआईजी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल पुलिस कर्मियों का भी हाल जाना।

चाकू चौराहे के पास जब पुलिस ने चेकिंग के दौरान जुबैर को पहचान लिया। रुकने का इशारा करने पर आरोपी भागने लगा। इस दौरान उसकी बाइक गिर गई। बाइक गिरते हुए उसने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान आरोपी ने चार गोलियां चलाईं। सीओ बुलेट प्रूफ जैकेट पहने हुए थे। आरोपी जुबैर ने जब फायरिंग शुरू की तो पहली गोली सीधे सीओ के वाहन के शीशे में जा लगी। इससे गाड़ी का शीशा चकनाचूर हो गया। दूसरी गोली सीओ के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। तीसरी और चौथी गोली सिपाही और दरोगा को छूकर निकल गई जिससे दोनों घायल हो गए।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में सीधे गोली जुबैर के सीने में लगी। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि गोली आरपार हो गई। घायल अवस्था में आरोपी को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जुबैर को मृत घोषित कर दिया। जुबैर के साथ बाइक चलाने वाले व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि पुलिस को सूचना थी कि जुबैर रामपुर में है। इसी दौरान सुबह से ही पुलिस जगह-जगह तलाशी अभियान चला रही थी। मुठभेड़ के बाद पुलिस को जुबैर के पास से एक पिस्टल, तमंचा और कई कारतूस मिले हैं। पुलिस टीम देर रात तक घटनास्थल से सबूत जुटाने में जुटी रही।

यूपी के लोगों को दिवाली के दो तोहफे

अक्टूबर में कम आएगा बिजली बिल

उज्जवला लाभार्थियों को मिलेगा मुफ्त गैस सिलिंडर

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बिजली उपभोक्ताओं को अक्टूबर माह में बड़ी राहत मिलने जा रही है। जुलाई 2025 का ईंधन अधिभार शुल्क अक्टूबर में वसूला जाएगा, जो करीब 1.63 फीसदी कम होगा। इससे उपभोक्ताओं पर लगभग 113.54 करोड़ रुपए का आर्थिक भार कम होगा। प्रदेश में हर माह ईंधन अधिभार शुल्क तय होता है। ऐसे में जून 2025 का ईंधन अधिभार शुल्क 2.34 फीसदी सितंबर में वसूला जा रहा है। इसे जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। जबकि जुलाई का शुल्क अक्टूबर में वसूला जाएगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत होली-दीपावली अवसर पर 1 करोड़ 86 लाख लाभार्थी परिवारों को पिछले वर्ष की तरह ही दो निशुल्क एलपीजी गैस सिलेंडर प्रदान किए जाएंगे। इस संबंध में लाए गए प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। चालू वित्त वर्ष में इस पर 1385.34 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह निर्णय गरीब महिलाओं को राहत पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट ने शुक्रवार को एक और लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण को स्वीकृति दे दी। इसके निर्माण से प्रयागराज को मेरठ से जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेस वे और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के साथ ही बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे आपस में जुड़ जाएगा। 90.84 किमी लंबे फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे का 548 दिनों में पूरा किया जाएगा और इसके निर्माण पर 7488 रुपए की लागत आएगी।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने बताया कि फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस वे का सीधा लाभ प्रदेश के छह जिलों इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर और हरदोई के लोगों को होगा। नंदी ने बताया कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के चैनेज 133-800 पर मिल कर समाप्त होता है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के मिलान बिंदु कुदरैल (जनपद इटावा) से गंगा एक्सप्रेसवे को वाया फर्रुखाबाद ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस वे के माध्यम से जोड़ने से एक्सप्रेस वे की ग्रिड बन जाएगी, जो प्रदेश की तरक्की में सहायक सिद्ध होगी।

जातिवादी एजेंडे का विकास और राष्ट्रवाद से मुकाबला करेगी सरकार

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार जाति के एजेंडे को विकास और राष्ट्रवाद से काउंटर करेगी। सीएम योगी ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक में कहा कि प्रभारी मंत्री जिलों में रात्रि विश्राम करें। स्थानीय मुद्दों की रिपोर्ट सीएम कार्यालय भेजें। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक में कहा कि वह जिलों में जाकर सरकार और संगठन की उपलब्धियां बताएं। डीएम और एसपी के साथ बैठकें कर स्थानीय मुद्दों का निस्तारण कराएं और मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट भेजें।

कोर कमेटी के साथ बैठक करके जनसमस्याओं के निस्तारण के कदम भी उठाएं। उन्होंने सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों से रात्रि विश्राम करने को भी कहा। कहा कि विपक्ष के जाति के एजेंडे को विकास और राष्ट्रवाद के जरिये काउंटर करना होगा। सीएम ने मंत्रिमंडल के सदस्यों से कहा कि उनका फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, कृषि सेक्टर पर रहे। जिलों को जो धनराशि शासन द्वारा दी जाती है, उसका पूरी तरह उपयोग होना सुनिश्चित कराया जाए। आमजन को विकसित भारत-विकसित यूपी के बारे में जानकारी दें और उनके सुझाव लें। प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए जिलों में भी बैठकें आयोजित की जाएं।

हर जिले का एक वर्ष और पांच वर्ष की विकास की कार्ययोजना तैयार करने के साथ उसे अमल में लाने की कवायद की जाए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी निगरानी कमेटी के निर्देशों के मुताबिक जिलों में कार्य कराए जाएं, ताकि कोई भी जिला विकास में पीछे न रहे। इस दौरान मॉनिटरिंग का भी विशेष ध्यान रखा जाए। लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताने के साथ लाभान्वित कराने के कदम भी उठाए जाएं।

झांसी-फतेहपुर में होगी दो नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने झांसी और फतेहपुर में दो नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। संभल में बनाए गए विश्वविद्यालय के संचालन को भी स्वीकृति मिल गई है। इस तरह उत्तर प्रदेश में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को हरी झंडी मिल गई है। इसके तहत दो नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी। एक विश्वविद्यालय के संचालन को कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि संभल के चंदौसी में राधा गोविंद विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी। सोनल एजुकेशनल सोसाइटी मथुरा द्वारा प्रायोजित यह विश्वविद्यालय 22.05 एकड़ भूमि पर बना है। आज इसके संचालन के लिए कैबिनेट ने सहमति दे दी है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में झांसी में गांधी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्रायोजक संस्था संत मां कर्मा मानव संवर्धन ट्रस्ट को आशय-पत्र जारी करने की भी स्वीकृति दी गई है। यह विश्वविद्यालय झांसी के अम्बाबाय और रुद्र करारी में 20.21 एकड़ भूमि पर बनेगा। वहीं तीसरे प्रस्ताव के तहत फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्रायोजक संस्था एंग्लो संस्कृत कॉलेज को आशय-पत्र जारी करने की स्वीकृति कैबिनेट ने दी है।

स्कॉलरशिप आवंटन में फर्जीवाड़ा रोकने की कार्रवाई

अब छात्रवृत्ति के लिए होगा एआई से सत्यापन

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के स्कूली बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए बच्चों का सत्यापन अब एआई के माध्यम से होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह बात कही। सीएम ने कहा कि छात्रवृत्ति योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से वेरिफिकेशन की कार्रवाई को आगे बढ़ाने और डीबीटी के माध्यम से छात्रों के अकाउंट में पैसे भेजने की कार्रवाई की जा रही है। एआई गलत तरीके से की गई दोहरी एंट्री डिटेल के आधार पर पकड़ लेगा।

सीएम ने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा कक्षा 9 से 12 के अनुसूचित जाति-जनजाति और सामान्य जाति के चार लाख छात्रों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसमें पहले चरण में 1 लाख 12 हजार छात्र छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 25000 छात्र-छात्राएं सुविधा का लाभ ले रहे हैं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक अनुसूचित जाति-जनजाति के 1 करोड़ 23 लाख छात्रों को 9150 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई। इस अवधि में सामान्य वर्ग के 58 लाख 90 हजार छात्र-छात्राओं के खाते में 5945 करोड़ रुपए छात्रवृत्ति भेजी गई।

सीएम योगी ने छात्रों से कहा कि याद रखिएगा विभाजनकारी ताकतों ने देश को गुलाम बनाया था। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कुछ लोग आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए फिर से बाधक बन कर समाज को बांटने का काम कर रहे हैं, हमें बंटना नहीं है। हमें एकजुट होकर के बेहतर शिक्षा के लिए हर छात्र को स्कूल तक पहुंचाना है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वन नेशन-वन स्कॉलरशिप की व्यवस्था लागू की है। वर्ष 2017 से 2025 तक 2 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था के संचालन के लिए बजट 11 करोड़ से बढ़ाकर 35 करोड़ किया। सीएम ने सभी संस्थानों से आग्रह किया कि वह छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों का डाटा अपलोड करें, ताकि दीपावली से उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके।

सऊदी प्रो लीग : रोनाल्डो और सादियो माने के गोल से अल नास्त्र ने अल इत्तिहाद को 2-0 से हराया

जेद्दा,27 सितंबर (एजेंसियां) ।

सऊदी प्रो लीग के शीर्ष मुकाबले में अल नास्त्र ने शनिवार को मौजूदा चैम्पियन अल इत्तिहाद को 2-0 से मात दी। टीम की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो और सादियो माने ने गोल दागे।

इस जीत के साथ अल नास्त्र ने चार मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा, जबकि अल इत्तिहाद नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के शानदार टिफो और गगनभेदी नारों के बावजूद अल इत्तिहाद शुरुआत से ही दबाव में दिखा। मैच की पहली सीटी से ही अल नास्त्र ने खेल पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया।

मैच के 9वें मिनट में किंग्सले कोमन ने दाईं विंग से शानदार क्रॉस किया। गेंद पर दौड़ते हुए पहुंचे माने ने बैक पोस्ट पर बेहतरीन वॉली लगाकर अल नास्त्र को 1-0 की बढ़त दिलाई।

14वें मिनट में रोनाल्डो ने कोमन के क्रॉस पर हेडर से गोल करने का मौका गंवा दिया, लेकिन 35वें मिनट में उन्होंने चूक नहीं की। इस बार माने ने क्रॉस दिया और रोनाल्डो ने पास को सटीक हेडर से गोल में तब्दील कर स्कोर 2-0 कर दिया।

करीम बेंजेमा ने स्टीवन बर्गवाइन को कुछ मौकों पर गेंद पहुंचाई, मगर वह मौके का फायदा नहीं उठा सके। दूसरे हाफ में अल नास्त्र ने खेल की रफ्तार धीमी की, लेकिन आक्रमण जारी रखा। जोआओ फेलिक्स को गोल करने के कई मौके मिले, मगर वह नाकाम रहे। 39वें मिनट में माने के क्रॉस पर उनका शॉट बार के ऊपर चला गया।

58वें मिनट में नवाफ़ बोउशल ने रोनाल्डो को खाली गोल पर पास दिया, लेकिन पुर्तगाली स्टार गेंद को बार के ऊपर मार बैठे। यह मैच का सबसे आसान और बड़ा मौका था।

इसके बावजूद अल नास्त्र ने दो गोल की बढ़त बरकरार रखी और जीत दर्ज की। अल इत्तिहाद का घरेलू मैदान पर 19 मैचों से चला आ रहा अजेय क्रम भी इस हार के साथ टूट गया।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप दीप्ति जीवनजी 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में

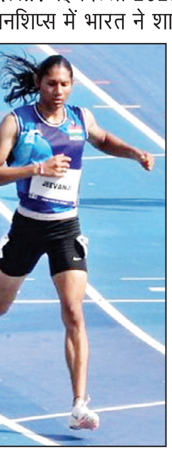

नई दिल्ली। नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में भारत ने शानदार तरीके से अपने अभियान की शुरुआत की। भारत की दीप्ति जीवनजी ने इस ग्लोबल प्रतियोगिता के पहले दिन शनिवार को सुबह के सत्र में महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई । 22 वर्षीय इस एथलीट ने अपने हीट में 58.35 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। हालांकि, महिलाओं की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में पदक की दावेदार मानी जा रही भावनाबेन अजाबाजी चौधरी निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए आठवें स्थान पर रहीं। कंचन लाखानी ने भी महिलाओं की डिस्कस थ्रो (एफ53) के फाइनल में बनाई जगह भावनाबेन ने 35.34 मीटर भाला फेंका, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 39.70 मीटर (पेरिस पैरालंपिक 2024) से काफी कम था। अन्य मुकाबलों में, कंचन लाखानी महिलाओं की डिस्कस थ्रो (एफ53) के फाइनल में पहुंची हैं। वहीं भाला फेंक खिलाड़ी प्रवीण कुमार (क्वालिफाइंग राउंड) और हेमचंद्र (एफ55, एफ56, एफ57 क्वालिफाइंग) आगे हिस्सा लेंगे। पुरुषों की 100 मीटर एफ37 स्पर्धा में धावक राकेश भाई भट्ट और श्रेयांश त्रिवेदी चुनौती पेश करेंगे। इसी तरह शैलेश कुमार, वरुण और राहुल हाई जंप (टी63, टी42) स्पर्धा में मैदान में उतरेंगे।

इस सदी में किसी एक क्लब के लिए सबसे तेज़ 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बने हैरी केन

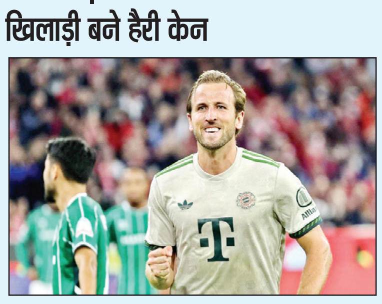

नई दिल्ली। बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने शुक्रवार को क्लब के लिए अपना 100वां गोल करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। उन्होंने केवल 104 मैचों में यह मुकाम हासिल कर इस सदी के सबसे तेज़ खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने किसी एक क्लब के लिए 100 गोल किए। हैरी केन ने रोनाल्डो और हैलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा केन ने इस रिकॉर्ड के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो और एर्लिंग हैलैंड को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने क्रमशः रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के लिए 100 गोल 105 मैचों में पूरे किए थे। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन, जिन्होंने पिछले हफ्ते होफेनहाइम के खिलाफ हुए 4-1 के मैच में हैट्रिक बनाई थी, उन्होंने शुक्रवार को वर्डर ब्रेमेन के खिलाफ 44वें मिनट में पेनाल्टी के जरिए बायर्न को 2-0 की बढ़त दिलाई। यह उनका बुंडेसलीगा में लगातार 18वां सफल पेनाल्टी गोल था, जिससे उनका रिकॉर्ड बेदाग रहा। बायर्न म्यूनिख ने वर्डर ब्रेमेन को 4-0 से हराया, जिसमें अन्य दो गोल जोनाथन ताह और कोनराड लैइमर ने किए। 32 वर्षीय हैरी केन, जो अब तक इस सीज़न बायर्न के पांच मैचों में 10 गोल के साथ बुंडेसलीगा का अग्रणी गोल स्कोरर है, 2023 में टॉटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में शामिल हुए थे।

हरमनप्रीत कौर बोलीं- राजनीति नहीं केवल क्रिकेट पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों वनडे विश्व कप 2025 की तैयारी में लगी हुई हैं। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से पहले साफ कर दिया है कि उनकी टीम का ध्यान केवल खेल पर है, न कि राजनीति या विवादों पर। हाल ही में पुरुष एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बाद खिलाड़ियों के हाथ न मिलाने का मुद्दा गरमा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा कि उनका फोकस क्रिकेट पर है और ड्रेसिंग रूम में वे ऐसी बातों पर चर्चा तक नहीं करतीं। एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं। मैदान के बाहर क्या हो रहा है, वह हमारे हाथ में नहीं है। हम यहां केवल खेल के लिए आए हैं और हमारा लक्ष्य अच्छा क्रिकेट खेलना है। शुरुआती मैच अहम होंगे और वही हमारे अभियान की दिशा तय करेंगे। हरमनप्रीत ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि वे घरेलू मैदान पर भारत की कप्तानी कर रही हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब सिर्फ भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती थी। अब विश्व कप में टीम की कप्तानी करना अविश्वसनीय अनुभव है। यह पल मेरे लिए बेहद खास है।

एशिया कप : सुपर ओवर में भारत ने श्रीलंका को हराया, निसंका का शतक व्यर्थ, एशिया कप में भारत के अजेय क्रम जारी

दुबई, 27 सितंबर (एजेंसियां) ।

एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण का अंतिम मैच भले ही अंकतालिका पर कोई असर डालने वाला नहीं था, लेकिन रोमांच और उतार-चढ़ाव ने इसे टूर्नामेंट का सबसे यादगार मुकाबला बना दिया। दुबई में शुक्रवार देर रात तक चले इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत और श्रीलंका दोनों ने 20-20 ओवरों में 202 रन बनाए। नतीजा सुपर ओवर पर गया, जहाँ श्रीलंका केवल 2 रन ही बना सका और भारत ने आसानी से जीत दर्ज कर ली। भारत की पारी – अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत – भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और पावरप्ले में ही 71 रन जड़ दिए। शुभमन गिल जल्दी आउट हुए, लेकिन अभिषेक शर्मा (61, 22 गेंदों में अर्धशतक) ने एक बार फिर विस्फोटक अंदाज दिखाया। बीच के ओवरों में सूर्यकुमार यादव असफल रहे, पर संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने साझेदारी निभाकर रन गति को बनाए रखा। आख़िरी ओवरों में अक्षर पटेल के छक्के और तिलक वर्मा (नाबाद 49) की समझदारी भरी पारी ने भारत को 202/5 तक पहुँचा दिया। श्रीलंका की पारी – निसंका का शतक और जुझारू साझेदारी – लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी जोरदार शुरुआत की। पावरप्ले में 72 रन जुड़ गए। पथुम निसंका (107, 58 गेंद) और कुसल परेरा (58) ने 127 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर भारत पर दबाव बना दिया। हालांकि, मध्य ओवरों में कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट निकालकर वापसी कराई। अंतिम ओवर में श्रीलंका को 12 रन चाहिए थे। निसंका पहली गेंद पर आउट हो गए, लेकिन दासुन शनाका ने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया और मैच बराबरी पर खत्म हुआ। सुपर ओवर – श्रीलंका का बिखराव, भारत की आसान जीत – सुपर ओवर में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। कुसल परेरा पहली गेंद पर आउट हो गए और दासुन शनाका भी तुरंत चलते बने। श्रीलंका केवल 2 रन बना सका। जवाब में भारत ने पहली ही गेंद पर सूर्यकुमार यादव के तीन रन से लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया।

संक्षिप्त स्कोर

भारत: 202/5 (20 ओवर) – अभिषेक शर्मा 61, तिलक वर्मा 49*।

श्रीलंका: 202/5 (20 ओवर) – पथुम निसंका 107, कुसल परेरा 58।

परिणाम: मैच टाई, भारत ने सुपर ओवर में जीत दर्ज ।

क्रिकेटरों की मेहनत ने मुझे एथलेटिक्स में प्रेरित किया: उसैन बोल्ट

मुंबई। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। जमनाबाई नरसी परिसर में आयोजित फायरसाइड चैट में बोल्ट ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। क्रिकेटरों की प्रतिभा, उनके काम करने का तरीका और खुद को आगे बढ़ाने का अंदाज देखकर मैंने छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने का संकल्प लिया। बोल्ट ने भारत में अपने अनुभव को अविस्मरणीय बताया और कहा, इतने उत्साही प्रशंसकों से मिलना अद्भुत अनुभव है। यह मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और कैसे वे दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। धावक ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए मेहनत जितनी सरल है, उतनी ही आवश्यक भी है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड हमेशा से पसंद रहा है, और मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनाने के लिए प्रेरित किया। बोल्ट ने कहा कि शीर्ष पर पहुंचना कभी आसान नहीं होता, लेकिन यह चुनौती ही मुझे आगे बढ़ाती रही। बोल्ट फिलहाल मुंबई में निजी यात्रा पर हैं और उनके अगले कार्यक्रम में वह दिल्लीभी आने वाले हैं। उनके अनुभव और उत्साह ने न सिर्फ खेल प्रेमियों को प्रेरित किया है, बल्कि क्रिकेट और एथलेटिक्स जैसे खेलों के बीच प्रेरक संबंध को भी उजागर किया।

एशिया कप फाइनल से पहले भड़के योगराज सिंह, पाक को दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां) ।

एशिया कप 2025 के सुपर फोर में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में मैदान पर हुई गरमागरमी अब क्रिकेट के गलियारों में भी गूंज रही है। इस दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हरिस रऊफ, शाहीन अफरीदी और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल से उलझ पड़े थे। मैदान पर शुरू हुए जुबानी हमलों ने माहौल को और तनावपूर्ण बना दिया। इस घटना पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज योगराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और पड़ोसी देश को चेतावनी भरे लहजे में जवाब दिया है। योगराज सिंह ने कहा कि वह हमेशा अपने देश के साथ खड़े रहेंगे और अगर कोई भारत के खिलाफ बोलेगा तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं अपने देश का नागरिक हूं। अगर आपका देश हमें सम्मान नहीं देगा, तो बाहरी लोग हमें कैसे सम्मान देंगे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अभद्र भाषा और गाली-गलौज की शुरुआत क्यों हुई। योगराज के मुताबिक, अभिषेक और शुभमन शांत होकर खेल रहे थे। उन्होंने किसी से कुछ नहीं कहा। तो फिर शाहीन और रऊफ जाकर उन्हें क्यों उकसाने लगे यह खेल का हिस्सा नहीं, बल्कि निराशा की निशानी है। 67 वर्षीय पूर्व गेंदबाज की यह टिप्पणी साफ दिखाती है कि वह इस घटना से बेहद आहत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा और सम्मान की बात करते हुए पाकिस्तान के रवैये को सीमा पार का व्यवहार करार दिया। योगराज की इस सख्त चेतावनी ने पहले से ही गरम माहौल में और तनाव घोल दिया है। खासतौर पर इसलिए क्योंकि रविवार को भारत और पाकिस्तान एशिया कप फाइनल में आमने-सामने होंगे और इस ऐतिहासिक टकराव से पहले माहौल और भी गरमा गया है। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के बीच बढ़ी तनातनी और स्लेजिंग पर आलोचना लगातार हो रही है। पूर्व खिलाड़ियों और फैंस का मानना है कि यह खेल की भावना के खिलाफ है और इसे रोका जाना चाहिए। हालांकि, योगराज सिंह की बयानबाजी ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जहां लोग उनकी देशभक्ति और सख्त लहजे का समर्थन कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें एशिया कप 2025 के फाइनल पर टिकी हैं। सवाल यही है कि क्या दोनों टीमें मैदान पर सिर्फ बल्ले और गेंद से जवाब देंगी या फिर मौखिक हमले और उकसावे का दौर भी देखने को मिलेगा।

चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट

चीन के बीजिंग में 2025 चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव और इटली के लोरेनजो सोनेगो के बीच पुरुष एकल पहले दौर के मैच में शॉट लगाते अलेक्जेंडर ज़्वेरेव।

शोएब की जुबान फिसली, अभिषेक बच्चन बने क्रिकेट चर्चा का हिस्सा

सोशल मीडिया पर मजाक और ट्रोलिंग का दौर शुरू

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां) ।

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले को लेकर चारों ओर उत्साह का माहौल है। 28 सितंबर को होने वाले इस मैच से पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर की जुबान फिसल गई और वे भारतीय क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की जगह अभिनेता अभिषेक बच्चन का नाम ले बैठे। इसके बाद सोशल मीडिया पर मजाक और ट्रोलिंग का दौर शुरू हो गया, जिसमें खुद अभिषेक बच्चन ने भी मजेदार अंदाज में हिस्सा लिया।

दरअसल, शोएब अख्तर एक क्रिकेट शो में भारत की बल्लेबाजी को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान अभिषेक बच्चन को जल्दी आउट कर देता है तो भारत का मिडिल ऑर्डर क्या करेगा उनका मिडिल ऑर्डर तो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा। शोएब की इस चूक पर पहले तो लोग हंस पड़े और फिर सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ाया जाने लगा। यह गलती जल्द ही अभिषेक बच्चन तक भी पहुंच गई। अपनी हाजिरजवाबी के लिए मशहूर अभिषेक ने इस मौके को हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने एक न्यूज पोर्टल के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, महोदय, पूरे सम्मान के साथ कहना चाहता हूं मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा भी कर पाएंगे! और मैं तो क्रिकेट खेलने में अच्छा भी नहीं हूं। उनका यह जवाब देखते ही देखते वायरल हो गया और यूजर्स ने जमकर तारीफ की।

सोशल मीडिया पर लोगों ने भी खूब मजेदार कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा, शोएब अख्तर एशिया कप की प्लानिंग कर रहे हैं, लेकिन लगता है फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की तैयारी में हैं। एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा, अभिषेक बी, 28 सितंबर को घर से बाहर मत निकलना, पाकिस्तान का पूरा प्लान बिगड़ जाएगा। वहीं एक फैन ने लिखा, सर, आपने घूमर से इतना अभ्यास कर लिया है कि आप पाकिस्तान को बोल्ड भी कर सकते हैं।

अभिषेक बच्चन के फिल्मों की बात करें तो वह आने वाले समय में दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। पहली फिल्म किंग है, जिसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं और इसमें शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और दीपिका पादुकोण जैसे सितारे शामिल हैं। दूसरी फिल्म राजा शिवाजी में वह रितेश देशमुख, जेनेलिया, संजय दत्त और विद्या बालन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ दिखाई देंगे। दोनों ही फिल्में 2026 में रिलीज होंगी। इस पूरे वाकये ने भारत-पाकिस्तान फाइनल से पहले क्रिकेट की गंभीर चर्चा में हास्य का रंग भर दिया है, और अब क्रिकेट फैंस उतावले हैं देखने के लिए कि मैदान पर कौन किसे सचमुच बोल्ड करता है।

अभिषेक शर्मा को लेकर मोहम्मद कैफ ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम को एक ऐसा ओपनर मिल चुका है, जिसने अपने आक्रामक अंदाज से सबको हैरान कर दिया है। रोहित शर्मा के टी20 क्रिकेट से संन्यास के बाद यह जिम्मेदारी युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने संभाली है और उन्होंने बेहद कम समय में अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि वे भारतीय क्रिकेट के नए धुरंधर ओपनर हैं। अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी की खासियत है उनका इंटेंट। पिच पर उतरते ही वे गेंदबाजों पर हावी हो जाते हैं और पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाते हैं। अब तक खेले गए 22 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 783 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 197.73 का है, जो किसी भी गेंदबाज के लिए डर पैदा करने वाला है। यही वजह है कि पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने उन्हें लेकर भविष्यवाणी की है कि वे भविष्य में एक ओवर की सभी छह गेंदों पर छह छक्के जड़ सकते हैं।

कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, यह सिर्फ शॉट खेलने की बात नहीं है, बल्कि उनके इंटेंट की बात है। अपने दिन पर वह किसी भी गेंदबाज का करियर तबाह कर सकते हैं। उनके पास शॉट्स की रेंज, मानसिक ताकत और खेल की समझ है। यही कारण है कि मुझे विश्वास है कि वे छह गेंदों पर छह छक्के जरूर लगाएंगे। कैफ ने अभिषेक शर्मा को रोहित शर्मा का सच्चा उत्तराधिकारी बताया और कहा कि उनके खेलने का तरीका विरोधी टीमों के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने आगे कहा, जब वह रन बनाते हैं, तो अकेले ही मैच जिता देते हैं। रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया को पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की कमी खल रही थी, लेकिन अब हमें उसका जवाब मिल गया है। वह नाम है अभिषेक शर्मा।

अभिषेक इस समय एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का हिस्सा हैं और यह उनका पहला मल्टी नेशन टूर्नामेंट है। उन्होंने अब तक खेले पांच मैचों में 248 रन बना लिए हैं और टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। जबकि दूसरा कोई भी बल्लेबाज अभी 180 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया है। उनकी यह निरंतरता और विस्फोटक बल्लेबाजी अंदाज साफ इशारा कर रहे हैं कि भारत को आने वाले समय में एक और 'हिटमैन' मिल चुका है, जो पावरप्ले से ही मैच का रुख बदलने की काबिलियत रखता है।

विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप: शीतल देवी ने जीता पहला स्वर्ण

ग्वांगझू। भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कॉम्पाउंड ओपन फाइनल में तुर्की की ओज़नूर क्यूरे गिरदी को हराकर विश्व तीरंदाजी पैरा चैम्पियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता है। स्वर्ण पदक मैच में शीतल ने दूसरे राउंड से बढ़त बनाई और पूरे खेल में मजबूती बनाए रखते हुए 146-143 से फाइनल अपने नाम किया। इस जीत के साथ शीतल ने तीन बार की विश्व चैम्पियन और 2024 पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता को मात दी। यह शीतल का उस दिन का तीसरा मेडल था। उन्होंने पहले टीम इवेंट में रजत और कांस्य पदक भी जीते। दिन की शुरुआत में, शीतल देवी ने सरिता के साथ महिला कॉम्पाउंड ओपन टीम इवेंट में रजत पदक प्राप्त किया, जहां तुर्की ने फाइनल में उन्हें हराया। इसके बाद शीतल ने टोमन कुमार के साथ मिश्रित टीम कॉम्पाउंड ओपन इवेंट में कांस्य पदक जीता, जब उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन के नाथन मैकक्वीन और जोडी ग्रिनहम को मात दी। शीतल देवी की इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय पैरा तीरंदाजी को गौरवान्वित किया और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई ।

कोल इंडिया ने कर्मचारियों को दिया दीवाली का तोहफा, बोनस के रुप में की पैसों की बारिश

धनबाद,27 सितंबर (एजेंसियां)।

दुर्गा पूजा से ठीक पहले कोल इंडिया के 2.20 लाख कोयला कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। प्रबंधन और श्रमिक यूनियनों के बीच कई घंटों की लंबी बातचीत के बाद बोनस की राशि पर सहमति बन गई है। इस साल कर्मचारियों को 1.03 लाख रुपए का बोनस दिया जाएगा। यह राशि सभी कर्मियों के बैंक खातों में भेज दी जाएगी। पिछले साल की तुलना में यह बोनस काफी ज्यादा है। बीते साल कर्मचारियों को 93,750 रुपए का बोनस मिला था। इस बढ़ोतरी से कोयला कर्मियों में खुशी की लहर है। कोलकाता के एक होटल में मानकीकरण समिति की बैठक हुई। शुरुआत में प्रबंधन 98,500 देने को तैयार था, जबकि पांचों श्रमिक यूनियनें 1.25 लाख रुपए की मांग पर अड़ी थीं। यूनियनों का कहना था कि पिछले साल के मुकाबले कोल इंडिया का मुनाफा काफी बढ़ा है, इसलिए बोनस भी ज्यादा मिलना चाहिए। इस मांग को लेकर राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन ने बैठक से वॉकआउट कर दिया था।

हालांकि, देर रात करीब 11:50 बजे दोबारा बैठक शुरू हुई और आखिरकार दोनों पक्षों के बीच 1.03 लाख रुपए पर सहमति बनी। प्रबंधन ने तर्क दिया कि कंपनियों की आर्थिक स्थिति अभी भी पूरी तरह से मजबूत नहीं है और ज्यादा बोनस देने से आने वाले समय में दिक्कतें हो सकती हैं। इस बोनस से कोल इंडिया की कई अनुषंगी कंपनियों के लाखों कर्मचारी लाभान्वित होंगे। कोल इंडिया प्रबंधन के इस फैसले से त्योहारों के दौरान बाजार में करीब 2100 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि आएगी, जिससे धनबाद और झारखंड समेत अन्य कोयला खनन क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

विडा ने पेश किया ग्राहकों के लिए नया सर्विस प्रोग्राम

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प की इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा (वीआईडीए) ने ग्राहकों के लिए नया सर्विस प्रोग्राम पेश किया है। ऑफर के तहत विडा कंपनी ई-स्कूटर्स पर 5 साल या 75,000 किमी की वारंटी उपलब्ध कराएगी, जिसमें बैटरी को अलग से 5 साल/60,000 किमी तक का कवरेज मिलेगा। वारंटी में 11 अहम कम्पोनेंट्स शामिल होंगे। नई योजना में ग्राहकों को कई फायदे दिए जा रहे हैं। इसमें एक्सटेंडेड वारंटी, एश्योर्ड बायबैक, 24/7 रोडसाइड असिस्टेंस और कनेक्टेड सर्विस सब्सक्रिप्शन शामिल हैं। सबसे खास बिंदु है बायबैक गारंटी। तीन साल बाद ग्राहक अपने स्कूटर को वापस कर एक्स-शोरूम कीमत का 67.5 प्रतिशत तक रिफंड पा सकते हैं। इससे मॉडल अपग्रेड करना आसान हो जाएगा। कंपनी ने साथ ही 'विडा ऐज' सब्सक्रिप्शन पैकेज भी लॉन्च किया है। इसमें देशभर के 3,600+ चार्जिंग प्वॉइंट्स पर अनलिमिटेड फास्ट चार्जिंग और मोबाइल ऐप पर 40 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स शामिल हैं। इससे यूजर्स स्कूटर की बैटरी स्टेटस, राइड हिस्ट्री, चार्जिंग लोकेशन और ओवर-द-एयर अपडेट जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। रोडसाइड असिस्टेंस में ब्रेकडाउन, फ्लैट टायर, टोइंग तक की मदद मिलेगी। सभी सुविधाएं डीलरशिप और डिजिटल चैनलों पर उपलब्ध हैं।

किफायती एसयूवी कायलाक अब सीएसडी की सूची में शामिल

नई दिल्ली। अपनी किफायती एसयूवी कायलाक को स्कोडा ऑटो इंडिया ने अब सीएसडी की सूची में शामिल कर लिया है। अब सेवारत और रिटायर्ड रक्षा कर्मी इस कार को सीएसडी-अप्रूव्ड रेट पर खरीद सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, कायलाक सीएसडी में तीन वैरिएंट - सिग्नेचर, सिग्नेचर प्लस और प्रेस्टीज में उपलब्ध होगी। इनमें मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स विकल्प मिलेंगे। इससे पहले स्कोडा की कुशाक और स्लाविया मॉडल ही डिपो में उपलब्ध थे। अब कायलाक तीसरी कार है, जो इस स्कीम में शामिल हुई है। कार खरीदने के लिए इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी सीएसडी डिपो पर जाकर जरूरी दस्तावेज जमा करेंगे। अप्रूवल मिलने के बाद स्कोडा डीलर डिलीवरी और आफ्टर-सेल्स सर्विस की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि राज्यवार टैक्स और लेवी अलग-अलग होंगे, इसलिए ग्राहकों को अंतिम ऑन-रोड कीमत जानने के लिए डीलर या डिपो से संपर्क करना होगा। कायलाक अपनी सेफ्टी के लिए भी जानी जाती है। इस एसयूवी को ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसके अलावा इसमें प्रीमियम इंटीरियर, एडवांस टेक्नोलॉजी और दमदार परफॉर्मेंस मिलती है।

यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की

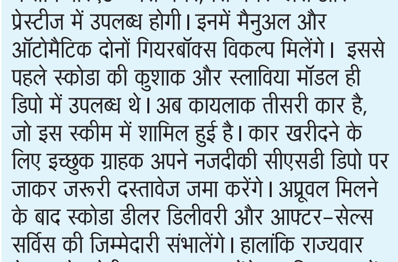

नई दिल्ली। बीवायडी की यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक कार बनी है। जर्मनी के एटीपी हाई-स्पीड ओवल ट्रैक पर इस इलेक्ट्रिक हाइपरकार ने 496.22 केएमपीएच (308.4 एमपीएच) की स्पीड पकड़ ली। इस तरह इसने 2019 में बनी बुगाटी चिरॉन सुपर स्पोर्ट 300 प्लस का 304.7 एमपीएच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह कार सिर्फ टॉप स्पीड में ही नहीं, बल्कि नीरबुर्ग्रींग ट्रैक पर भी नया रिकॉर्ड बना चुकी है। इसने 7 मिनट से कम समय में लैप पूरा किया और शाओमी एसयू7 अल्ट्रा को पछाड़ दिया। यांगवांग यू9 एक्सट्रीम में 1,200वी का क्वॉड-मोटर सिस्टम है, जो 2,977एचपी पावर जनरेट करता है। इसमें एलएफपी बैटरी पैक है, जो कुछ ही सेकेंड में 0-1000 केएमपीएच की रफ्तार दिला देता है। एडवांस्ड टॉर्क वेक्टरिंग और एडॉप्टिव सस्पेंशन इसे और खास बनाते हैं। कार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह स्पीड ब्रेकर पर 'जंप' कर निकल सकती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें कार्बन-सिरेमिक डिस्क्स, टाइटेनियम कैलिपर्स और खास गीतीस्पोर्ट ई-जीटीआर2 प्रो टायर्स दिए गए हैं, जो 310 एमपीएच तक स्पीड झेलने में सक्षम हैं।

181 लाख करोड़ के कर्ज में डूबी केंद्र सरकार लेने जा रही 6.77 लाख करोड़ का अतिरिक्त कर्ज

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार इस वित्तीय वर्ष में 6.77 लाख करोड़ का अतिरिक्त कर्ज लेने जा रहा है। बता दें कि सरकार जरूरी खर्चे पूरे करने और इन्फ्रा योजनाओं को फंडिंग देने के लिए हर साल बाजार से बॉन्ड के जरिये मोटा कर्ज उठाती है। देश पर 31 मार्च, 2025 तक करीब 181 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लदा हुआ है, जो देश की जीडीपी का 56 फीसदी है। इस कर्ज में केंद्र सरकार और राज्यों का भी लोन शामिल है। इसके अलावा भारत पर विदेशी कर्ज भी लदा है, जो पिछले एक साल में 10 फीसदी बढ़कर करीब 61 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। देश पर कर्ज लदने से हर व्यक्ति पर भी देनदारी बढ़ जाती है।

वित्तवर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सरकार की उधारी 5,000 करोड़ रुपये कम हुई। इसके अलावा दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के अनुमान में भी 5,000 करोड़ रुपये की कटौती कर दी गई है। इस तरह देखा जाए तो पूरे वित्तवर्ष में उधारी में 10 हजार करोड़ रुपये की कमी आएगी। अब चालू वित्तवर्ष के लिए कुल उधारी 14.72 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान से 10,000 करोड़ रुपये कम होगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि दूसरी छमाही के लिए 6.77 लाख करोड़ रुपये की उधारी में से 10,000 करोड़ रुपये सरकारी हरित बॉन्ड के जरिये जुटाने की योजना है। पहली छमाही में सरकार ने 8 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बनाई थी, जिसमें से 7.95 लाख करोड़ रुपये ही उधार लिए गए। सरकार दूसरी छमाही में उधारी की योजना को 22 साप्ताहिक नीलामी के माध्यम से छह मार्च 2026 तक पूरा करेगी। आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि कुल सकल उधारी अब 14.72 लाख करोड़ रुपये है, जो प्रारंभिक अनुमान से थोड़ा कम है। उन्होंने कहा कि मैं यह बात फिर कहूंगी कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

एनआईसीडीसी बना रहे औद्योगिक स्मार्ट शहर, कई देश दिखा रहे रुचि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड (एनआईसीडीसी) के मुख्य कार्याधिकारी व प्रबंध निदेशक रजत कुमार सैनी ने बताया कि औद्योगिक स्मार्ट शहरों का कार्य तेजी से जारी है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर समेत पूर्व एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देश इन औद्योगिक शहरों में रुचि दिखा रहे हैं। इन औद्योगिक शहरों का विकास एनआईसीडीसी कर रहा है। उन्होंने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि भूराजनीतिक चिंताओं और अनिश्चितताओं के बावजूद इन शहरों में रुचि कायम है। उन्होंने कहा कि एनआईसीडीसी के शहर वैश्विक रुचि नियमित रूप से आकर्षित करते हैं। जापान, कोरिया और सिंगापुर के अलावा जर्मनी, इटली, यूएई, यूके, ताइवान, रूस समेत अन्य देशों की इन शहरों में रुचि बढ़ रही है। एडवांस विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि, एयरोस्पेस, रक्षा, भारी उद्योग, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य क्षेत्रों के अलावा अन्य क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत औद्योगिक गलियारों पर 20 औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित किए जाने हैं। इसमें व्यापक सोच विश्व स्तरीय औद्योगिक ढांचा बनाना और भारत को वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनाना है।

यात्री वाहनों के इंजन में होगा बदलाव, बीईई करेगी नए मानक लागू

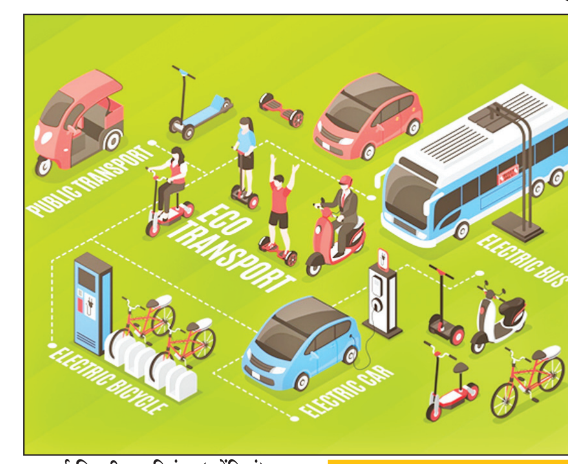

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने यात्री वाहनों के लिए नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-3' मानक प्रस्तावित हैं, जो वाहन कंपनियों को साझा प्रयास करने, छोटी कारों को छूट देने और फ्लेक्स-ईंधन, हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक मॉडलों को भी शामिल करने की सुविधा देता है। बीईई का कहना है कि वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ाने नए मानक एक अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक लागू होंगे। देश में फिलहाल कैफे-2 मानक लागू हैं, जिन्हें कैफे 3 से बदला जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित कैफे-3 नियमों के तहत साल भर में औसत ईंधन खपत के मानक को पूरा करने के लिए अधिकतम तीन वाहन विनिर्माता आपस में मिलकर एक 'पूल' भी बना सकते हैं। इस स्थिति में पूल को एक वाहन विनिर्माता माना जाएगा। हालांकि एक वाहन विनिर्माता केवल एक पूल में ही शामिल हो सकता है। पूल के 'पूल प्रबंधक' के रूप में नामित विनिर्माता पूल के संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा। वही ऊर्जा

देश में है कैफे-2 मानक लागू, जिन्हें कैफे 3 से बदला जाएगा

संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत लगाए गए किसी भी जुर्माने का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा। नए मानक फ्लेक्स-ईंधन वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन को भी कैफे-3 मानकों के दायरे में शामिल करते हैं। इन्हें कॉरपोरेट औसत ईंधन खपत मानक 2027-2032 (कैफे 2027) कहा जाएगा। बीईई ने प्रस्तावित नियमों पर 21 दिनों के अंदर संबंधित पक्षों से टिप्पणियां देने को कहा है। नए नियमों से वाहन विनिर्माता अपनी कारों में ईंधन बचत को बढ़ाने, इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड कारों को बढ़ावा देने और पर्यावरण को फायदा पहुंचाने के लिए जरूरी बदलाव कर सकेंगे। सरकार ने साल 2020 से वाहनों के इंजन से उत्सर्जन को कम करने के लिए बीएस-6 मानक लागू किए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इलाज बिना बेमौत...

जीवन छोटा होता जा रहा है, उच्च स्तरीय अस्पतालों में भीड़ बढ़ रही है और सभी के लिए खर्चे बढ़ रहे हैं। रोकथाम योग्य बीमारियां जानलेवा संकटों में बदल रही हैं, जिससे मांग पक्ष (मरीजों) और आपूर्ति पक्ष (सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा) दोनों पर भारी असर पड़ रहा है। निवारक देखभाल (टीके, प्रसवपूर्व जांच, पुरानी बीमारियों की जांच) अक्सर स्वस्थ रहने के लिए देश का सबसे मजबूत सहारा होती है। लेकिन जब ये पहुंच से बाहर हो जाती हैं, तो पहले से कम समझी जाने वाली बीमारियां वापस आ जाती हैं और मातृ एवं नवजात मृत्यु दर लगातार ऊंची बनी रहती है।नियमित जांच के बिना, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर या बिना निदान वाली मधुमेह जैसी बीमारियां चुपचाप गंभीर, जानलेवा अवस्था में पहुंच जाती हैं। असमानताएं स्पष्ट हैं: अनुसूचित जनजातियों में टीकाकरण दर अगड़ी जातियों से 20 प्रतिशत से भी अधिक पीछे है। ग्रामीण बच्चे भी शहरी बच्चों से लगभग इसी अंतर से पीछे हैं। औपचारिक देखभाल के लिए महंगे दामों पर उपलब्ध लोग अक्सर अनौपचारिक प्रदाताओं की ओर रुख करते हैं: फार्मासिस्ट (योग्य और अन्य), पारंपरिक चिकित्सक, बिना लाइसेंस वाले चिकित्सक। गलत निदान, खतरनाक एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग और गैर-संक्रमित प्रक्रियाएं आम हैं, जो दवा प्रतिरोध और असफल उपचारों को बढ़ावा देती हैं। भारत और पाकिस्तान में, 80 प्रतिशत तक प्रथम-संपर्क देखभाल सार्वजनिक क्षेत्र के बाहर होती है। नुकसान केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है क्योंकि प्रतिरोधी संक्रमण अनियंत्रित रूप से फैलते हैं और समुदायों और क्षेत्रों के लिए खतरा बन जाते हैं।निम्न-जाति समुदायों, लैंगिक अल्पसंख्यकों और आंतरिक प्रवासियों को भेदभाव, भाषाई अंतर और नौकरशाही बाधाओं सहित और भी बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि स्वास्थ्य योजनाओं में नामांकित लोगों को भी परिवहन या निदान के लिए छिपी हुई टॉप-अप लागतों का भुगतान करना पड़ता है, जो वादा की गई सुरक्षा को कमजोर करती है। इसका परिणाम यह होता है कि हाशिए पर पड़े समूहों के स्वास्थ्य संकेतक राष्ट्रीय औसत से पीछे रह जाते हैं, जिससे सामाजिक दरारें बढ़ती हैं और समान देखभाल प्रदान करने की संभावनाएं कम होती जाती हैं।बीमारी आजीविका भी छीन लेती है। भारत की विशाल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में, न तो कोई सवेतन बीमारी अवकाश है और न ही कोई सुरक्षा कवच। परिवार के किसी बीमार सदस्य की देखभाल करने या बीमारी से उबरने का मतलब है वेतन का नुकसान। समय के साथ, बचत खत्म हो जाती है, आहार बिगड़ जाता है, और बच्चों को स्कूल से निकाल दिया जाता है। ये त्याग मानव पूंजी को नष्ट करते हैं और आर्थिक विकास को अवरुद्ध करते हैं, जिससे उत्पादकता में उल्लेखनीय कमी आती है जो क्षेत्रीय या राष्ट्रीय प्रगति को बाधित करती है।देखभाल से इनकार, घटिया इलाज या बढ़ा-चढ़ाकर बिल दिए जाने की हर घटना के साथ, स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसा कम होता जा रहा है। भारत में स्वास्थ्य के अधिकार को लागू करना जीवन-मरण का प्रश्न है। इसके लिए बुनियादी ढांचे, पारदर्शिता और जवाबदेही में निवेश की आवश्यकता है, ताकि किसी भी मरीज को चिकित्सा सेवा और वित्तीय बर्बादी के बीच चुनाव न करना पड़े। हर नागरिक को बिना किसी डर के क्लिनिक या अस्पताल में जाने की सुविधा मिलनी चाहिए कि उसकी जान बचाने से उसका भविष्य बर्बाद हो सकता है।सार्वजनिक वित्तपोषण का विस्तार करना तथा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज तंत्र को मजबूत करना भी उतनी ही जरूरी है, ताकि स्वास्थ्य सेवा को बाजार या व्यक्तिगत बचत की अनिश्चितताओं पर न छोड़ा जाए, बल्कि इसे सार्वजनिक वस्तु के रूप में सुनिश्चित किया जाए।

संकल्प है, चिप...

प्रधानमंत्री ने गरीबों, दलितों, पिछड़ों और जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब एक गरीब परिवार को पक्का घर मिलता है, तो न केवल उसका वर्तमान, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन भी आसान हो जाता है। केंद्र सरकार देशभर के 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्का घर दे चुकी है। आज ओड़ीशा में अंत्योदय गृह योजना के तहत करीब 50,000 परिवारों को घर की स्वीकृति मिली है।पीएम मोदी ने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जहाज निर्माण के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि कोई भी देश जो आर्थिक रूप से मजबूत होना चाहता है, वह बड़े-बड़े जहाज निर्माण पर बहुत बल देता है। जहाज निर्माण से व्यापार, टेक्नोलॉजी और देश की सुरक्षा को फायदा मिलता है। पीएम मोदी ने घोषणा की कि केंद्र की भाजपा सरकार ने देश में बड़े जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 70,000 करोड़ रुपए का पैकेज स्वीकृत किया है। पीएम ने दोहराया कि सरकार का संकल्प है कि चिप से लेकर शिप तक, भारत हर चीज में आत्मनिर्भर बने।पीएम मोदी ने तकनीकी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए एक नई योजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मेरिट नाम की एक योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत तकनीकी शिक्षा देने वाले संस्थानों पर हजारों करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पीएम ने कहा कि ओड़ीशा के साथ-साथ पूरे देश में शिक्षा और कौशल विकास पर अभूतपूर्व खर्च किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर सीधा हमला बोला और उस पर जनता को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि साल 2014 में जब जनता ने भाजपा को चुना, तो देश कांग्रेस के लूट सिस्टम से मुक्त हो गया। पीएम मोदी ने दावा किया कि भाजपा सरकार में डबल बचत और डबल आय का दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उन्हें तरह-तरह की गालियां देने की आदत पड़ गई है।पीएम मोदी ने जीएसटी और टैक्स दरों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरें कम कीं, तो पूरे देश में कीमतें कम हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आम जनता को यह सुख देना नहीं चाहती। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए पीएम ने कहा कि केंद्र द्वारा सीमेंट के दाम कम किए जाने पर, हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने अपना ही टैक्स लगा दिया। इसी तरह, जब केंद्र ने डीजल-पेट्रोल के दाम कम किए, तब भी कांग्रेस शासित राज्यों ने दूसरा टैक्स लगाकर दाम उतना ही रहने दिया और अपनी तिजोरी भरते रहे। पीएम मोदी ने साफ कहा कि कांग्रेस की सरकार जहां भी रहेगी, वहां लोगों को लूटेगी ही और जनता को मिलने वाले फायदे के बीच दीवार बनकर खड़ी हो जाएगी।

काठमांडू के पहले...

सितंबर महीने में राहुल गांधी की यह पहली आधिकारिक विदेश यात्रा मानी जा रही है। हालांकि इससे पहले वे मलेशिया भी गए थे। उस यात्रा को लेकर कांग्रेस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। मलेशिया में राहुल गांधी के छुट्टियां मनाने की तस्वीरें खूब वायरल हुईं, लेकिन यह भी पता चला कि मलेशिया में राहुल गांधी की मुलाकात भारत के खिलाफ षडयंत्र करने वाले अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस के बेटे, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करने वाली एक मोहतरमा और ऐसे ही अन्य लोगों के साथ हुई थी। मलेशिया दौरे में राहुल गांधी और विवादास्पद इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक के साथ मुलाकात की भी खबरें आईं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

203 सीटों पर लड़ेगी...

सीट बंटवारा और उम्मीदवारों की घोषणा, दोनों के लिए पार्टी चुनाव की अधिसूचना जारी होने का इंतजार कर रही है।

भाजपा चिराग पासवान को चुनाव में अहम खिलाड़ी मान रही है। पार्टी का मानना है कि कार्यकर्ताओं को सकारात्मक संदेश देने के लिए अधिक सीटें मांगना उनकी मजबूरी है। अगर अधिक समस्या हुई तो भाजपा अपने हिस्से की कुछ सीटें उन्हें दे सकती है। हालांकि इन सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार लोजपा (आर) के टिकट पर लड़ेंगे। बीते चुनाव में भाजपा ने वीआईपी के साथ भी यही फार्मूला अपनाते हुए उसे 11 सीटें दी थी। इनमें से छह सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार लड़े थे। बाद में वीआईपी के जीते चार विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे।

आईएसआई के संपर्क ...

वांगचुक ने पाकिस्तान के एक मीडिया हाउस द-डॉन के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और बांग्लादेश की यात्रा भी की थी। डीजीपी ने कहा कि वांगचुक लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की ओर से चल रहे राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन का चेहरा बने थे, लेकिन उन्होंने संवाद प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश की।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच 25 सितंबर को एक अनौपचारिक बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन वांगचुक ने उसी दिन भड़काऊ वीडियो और बयान जारी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, जिसका नतीजा हिंसक झड़पों के रूप में सामने आया। एलजी कवींद्र गुप्ता के विदेशी साजिश के बयान का समर्थन करते हुए डीजीपी ने कहा कि तीन नेपाली नागरिकों को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और अन्य संदिग्ध विदेशी नागरिकों की भूमिका भी सामने आ रही है। बुधवार की हिंसा के मामले में अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 6 प्रमुख षड्यंत्रकारी माने जा रहे हैं। डीजीपी जामवाल ने कहा, साफ है कि वांगचुक ही इस पूरे घटनाक्रम के मुख्य प्रेरक थे, इसलिए उन्हें राज्य से बाहर की जेल में रखा गया है।डीजीपी ने यह भी दावा किया कि वांगचुक केंद्र सरकार के साथ होने जा रही बातचीत को निहित स्वार्थ के चलते पटरी से उतारना चाहते थे। फिलहाल लद्दाख पुलिस अधिक खुलासा नहीं कर रह है पर इतना जरूर कह रही है कि इसके पीछे विदेशी साजिश है। उन्होंने कहा कि अनशन मंच का दुरुपयोग जनता को भड़काने के लिए किया गया। सोनम वांगचुक एक अलग एजेंडा चला रहे थे।डीजीपी ने कहा कि आश्चर्यजनक रूप से 24 सितंबर को लोगों की बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। वहां असामाजिक तत्व मौजूद थे। पांच से छह हजार लोगों ने सरकारी इमारतों और राजनीतिक दलों के कार्यालयों को नुकसान पहुंचाया और पथराव किया। उन इमारतों में मौजूद हमारे अधिकारियों पर भी हमला किया गया। एक राजनीतिक दल के कार्यालय को जला दिया गया। एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो बच्चों समेत...

उन्होंने पुलिस से मदद भी मांगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह घटना बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। इस कठिन समय में ईश्वर उन्हें शक्ति प्रदान करे। पीएम ने घायलों के लिए शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद हृदयविदारक है। सिंह ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। शाह ने कहा कि इस दुखद घटना ने उन्हें बेहद दुखी किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से प्रार्थना की कि परिवारों को यह दुःख सहने की शक्ति मिले। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। फिल्म अभिनेता विजय की रैली में उम्मीद से कहीं ज्यादा लोग पहुंचे थे। अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दो बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े जिन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। करूर के सरकारी और निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में घायलों को भर्ती कराया गया। प्रशासन ने तुरंत अतिरिक्त डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया। जिला प्रशासन ने बताया कि कई मरीजों की हालत गंभीर है और मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री समेत कई अन्य मंत्रियों को करूर भेजा है ताकि हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हालात बिगड़ते देख विजय को भी अपना भाषण रोकना पड़ा। उन्होंने मंच से पुलिस से मदद की अपील की। इस दौरान वे खुद कार्यकर्ताओं को पानी की बोतलें बांटते दिखे, लेकिन भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता गया। पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 28 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ईएलसीआईएनए ने डॉ. अनेश कुमार शर्मा को भारत के सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. अनेश कुमार शर्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद में उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक (तकनीकी), को 2024-25 के लिए सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित ईएलसीआईएनए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह ईएलसीआईएनए का सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान है, जो डॉ. शर्मा के भारत के सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने में असाधारण योगदान को मान्यता देता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी संप्रभुता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

30 से अधिक वर्षों की समर्पित सेवा के साथ, डॉ. शर्मा स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास, सुरक्षित संचार प्रणालियों और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के पीछे एक प्रेरक शक्ति रहे हैं। उन्होंने परमाणु, रक्षा, एयरोस्पेस, गृह सुरक्षा और ई-गवर्नेंस क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें नौसेना की एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज (एनएएसएम-एसआर) और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान शामिल हैं।

डॉ. शर्मा ने भारत के लोकतांत्रिक प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण घटक, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के डिज़ाइन, उत्पादन और तैनाती का भी नेतृत्व किया।

ईसीआईएल में, उन्होंने इंडस्ट्री 4.0, लीन मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से उत्पादन के आधुनिकीकरण का नेतृत्व किया, जिससे दक्षता और ट्रेसबिलिटी में वृद्धि हुई।

यह पुरस्कार डॉ. शर्मा की भारत के सामरिक बुनियादी ढांचे और तकनीकी स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अग्रवाल समाज एबीसी भाग्यनगर शाखा की बोर्ड मीटिंग एवं दिवाली मिलन की तैयारी

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज एबीसी भाग्यनगर शाखा की बोर्ड मीटिंग विभागाध्यक्षों एवं सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। संस्थापक उदय गुप्ता और अध्यक्ष मेघा अग्रवाल जी की देखरेख में यह बैठक प्रसिद्ध स्थान बिकानेरवाला, बंजारा हिल्स पर आयोजित हुई।

बैठक में मुख्य रूप से सदस्यों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने, फंड रेजिंग और आगामी दिवाली मिलन के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। तय किया गया कि दिवाली मिलन कार्यक्रम अक्टूबर 2025 में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में शाखा उपाध्यक्ष अजय गुप्ता, सचिव अनिल अग्रवाल, सह सचिव यश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ऋतुल अग्रवाल तथा बोर्ड सदस्य भूषण गुप्ता और अश्विन अग्रवाल उपस्थित रहे।

हरिशंकर अग्रवाल की पुण्य स्मृति में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को स्व. हरिशंकर अग्रवाल की पुण्य तिथि पर अन्नदान किया गया। बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के समीप नियमित अन्नदान की आज की सेवा श्री हरिशंकर जी जगदीश प्रसाद जी अग्रवाल (चूड़ीवाले) परिवार की ओर से की गई। अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोविंद राम पचेरीया, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मनोज शर्मा, आशीष, किशन पाल सहित ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित थे।

श्री महासर माता एवं महापुरुषों के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों पर, राम रसोई भी बनेगी

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास मठ, बेगम बाजार, चूड़ी बाजार में श्री महासर माता, पंडित गणेश नारायणजी, अग्रसेनजी महाराज, हरिपुरुषजी महाराज, खेमदासजी महाराज और बालकदासजी महाराज के मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां ज़ोरों पर चल रही हैं। इस पुनीत अवसर पर राम रसोई (प्रसाद भोजनालय) हॉल भी बनाया जा रहा है, जो 2500 वर्ग फीट का होगा। यह हॉल श्री बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं श्री महासर माता भक्त मंडल भाग्यनगर के सौजन्य से निर्मित होगा।सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री शरद बी. पित्ती, जिन्होंने अग्रवाल समाज तेलंगाना का गठन किया, ने इस पवित्र कार्य के लिए ग्यारह लाख रुपये का चेक भेंट किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष आर.एन. गुप्ता, विनय सी. अग्रवाल, अजीत गुप्ता, उमेश अग्रवाल (सीए), मेघराज अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल आदि भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक शशिकांत अग्रवाल एवं दिनेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन बसंत पंचमी, 23 जनवरी 2026 को होगा।इससे पूर्व 19 जनवरी 2026 को प्रातः भव्य कलश एवं ध्वज यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें घोड़ा, बग्घी, भजन-कीर्तन आदि शामिल होंगे। उसके उपरांत प्रतिदिन यज्ञ, पूजा, प्रसादी एवं भजन-कीर्तन के कार्यक्रम देश के विभिन्न प्रांतों से आने वाले प्रमुख भजन गायकों द्वारा आयोजित किए जाएंगे। पूजा एवं यज्ञ का आयोजन श्री मठाधिपति डॉ. मनुदासजी महाराज एवं वेदाचार्य सुनील महाराज (सोनू महाराज) के सानिध्य में होगा। मंदिर का निर्माण श्री गणेश फाउंडेशन और श्री महासर माता भक्त मंडल के नेतृत्व में किया जा रहा है। सभी मंदिर मकराना के संगमरमर पत्थरों से उत्कृष्ट शिल्पकला के साथ निर्मित हो रहे हैं। इस धार्मिक स्थल पर 500 वर्ष प्राचीन चमत्कारी बालाजी मंदिर भी स्थित है, जो श्रद्धालुओं का आकर्षण बना हुआ है।प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु संयोजक मंडल का गठन किया गया है। समिति ने यह भी घोषणा की है कि यदि कोई भक्तजन सेवाभाव से जुड़ना चाहें, तो वे किसी भी संयोजक से संपर्क कर अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं।संयोजक मंडल में - शशिकांत अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, विकास मोदी, शिशिर केडिया, गोपाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, गोपाल डी.आर., नवरता कनोड़िया, मनीष अग्रवाल, रवींद्र अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, टी. ओमप्रकाश सिंह, दिनेश सिंघल, विद्या बाई, सीमा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, ममता अग्रवाल, नविता अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, धर्मदास पुजारी, राजेश पुजारी एवं अन्य सक्रिय सदस्य शामिल रहेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा बसंत पंचमी पर

अग्र महिला मंच का डांडिया उत्सव एवं नानी बाई को मायरो श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्र महिला मंच तेलंगाना द्वारा सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में डांडिया उत्सव एवं विशेष आकर्षण नानी बाई को मायरो कार्यक्रम का भव्य आयोजन पूर्ण उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंच की अध्यक्षा श्रीमती दीपा गर्ग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस रंगारंग कार्यक्रम में लगभग 85 महिलाओं ने भाग लेकर इसका भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों, श्रीमती बबीता अग्रवाल (कोत्तापेट शाखा) एवं श्रीमती इंदिरा बजाज (महेश्वरी महिला मंडल), द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मंच की पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा प्रस्तुत नानी बाई को मायरो लघु नाटिका दर्शकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। दीपा गर्ग, अंजू गोयल, संगीता देवड़ा, सीमा पंसारी, मंजू केजरीवाल, सीमा गर्ग, मधु गोयल, सरला जिंदल, चंचल अग्रवाल एवं वंदना अग्रवाल ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से समां बांध दिया और सभी की प्रशंसा बटोरी। उत्सव के अंतर्गत महिलाओं एवं नन्हे बच्चों ने डांडिया नृत्य कर उल्लासपूर्वक उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। पुरस्कार विजेताओं की सूची इस प्रकार है:- सर्वश्रेष्ठ युगल जोड़ी: सेजल, नीता, अनवरत नृत्य: दीप्ति, श्रेष्ठ वेशभूषा (महिला): ऋचा, अनन्या, बरखा। डांडिया सजावट: सोनल।श्रेष्ठ एकल वेशभूषा: सिंपल, बच्चों की प्रतियोगिता: बेस्ट वेशभूषा - किया, कशिश । बेस्ट डांस - अश्विनी, अस्मिता रहे।

विजेताओं को दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सीमा पंसारी एवं सपना कनोड़िया द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर दीपा डालमिया द्वारा खिलाए गए गेम की विजेता शीतल अग्रवाल रहीं।

मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान दीपा गर्ग और अंजू गोयल द्वारा शॉल एवं पुष्प भेंट कर किया गया। पंजीकरण का कार्य अमिता बगेड़िया एवं चंचल गोलन ने सुचारू रूप से संभाला। पूर्व मंत्राणी श्रीमती मीना कुंछल ने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की सफलता पर श्रीमती सरला अग्रवाल ने सेंट लुईस (मिसौरी, यूएसए) से हार्दिक बधाई प्रेषित की। मीता पंसारी, प्रभावती अग्रवाल एवं सपना गुप्ता ने भी कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। मंच द्वारा सभी उपस्थितजनों के लिए स्वादिष्ट स्नैक्स, पेय पदार्थ एवं भोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी। बच्चों का उत्साह बढ़ाने हेतु सभी प्रतिभागियों को मंच की ओर से उपहार भी दिए गए। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ सदस्या श्रीमती शारदा गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा श्री मां भगवती का द्वितीय विशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा 26/09/2025 शुक्रवार को श्री मां भगवती का द्वितीय विशाल जागरण शिवांश फंक्शन हॉल तूलिप्स होटल के सामने अन्नोजीगुडा हैदराबाद के तत्वावधान में किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति समाचार के अनुसार शाखा मंत्री युवा पन्नालाल भाटी ने बताया मां भगवती के नाम विशाल जागरण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस रक्तदान शिविर में 31 रक्त संग्रह हुआ।अध्यक्ष पंकज राठौड़ की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ।अतिथियों का स्वागत मंच की ओर से शॉल, माला एवं दुपट्टा से स्वागत किया।इस विशाल रक्तदान शिविर में मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान सुरेश एम जैन का स्वागत नवयुग यूथ एसोसिएशन की तरफ से किया गया।रक्तदान कैंप में पधारे भजन गायक शंकर टांक, गायिका दिव्या वैष्णव का मंच की तरफ से स्वागत किया गया।इस विशाल रक्तदान शिविर में पूर्व अध्यक्ष पप्पू कुमार धौडला, हरीश माली, मंगलाराम चौधरी, नवीन मालवीय, किशोर कुमावत, पीराराम सीरवी, गजेंद्र शर्मा का विशेष सहयोग रहा।सभी रक्तवीर को ब्लड बैंक के द्वारा प्रशस्ति पत्र, उपहार दिया गया।कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथिगण एवं सभी युवा सदस्यों का शाखा के जनसेवा संयोजक युवा मंगलाराम चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्री ज्येष्ठायणी माता उत्सव समिति द्वारा

कुलमाता ज्येष्ठायणी (पाण्डुका) माता जी का भव्य जागरण आज

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज के भरद्वाज गोत्र के नागला तिवारी, पीपाड़ा पांडिया, तुकार तिवारी, लीलरिया व्यास की कुलदेवी मातारानी ज्येष्ठायणी (पाण्डुका) का भव्य जागरण आज रविवार, 28 सितंबर 2025 को रात्रि 8:11 बजे से ऋषि श्रृंग भवन में आयोजित होगा।

सायं 6:31 बजे से पुजारी नरेश दायमा, प्रभुदयाल पांडिया और माणिकचंद पांडिया द्वारा माताजी की चौकी और दरबार सजाया जाएगा। रात्रि 7:21 बजे से विधिवत वेदमंत्रों के साथ पूजा-अर्चना, माताजी का आह्वान, और आरती होगी। इसके पश्चात, 8:11 बजे से प्रमुख भजन गायिका सुर सम्राट स्वाती दधीच और प्रमुख भजन गायक जगदीश व्यास दधीच अपने मधुर स्वरों में माताजी के अलौकिक भजनों से भक्तों को भक्ति रस में डुबोएंगे।इस संदर्भ में शनिवार को एक बैठक युवा समिति के सदस्यों के साथ रामदेव नागला ने की, जिसमें कार्यक्रम की पूरी जानकारी ली गई। बैठक में युवा समिति के 21 सदस्यों-सुरेश तिवारी, भागीरथ शर्मा, रामकुमार तिवारी, नरेश नागला सोडावत, विजय शर्मा पांडिया, नरेश नागला गुंदोज, विनोद नागला मलकाजगिरी, कमल पांडिया रेखावत, विनोद नागला किशनगंज, आनंद तिवारी किशनगंज, श्रीवल्लभ पांडिया बलूंदा, पवन नागला तिवारी कोड, चेतन तिवारी घोडावड़, सुवालाल तिवारी, श्याम सुंदर तिवारी पिचयाक, सुरेंद्र तिवारी पिचयाक, विनोद पांडिया अकेली, मुकेश तिवारी, राजकरण तिवारी, श्रीराम पांडिया, नरेश पांडिया बलूंदा-के अलावा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।रामदेव नागला ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों से जोश के साथ पधारकर पूजा में शामिल होने की अपील की। आयोजन समिति ने सभी स्वजातीय और धर्मप्रेमी भाइयों से 28 सितंबर 2025 को जागरण में और सोमवार, 29 सितंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से प्रसादी में सहपरिवार पधारकर प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया।

हैदराबाद में भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास के साथ छह दिवसीय दुर्गोत्सव का शुभारंभ

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में भक्ति, परंपरा और सांस्कृतिक वैभव की लहर लेकर बंगाली कल्चरल एसोसिएशन (बीसीए) के तत्वावधान में हैदराबाद के सबसे पुराने और भव्य 'सर्बोजनीन दुर्गोत्सव 2025' का आज शुभारंभ हो गया। यह छह दिवसीय महोत्सव 2 अक्टूबर, महादशमी तक चलेगा, जो शहरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव का वादा करता है।

आयोजन स्थल पर बने भव्य थीम-आधारित पंडाल में प्रवेश करते ही ढाक की पावन लय, शंखध्वनि की गूंज और माँ के भोग की दिव्य सुगंध आगंतुकों का स्वागत करती है, जो बंगाल की आत्मा को जीवंत कर देती है। दशकों से बनर्जी काकी माँ द्वारा पूरी निष्ठा से तैयार किया जाने वाला भोग इस उत्सव का एक अभिन्न अंग है।

इस दुर्गोत्सव की सबसे अनूठी विशेषताओं में से एक निःशुल्क भोग प्रसादम का वितरण है। सप्तमी (29 सितंबर), अष्टमी (30 सितंबर) और नवमी (1 अक्टूबर) के दिन बीसीए हजारों भक्तों को निःशुल्क भोग परोसेगा, जो इसे हैदराबाद में यह सेवा प्रदान करने वाला एकमात्र पूजा आयोजन बनाता है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई है, जबकि युवा सदस्य उत्साह और आत्मीयता के साथ प्रसाद वितरण की सेवा में लगे हैं।

यह उत्सव विविधता में एकता की सच्ची भावना को दर्शाता है। यह एक ऐसा आयोजन है जहाँ मूर्ति एक मारवाड़ी परिवार द्वारा प्रायोजित है, ध्वनि व्यवस्था की जिम्मेदारी मुस्लिम समुदाय के लोग संभालते हैं, मीडिया सहयोग ईसाई मित्रों द्वारा किया जाता है, और पूजा की विभिन्न व्यवस्थाओं में तेलुगु महिलाएँ सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। विशेष रूप से, आयोजन स्थल पिछले 30 वर्षों से एक तेलुगु फंक्शन हॉल मालिक द्वारा उदारतापूर्वक उपलब्ध कराया जाता है, जो अंतर-सांस्कृतिक सौहार्द का एक बेजोड़ उदाहरण है।

उत्सव का अनुभव ग्रामीण बंगाल से आए पारंपरिक ढाकियों के हृदयस्पर्शी संगीत के बिना अधूरा है, जो पूरे वातावरण को ऊर्जा से भर देते हैं। दशकों से समुदाय का मार्गदर्शन कर रहे आदरणीय पुजारी सिन्हा काकु यह सुनिश्चित करते हैं कि पुष्पांजलि का प्रत्येक मंत्र भक्तों तक सार्थकता के साथ पहुंचे।

एक ओर जहाँ पवित्र अनुष्ठान चलते हैं, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक मंच बच्चों, महिलाओं और समुदाय के सदस्यों की महीनों की तैयारी से सजी प्रस्तुतियों से जीवंत हो उठता है। दोपहर और शाम के समय विभिन्न प्रतियोगिताओं, खेलों और विशेष आकर्षण 'धुनुची नृत्य' का आयोजन किया जाता है, जो हर अतिथि को उत्सव का हिस्सा बनने का अवसर देता है। भोग के अतिरिक्त, प्रामाणिक बंगाली व्यंजन-पुचका, रोल्स, मिष्टी और कोलकाता बिरयानी-के साथ-साथ अन्य बहु-व्यंजन स्टॉल भी भोजन प्रेमियों के लिए उपलब्ध हैं।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन ने सभी शहरवासियों को इस भव्यता, भक्ति और सांस्कृतिक जादू का अनुभव करने के लिए सर्बोजनीन दुर्गोत्सव 2025 में शामिल होने के लिए हार्दिक निमंत्रण दिया है।

यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को पर्यटन उत्कृष्टता पुरस्कार

यादगिरिगुट्टा, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर तेलंगाना पर्यटन उत्कृष्टता पुरस्कार हेतु प्रथम तीर्थ स्थल के रूप में चुना गया है। यह सम्मान मंदिर को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से उसकी महत्ता को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रदान किया गया।

शनिवार, 27 सितंबर 2025 को शाम 6:00 बजे पारंपरिक वेदिका शिल्पम में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।इस अवसर पर तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्री जी. रवि (आईएएस), सहायक कार्यकारी अधिकारी श्री जुसेट्टी कृष्णा और श्री गजवेल्ली रघुवर उपस्थित रहे।कार्यकारी अधिकारी श्री जी. रवि, आईएएस ने इस सम्मान के लिए तेलंगाना पर्यटन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार प्राप्त कर वे अत्यंत प्रसन्न हैं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि मंदिर के समस्त कर्मचारियों के कड़े परिश्रम और सेवा भावना का परिणाम है।मंदिर के कर्मचारियों ने भी इस गौरवपूर्ण क्षण पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

गीत चांदनी द्वारा मूल्यांकन और कवि गोष्ठी का आयोजन आज

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य और कविता प्रेमियों के लिए 'गीत चांदनी' द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान के तत्वावधान में रविवार, 28 सितंबर, 2025 को एक विशेष मूल्यांकन और कवि गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 1:00 बजे से मोजामजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल के सेलर सभागार में आयोजित होगा, जिसमें सभी साहित्य प्रेमी सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ के कोषाध्यक्ष और 'गीत चांदनी' के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद करेंगे।

'गीत चांदनी' के कार्यदर्शी तथा 'गोलकोंडा दर्पण' (मासिक) पत्रिका के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने आज यहाँ एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह संस्थान की 336वीं मूल्यांकन गोष्ठी होगी। इस गोष्ठी में बिजनौर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित साप्ताहिक ई-पत्रिका 'आकाश कविघोष' (वर्ष चार, अंक: 34, दिनांक 26 अगस्त, 2025) की सामग्री पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों द्वारा गहन चर्चा और मूल्यांकन किया जाएगा।

पत्रिका के संपादक आकाश श्रीवास्तव हैं।गोष्ठी के दूसरे सत्र में एक कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें हैदराबाद और सिकंदराबाद के कवि देश की समसामयिक परिस्थितियों, श्रृंगार, आतंकवाद और ज़िंदगी जैसे विभिन्न विषयों पर अपनी नवीनतम गीत, गजलें और कविताएँ प्रस्तुत करेंगे।

आयोजकों ने सभी कवियों, लेखकों और श्रोत-ाओं से समय पर कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी साहित्यकारों के लिए जलपान की व्यवस्था गीतकार चंपालाल बैद की ओर से की गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.39/2025, दिनांक 26.09.2025 PUB/1206

भंडार सामग्री आपूर्ति हेतु ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्नलिखित निविदाएं ऑनलाइन जारी की गई हैं। निविदाकारों से अनुरोध है कि वे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं और अपनी निविदाएं ऑनलाइन जमा करें। निविदा का विवरण, मात्रा, ईएमडी, एसडी वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं। मैन्युअली जमा की गई निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। डाक द्वारा भेजी गई निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदा बंद होने का समय निविदा की नियत तारीख को 14:30 बजे है। सभी स्वदेशी निविदाओं के लिए, ईएमडी केवल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
65255004	08 व्यक्तियों की क्षमता वाली हेवी ड्यूटी एलिवेटर का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और रखरखाव।
30251193	बोगी बोल्स्टर सस्पेंशन के लिए हैंगर।
65255003	हेवी ड्यूटी रिवर्सिबल प्रकार के यात्री एस्केलेटर का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और रखरखाव।
30251903	बैटरी बॉक्स।
17251004	एलिमेंट इंजन एयर फिल्टर DLW भाग सं. 17452168 और Emd भाग सं. 8470903
LN259001C	ICF SS डस्ट बिन।
76250001A	3.15 X 350 मिमी आकार, क्लास ची का मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड।
66256191	ट्रैक मशीन के उपयोग के लिए सीआरसीसी एचटीईसी मेक के स्पेयर्स (पुर्जों) की खरीद।
83252038	प्री-प्रिंटेड थर्मल (ए.टी.वी.एम. टिकट रोल)
66256838	प्लासर मेक के ट्रैक मशीन स्पेयर्स।
76251265	4.00X350 मिमी आकार, क्लास च5 का मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड।
66255697B	ट्रैक मशीन के लिए Deutz मेक के स्पेयर्स की खरीद।
33251010	फ्लैट बोगी के निर्माण के लिए 25 वस्तुओं का सेट।
66257995	ट्रैक मशीन के लिए लोरम मेक के स्पेयर्स की खरीद।

नोट:- निविदा खुलने की नियत तारीखें

SL. No. 01 on dt.08.10.2025, SL. No. 02 & 03 on dt.13.10.2025, SL. No. 04 & 05 on dt.14.10.2025, SL. No. 06 & 07 on dt.16.10.2025, SL. No. 08 on dt. 21.10.2025, SL. No. 09 to 11 on dt 22.10.2025, SL. No. 12 & 13 on dt 27.10.2025, SL. No. 14 on dt .28.10.2025.

शुद्धिपत्र

1.**निविदा सूचना संख्या** 38/2025 **दिनांक** 19.09.2025 **निविदा सं.** 29255018, **नियत तारीख** 16.10.2025, **संक्षिप्त विवरण:** रूफ माउंटेड एयर कंडीशनिंग सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग आदि। की नियत तारीख मौजूदा के स्थान पर 06.10.2025 पढ़ी जाए।

2.**निविदा सूचना संख्या** 37/2025 **दिनांक** 12.09.2025 **निविदा सं.** 66257773, **नियत तारीख** 15.10.2025, **संक्षिप्त विवरण:** टीएम स्पेयर्स की खरीद। की नियत तारीख मौजूदा के स्थान पर 20.10.2025 पढ़ी जाए।

3.**निविदा सूचना संख्या** 36/2025 **दिनांक** 04.09.2025 **निविदा सं.** 54255007-, **नियत तारीख** 24.09.2025, **संक्षिप्त विवरण:** एकीकृत टिकटिंग नेटवर्क में वैन पोर्ट वाले राउटर। की नियत तारीख मौजूदा के स्थान पर 06.10.2025 पढ़ी जाए।

4.**निविदा सूचना संख्या** 36/2025 **दिनांक** 04.09.2025 **निविदा सं.** 54255012, **नियत तारीख** 15.09.2025, **संक्षिप्त विवरण:** स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें। की नियत तारीख मौजूदा के स्थान पर 06.10.2025 पढ़ी जाए।

उपरोक्त वर्णित निविदाओं के अलावा 50 **लाख रुपये से अधिक मूल्य** की अन्य निविदाएं भी हैं। विवरण के लिए, कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी की 110वीं जयंती पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

यादगिरिगुट्टा, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारत पद्मशाली अन्ना सत्रम के तत्वावधान और श्री धरणी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल के सहयोग से यदागिरिगुट्टा नगर केंद्र में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।सत्रम के उपाध्यक्ष चुंचु नागा भूषणम ने बापूजी की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।महासचिव रचा श्रीनिवास ने कहा कि बापूजी के योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेंगे।अनिर्चा श्रीनिवास ने उनके अथक संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य के निर्माण और 97 जातियों को प्रतिनिधित्व दिलाने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई।इस अवसर पर रक्तचाप और शर्करा की जांच की गई और ज़रूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। श्री धरणी अस्पताल से जुड़े विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सेवाएं प्रदान कीं। जिनमें- डॉ. रेवंत - जनरल सर्जन,डॉ. राकेश गौड़ - जनरल फिजिशियन, डॉ. श्रावंती - स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. जगदीश बाबू - हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. रमेश के अलावा अस्पताल के एमडी श्रीकर और श्रीलक्ष्मी, तथा सीईओ मद्देला करुणाकर भी विशेष रूप से मौजूद रहे।इस कार्यक्रम में सहायक सचिव गुज्जा बलराम, टाउन एसोसिएशन अध्यक्ष एर्रागांटा वेंकटेश, गंजी सूर्य नारायण, कोदुरी राजू, ट्रस्टी गुज्जा निर्मला, अंकम नरसिम्हा, पुलगम भिक्षापति, कैरकोंडा मधु, पुलागम कैलासम, बोम्मा सूर्य नारायण, मिरियाला लक्ष्मी, एर्रागुंटला शेखर, मुकुंद मधु, रचा लक्ष्मी बाई, गोरला ज्योति, मुकुंद किश्तैया, हेमलता, भाग्य लक्ष्मी, गुरु वसंत, रवि, महेश, नरेंद्र शंकर, स्वाति, संतोषा, सराय प्रबंधक पांडुरंगम सहित कई अन्य स्थानीय लोग और ट्रस्टी उपस्थित रहे।

ई-निविदा सूचना सं. N-SG-36-2025-26-REL-19, दि. 24.09.2025 PUB/1207

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/नांदेड़ द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या और दिनांक: N-SG-36-2025-26-REL-19 दिनांक 24.09.2025, **कार्य का नाम:** सिग्नलिंग संपत्तियों की विश्वसनीयता और रखरखाव में सुधार, सिग्नलिंग केबलों के लिए कम इन्सुलेशन का कार्य और नांदेड़ मंडल में सिग्नलों और लोकेशन बॉक्सों की अर्थिंग, **अनुमानित परियोजना लागत:** रु. 2,53,77,714.00, **बोली सुरक्षा जमा राशि:** रु. 2,76,900.00, **कार्य पूर्ण होने की अवधि:** 12 महीने, **बोली बंद होने की तिथि** (बोली की नियत तारीख): 17.10.2025 को 15:00 बजे, **बोली खुलने की तिथि:** 17.10.2025 को 15:00 बजे के बाद, **प्रस्ताव की वैधता:** बोली बंद होने की तारीख से 60 दिन, **निविदा पुस्तिका की लागत:** रु. 0.00;

सभी बोलियां भारतीय रेलवे के ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार अभियंता/नांदेड़

ई-निविदा सूचना सं. N-SG-36-2025-26-Med-18, दि. 24.09.2025 PUB/1208

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/नांदेड़ द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या और दि. : N-SG-36-2025-26-Med-19 दिनांक 24.09.2025, **कार्य का नाम:** नांदेड़ मंडल में कहरगांव नाका से शिवनीशिवपुर और परभणी मुदखेड़ स्टेशन तक एलबी से रिले रूम तक बीपीएसी प्रणाली के लिए मीडिया रिडंडेंसी का प्रा-वधान, **अनुमानित परियोजना लागत:** रु. 1,18,87,049.00, **बोली सुरक्षा जमा राशि:** रु. 2,09,400.00, **कार्य पूर्ण होने की अवधि:** 12 महीने, **बोली बंद होने की तिथि** (बोली की नियत तारीख): 17.10.2025 को 15:00 बजे, **बोली खुलने की तिथि:** 17.10.2025 को 15:00 बजे के बाद, **प्रस्ताव की वैधता:** बोली बंद होने की तारीख से 60 दिन, **निविदा पुस्तिका की लागत:** रु. 0.00;

सभी बोलियां भारतीय रेलवे के ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार अभियंता/नांदेड़

No. NW/148/WIII/निविदा सूचना/2025-26, दि. : 25.09.2025 PUB/1209

निम्नलिखित निविदा कार्य भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर अपलोड किया जा रहा है। निविदा का विवरण जो पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र.सं. 1, निविदा सं.: टी-202526-2-071, **प्राधिकरण:** समन्वय, **निविदा मूल्य रु. में:** 9,74,72,767.04, **बयाना राशि रु. में:** 6,37,400.00, **पूर्ण होने की अवधि:** बारह महीने, **कार्य का विवरण:** नांदेड़ मंडल: SW-I :- मनमाड-मुदखेड़, अकोला-पूर्णा और मुदखेड़-पिंपलकुट्टी खंड: यात्री रनिंग लूप लाइनों पर सीटीआर (पी) 36.075 किमी SW-II :- एमएलएसयू स्टेशन (एके-पीएयू) पर पीक्यूआरएस डिपो, पीडब्ल्यूपी मद सं. 31140 वर्ष 2025-26 का (आईआरपीएसएम परियोजना आईडी: 11.04.31.25.1.53.001), **निविदा प्रपत्र की लागत रु. में:** 0.00

क्र.सं. 1, निविदा सं.: टी.-202526-2-071, **समान प्रकृति का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए):** ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा **24.10.2025 को 15:00** बजे बंद होगी।

वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय/नांदेड़

A1526

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

मंचेरियाल में थिएटर संचालकों ने लाभकारी शो के लिए 800 रुपए वसूले

टिकट की कीमतें न बढ़ाने के हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी

मंचेरियाल, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा फिल्म 'ओजी' के टिकट मूल्य में वृद्धि के आदेश को निलंबित कर दिया है। सरकार ने गुरुवार को रिलीज़ होने वाली इस फिल्म के टिकट मूल्य में लाभकारी शो के लिए 800 रुपये, सिंगल स्क्रीन के लिए एक सप्ताह के लिए 100 रुपये और मल्टीप्लेक्स के लिए 150 रुपये की वृद्धि की अनुमति दी थी। इस बीच, उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एनवी श्रवण कुमार ने सरकार द्वारा दिए गए इन आदेशों को निलंबित करने के आदेश जारी किए।

आदेश आने के बावजूद मंचेरियल जिला केंद्र में लाभकारी शो दिखाने वाले एसवीसी सिनेमाज, जेमिनी (लक्ष्मी) और श्रीनिवास थिएटर्स ने लाभकारी शो के टिकट 800 रुपये में बेचे। इन थिएटर्स के लिए प्रत्येक टिकट बुकमाईशो और जिला ऐप पर 800 रुपये में बुक किया गया था। इसके साथ ही सिनेमा प्रेमी उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन न करने के लिए इन थिएटर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पवन कल्याण के कुछ प्रशंसक शिकायत कर रहे हैं कि टिकट की ऊँची कीमतों के कारण वे फिल्म नहीं देख पाए और इसे एक और दिन के लिए स्थगित करना पड़ा।

उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद ओजी सिनेमा के बेनिफिट शो के टिकट 800 रुपये में बेचे जाने के बारे में पूछे जाने पर आदिलाबाद जिला सिनेमा थिएटर वर्कर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यनारायण राव ने कहा कि चूँकि टिकट पहले ही जारी हो चुके हैं इसलिए कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि टिकट न केवल मंचेरियाल में बल्कि कई अन्य जगहों पर भी पहले ही बिक चुके हैं। उन्होंने बताया कि कल के टिकट 275 रुपये में होंगे क्योंकि पिछले सरकारी आदेश के अनुसार फिल्म रिलीज़ के दिन 110 रुपये वाले सिंगल स्क्रीन टिकट 275 रुपये में बेचे जा सकते हैं।

गौरतलब है कि अदालत ने टिकट के दाम बढ़ाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। फिर भी थिएटर प्रबंधकों ने टिकट के दामों पर कोई समझौता नहीं किया। अब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। मंचेरियल के थिएटर नियमों का पालन नहीं करते।ऐसी आलोचनाएँ हैं कि मंचेरियल जिला केंद्र में स्थित एक मल्टीपल स्क्रीन वाला थिएटर नियमों का पालन नहीं कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा 2021 में दिए गए आदेश, जी.ओ. एमएस संख्या 121 के अनुसार, वाहन पार्किंग शुल्क केवल सिंगल स्क्रीन वाले थिएटर्स में ही वसूला जाना चाहिए। दोपहिया वाहनों के लिए 20 रुपये और चार पहिया वाहनों के लिए 30 रुपये लिए जा सकते हैं। दो या उससे अधिक स्क्रीन वाले सिनेमाघरों में वाहनों के लिए पार्किंग शुल्क लेना संभव नहीं है। लेकिन मंचेरियल जिले के केंद्र में स्थित एक से ज़्यादा स्क्रीन वाले थिएटर के प्रबंधक इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। वे मनमाने ढंग से पार्किंग शुल्क वसूल रहे हैं। यह बात आलोचना का विषय है कि जिन अधिकारियों को नियमों का पालन न करने वाले सिनेमाघरों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए वे इस दिशा में ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इस घटना ने स्थानीय सिनेमा प्रेमियों में असंतोष पैदा कर दिया है। कई लोग सोशल मीडिया पर अपनी शिकायतें दर्ज करा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि संबंधित विभाग तत्काल कार्रवाई करे। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसी अनियमितताओं पर सख्ती नहीं की गई तो सिनेमा उद्योग की विश्वसनीयता पर बट्टा लग सकता है। जिला प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वे जल्द ही इस मामले की जांच कर उचित कदम उठाएंगे।

भारी बारिश के बाद मंचेरियाल में टूटा प्राचीन मेदा चेरुवु

मंचेरियाल, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के मंदामरी मंडल स्थित बोक्कलगुट्टा गाँव में बुधवार को हुई भारी बारिश के बाद प्राचीन मेदा चेरुवु सिंचाई तालाब टूट गया। तालाब की दीवार में आई दरार के चलते पानी का तेज़ प्रवाह हुआ। इस घटना का एक वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

बारिश के दबाव से बाँध का एक हिस्सा टूटकर कटाव बन गया, जिससे लगभग 15 मीटर चौड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया। देखते ही देखते तालाब का अधिकांश पानी बाहर निकल गया। किसानों ने आशंका जताई है कि इस दरार के कारण आगामी दिनों में पानी की उपलब्धता घट सकती है, जिससे खेती पर सीधा असर पड़ेगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन और सिंचाई विभाग से तत्काल मरम्मत करने की अपील की।

घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे सिंचाई अधिकारियों ने कहा कि दरार के कारणों और मरम्मत कार्य की अनुमानित लागत पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे शीघ्र ही उच्चाधिकारियों को सौंपा जाएगा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऊपरी इलाकों में हुई भारी बारिश के दबाव से बाँध टूटा।

बोक्कलगुट्टा गाँव का मेदा चेरुवु ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माना जाता है कि इसका निर्माण लगभग 900 ईस्वी में आदिवासी राजा मेदराजू ने काकतीय शासकों की मदद से करवाया था। यह तालाब सदियों से गाँव की सिंचाई और पेयजल की मुख्य धारा बना हुआ है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, MIDDE LAXMAIAH Father of Service No. 2622070H Sep M CHINNAIAH, Resident of 4-77/2, Main Road, Peddamudnur Vill, Muddunurkalan Po, Teh:Nagarkurnool, Dist:Nagarkurnool, Telangana-509412 have changed my name and DOB from M LAXMAIAH, DOB: 20-08-1966 to MIDDE LAXMAIAH, DOB: 01-01-1963 vide affidavit dt:27-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, MIDDE LINGAMMA Mother of Service No. 2622070H Sep M CHINNAIAH, Resident of 4-77/2, Main Road, Peddamudnur Vill, Muddunurkalan Po, Teh:Nagarkurnool, Dist: Nagarkurnool, Telangana-509412 have changed my name and DOB from M CHINNALINGAMMA, DOB: 17-06-1973 to MIDDE LINGAMMA, DOB:01-01-1968 vide affidavit dt:27-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 2622070H Sep M CHINNAIAH, Resident of 4-77/2, Main Road, PeddamudnurVill, Muddunurkalan Po, Teh:Nagarkurnool, Dist:Nagarkurnool, Telangana-509412 that my son name is to be changed from M SREEYANSH to MIDDE SREEYANSH vide affidavit dt:27-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, G ARUNA K Spouse of No.JC 442208X Sub SATTEYYA KOMARA, Resident of H.No.1-39, Vill:KothaPeta, Teh:Vajrapukotturu, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532218 have changed my name from G ARUNA K to KOMARA ARUNA vide Affidavit dated: 26-9-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, MONORANJAN DAS is legally Father of Service No-17026460X, Rank-NK,Name-Koushik Das Residing at Vill-Madanpur, PO-Dhapdhapi,Teh-Baruipur,Dist-South 24 Parganas,PIN-743387,State-West Bengal. I have changed my name from MONORANJAN DAS to MANARANJAN DAS and also Date of Birth changed from 01 July 1960 to 08 Jan 1960 Affidavit dated 26 Sep 2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No-14652757L,Rank-HAV, Name-Venkat Reddy M Residing at Vill- Venkat Reddy Pally, Mandal-Gandeed,Distt-RangaReddy,PIN-509337,State-Telangana have changed my Daughter name from M SATVIKA to MARIKANTI SATVIKA and DOB is 28/05/2017 Affidavit dated 25 Sep 2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, C SIVARANJINI is legally wedded Spouse of Service No-17010719Y, Rank-CFN, Name- Velayudharaja S Residing at H.No-1/330-36, Sivan Kovil Street,Vill- Murugan Nagar, PO-Kumaragiri,Distt-Thoothukkudi,,PIN-628103,State-Tamil Nadu have changed my name from C SIVARANJINI to SIVARANJINI C and DOB is 14/04/1995 dated 26 Sep 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, M NIRAJA is legally wedded Spouse of Service No-14652757L, Rank-HAV, Name-Venkat Reddy M Residing at Vill- Venkat Reddy Pally, Mandal-Gandeed,Distt-Ranga Reddy, PIN-509337,State-Telangana have changed my name from M NIRAJA to MARIKANTI NIRAJA and DOB is 10/05/1992 dated 26 Sep 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

लड़ाकू विमान ने 62 साल तक की देश की सेवा

आखिरी सलामी लेकर रिटायर हो गया मिग-21

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान मिग-21 आखिरी उड़ान और आखिरी सलामी लेकर 26 सितंबर 2025 को रिटायर हो गया। 62 साल तक देश की सेवा में रहा यह विमान ऑपरेशन सिंदूर में पूरी तरह अलर्ट मोड में था और इसकी लड़ाकू रेकी जारी थी। स्ट्राइक के साथ-साथ जासूसी में भी मिग-21 का खास योगदान रहा। हजारों फीट की ऊंचाई से टारगेट पर मिसाइल दाग तेज रफ्तार से गायब हो जाने वाले इस फुर्तीले लड़ाकू विमान ने कई टोही मिशनों को बखूबी अंजाम दिया है। इनमें पाकिस्तान में स्कार्दू की घाटी से लेकर करगिल और ऑपरेशन ब्लू स्टार में मिग-21 ने अहम भूमिका निभाई थी।

मिकोयान-गुरेविच के नाम पर बना मिग-21 भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान था। इसे 1963 में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। इस विमान ने 1960 और 70 के दशक में तकनीकी रूप से बढ़त हासिल की थी। मिग-21 सभी मौसमों में काम कर सकता है और यह हवा से जमीन पर मार करने वाले अलग -अलग तरह के हथियार ले जाने में सक्षम है। मिग-21 एक रूसी विमान था, जिसे भारत ने लगभग पौने दो सौ करोड़ रुपए की कीमत में रूस से खरीदा गया था। भारत को 874 मिग-21 मिले थे। इसमें से 600 का निर्माण भारत में ही किया गया था। मिग-21 की अधिकतम गति 2,175 किमी प्रति घंटा है, इसी वजह से मिशन को अंजाम देकर देखते ही देखते यह फुर्ती से अदृश्य हो जाता है। एयर-टू-एयर मिसाइल, बम, और अन्य उपकरण ले जाने में सक्षम है। पेलोड क्षमता लगभग 3,500 किलोग्राम है। यह विमान सुपरसोनिक गति में उड़ान भर सकता है, जो तत्कालीन समय के अन्य विमानों की तुलना में तेज थी। इसका डिजाइन राकेटनुमा और मजबूत है। पेलोड के साथ इसका वजन करीब 5300 किलो है। मिग-21 में विभिन्न प्रकार की मिसाइलें और अन्य हथियार ले जाने की क्षमता, जिससे यह हवा में लड़ाई में सक्षम था। स्ट्राइक के साथ-साथ इसका इस्तेमाल ट्रेनर और टोही मिशनों के लिए भी किया गया।

हालांकि मिग -21 एक लड़ाकू विमान था लेकिन इसका इस्तेमाल जब टोही (जासूसी) विमान के रूप में किए जाने का निर्णय लिया गया तो इनमें टाइप 751 पैनोरमिक कैमरा समेत इलेक्ट्रानिक्स और अन्य संवेदेशनील उपकरण इंस्टॉल किए गए, जो टोही मिशनों के लिए मददगार बने। वायुसेना के अधिकारी बताते हैं कि यह कैमरा उच्च गुणवत्ता की तस्वीरें लेने में सक्षम है। इसका उपयोग एयरक्राफ्ट की निगरानी और टारगेट पहचान के लिए किया जाता है। इससे वायुसेना के टोही और निगरानी अभियान अधिक सटीक व प्रभावशाली बन गए। इस अपग्रेडेशन के बाद खुफिया जानकारी और सूचना एकत्र करने के लिए भी मिग-21 का इस्तेमाल किया जाने लगा।ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, मिग -21 भारतीय वायुसेना में 1963 में शामिल हुआ। यह एक वायु रक्षा लड़ाकू विमान था, जो उस समय केवल दो के-13 मिसाइलों और साधारण इन्फ्रारेड होमिंग सिस्टम से लैस था। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में मिग-21 ने पहली बार युद्ध में भाग लिया।

सुखद और दुखद संस्मरणों के साथ इसे याद रखा जाएगा

उस समय केवल एक स्काड्रन (28 स्काड्रन) ही इस विमान से लैस थी। इसके बाद इसमें जीपी-9 गन पॉड लगाया गया, जिसमें 23 मिमी की गशा तोप फिट की गई। इससे इसकी मारक क्षमता बढ़ गई और यह पाकिस्तान के एफ-86 सेबर और एफ-104 स्टार फाइटर जैसे विमानों के मुकाबले में खड़ा हो सका, जिनमें मिसाइल और गन दोनों मौजूद थे।साल 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान मिग-21 विमानों ने भारतीय वायुसेना को टोही मिशनों में सहायता की जिससे दुश्मन की स्थिति और गतिविधियों का पता लगाया जा सका। साल 1971 में भी भारत-पाकिस्तान युद्ध में मिग-21 को टोही कार्यों में लगाया गया। विमान ने दुश्मन के ठिकानों की पहचान करने में मदद की। स्कार्दू पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में स्थित है और कई कारणों से सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है। साल 1984 से 1987 तक एयरफोर्स ने स्कार्दू में मिग-21 के कई टोही मिशन चलाए। इसका मकसद स्कार्दू क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए सामरिक जानकारी इकट्ठा करना था। इस मिशन ने भारतीय वायुसेना को स्कार्दू क्षेत्र में रणनीतिक जानकारी प्रदान की।करगिल के बीडीए दर्रे पर मिग-21 का एफआर (फोटोग्राफिक रिकॉर्डिंग) मिशन वायुसेना का एक महत्वपूर्ण अभियान था। इस मिशन का उद्देश्य दुश्मन की स्थिति और गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करना था। इस मिशन के तहत करगिल युद्ध के दौरान मिग-21 की जासूसी से भारतीय सेना को बेहतर स्थिति की जानकारी मिली, जिससे उन्हें युद्ध में लाभ हुआ। साल 1984 में अमृतसर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान मिग-21 का उपयोग मुख्य रूप से हवाई निगरानी और ग्राउंड पर ऑपरेशन को अंजाम दे रही फौज को समर्थन के लिए किया गया था। जरूरत पड़ने पर कार्रवाई के लिए इन्हें तैयार रखा गया था। अब तक भी भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन सीमा पर नियमित निगरानी व संभावित खतरे का समय पर पता लगाने के लिए इनका उपयोग किया जाता रहा है।

भारत का पहला सुपर विमान मिग-21 अक्सर विवादों में घिरा रहा है। रूस से भारत ने जब इन विमान को लिया था। तो उन्होंने इसे लगभग 40 साल की उम्र बताकर भारत को बेचा था। मगर समय-समय पर भारतीय इंजीनियरों ने इसे अपग्रेड किया। नतीजतन आज ये विमान 62 साल की उम्र के बाद रिटायर हो रहे हैं। हालांकि इस विमान में लंबे समय से कुछ तकनीकी, मेंटेनेंस और कुछ मानवीय कमियों के कारण यह दुर्घटनाग्रस्त भी होते रहे।

इसी वजह से इन्हें उड़ता ताबूत और विडो मेकर कहा जाने लगा। अभी तक देश में मिग-21 की करीब 490 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें 200 से ज्यादा पायलटों की जान जा चुकी है। इनमें से कई घटनाएं तकनीकी खराबी, बर्ड हिट या रनवे पर विफलता के कारण हुईं। तेज रफ्तार के दौरान पायलट के लिए कम विजिबिलिटी भी एक बड़ी कमी थी।रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से 97 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 62,370 करोड़ रुपए का अनुबंध किया है। ये विमान 2027-28 से वायुसेना को मिलने शुरू होंगे। ये पुराने मिग-21 की जगह लेंगे। तेजस एमके-1ए विमानों में स्वयम् रक्षा कवच और आधुनिक कंट्रोल एक्ट्यूएटर जैसे एडवांस फीचर होंगे। इनमें 64 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी पुर्जे होंगे और 67 नए स्वदेशी आइटम जोड़े गए हैं। तेजस एक मल्टी-रोल फाइटर है, जो एयर डिफेंस, समुद्री निगरानी और स्ट्राइक मिशन में इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान में वायुसेना के पास केवल 31 स्काड्रन बचे हैं, जबकि अधिकृत संख्या 42 स्काड्रन की है।

भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचन्द्र राव से मीटिंग हॉल, ताज कृष्णा में शिष्टाचार भेंट करते हुए ट्रस्टी जैन रत्न रमेश पी. तातेड (सिरोही, राजस्थान) सिकंदराबाद, गौतम जोठा, जिनय तातेड, एतांश रितेश एवं हरित तपन। यह मुलाकात आपसी सौहार्द, विचार-विनिमय और भविष्य में समाज तथा संगठन के हित में संयुक्त रूप से कार्य करने के संकल्प की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हुई।

17वीं एचएफआई मिनी राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप

तेलंगाना की बालक व बालिका टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के निज़ाम कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित 17वीं एचएफआई मिनी बालक एवं बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप (26 से 29 सितम्बर 2025) के लीग मैचों में रोमांचक मुकाबले खेले गए। शनिवार, 27 सितम्बर 2025 को हुए मैचों में कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले।

दिल्ली ने दादरा एवं नगर हवेली को 16-04 से हराया जबकि तेलंगाना ने असम को 08-03 से पराजित किया। इस मैच में ए. रणधीर 5 गोल और बी. राजकुमार 3 गोल कर शीर्ष स्कोरर रहे।

केरल और ओडिशा का मैच रोमांचक ड्रॉ पर समाप्त हुआ (12-12)। वहीं मध्य प्रदेश ने तमिलनाडु पर 13-10 से जीत हासिल की।

अन्य मैचों में झारखंड ने गुजरात को 14-08 से, आंध्र प्रदेश ने कर्नाटक को 16-15 से, मुंबई हैंडबॉल अकादमी ने मध्य प्रदेश को 09-07 से और उत्तराखंड ने महाराष्ट्र को 09-07 से पराजित किया।

बालिका वर्ग में दादरा एवं नगर हवेली ने ओडिशा को 12-05 से शिकस्त दी। हरियाणा ने गुजरात को 16-04 से मात दी। मुंबई हैंडबॉल अकादमी ने केरल पर 09-03 से जीत दर्ज की।

तेलंगाना बालिका टीम ने आंध्र प्रदेश को 14-07 से परास्त किया। इस मैच में गंगुबाई ने 8 गोल और पार्वती ने 4 गोल कर शानदार प्रदर्शन किया। तमिलनाडु ने केरल को 14-09 से हराया, झारखंड ने कर्नाटक को 07-03 से और महाराष्ट्र ने मध्य प्रदेश को 07-04 से मात दी।बालक वर्ग में - दिल्ली, तेलंगाना, महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और ओडिशा ने क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई है।वहीं बालिका वर्ग में - दमन एवं दीव, झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, तमिलनाडु, तेलंगाना और दिल्ली की टीमें क्वालिफ़ाई हुई हैं।गौरतलब है कि तेलंगाना की बालक एवं बालिका दोनों टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में पहुँचकर राज्य का मान बढ़ा चुकी हैं।

राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद द्वारा पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर शुक्रवार 26 सितम्बर से सोमवार 29 सितम्बर तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक बाहेती भवन, सिद्धांबर बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें- विशेष अतिथि: वीरेंद्र अग्रवाल, श्रीमति जया रमेश जागीरदार, अजय कुमार जैन, श्रीमति अलका चौधरी (नारायण सेवा समिति), डॉ. भगवंत राव,समिति पदाधिकारी: अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, प्रचार-प्रसार मंत्री रिद्धिस जागीरदार, सह-कोषाध्यक्ष मनीष सोमानी, श्रीमति आशा देवी सोमानी, बाला प्रसाद मोदानी, गोविन्द राव बिरादर, ओमप्रकाश काछवा एवं अन्य उपस्थित थे। इस सामाजिक पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता के लिए पुराने किंतु उपयोगी कपड़ों को एकत्र कर उन्हें वितरण हेतु उपलब्ध कराना है।

एसडी सिग्नोडीया कॉलेज के एमबीए विभाग में बातुकम्मा पर्व का उत्साहपूर्ण आयोजन

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस. डी. सिग्नोडीया कॉलेज के एम.बी.ए. विभाग में बातुकम्मा पर्व का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। विभाग के कोरेस्पॉन्डेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि बातुकम्मा पर्व तेलंगाना के सभी निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसे व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामूहिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

अग्रवाल शिक्षा समिति की सभी संस्थाओं में इस त्योहार को हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विद्यार्थी और शिक्षक इस पर्व का बेसब्री से इंतजार करते हैं। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम माँ दुर्गा की तस्वीर और फूलों से सजी बातुकम्मा की पूजा और आरती की गई, जिसमें कोरेस्पॉन्डेंट, शिक्षकगण और विद्यार्थीगण ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजा के बाद महिलाओं ने फूलों से सजी बातुकम्मा के चारों ओर नाचते-गाते हुए फेरी लगाई, जो इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस अवसर पर एम.बी.ए. विभाग की निदेशिका डॉ. पल्लवी के. रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह, वेंकटेश, किरण, रश्मिता, पद्मजा, लाइब्रेरियन सीनू, कार्यालय इंचार्ज मनोज, सुनयना सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के समापन पर मुकुंद लाल अग्रवाल ने सभी उपस्थित लोगों को बातुकम्मा और नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, उन्होंने आगामी दशहरा पर्व के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ भी दीं। इस आयोजन ने सभी में एकता और उत्साह का संचार किया, और तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं को और अधिक मजबूती प्रदान की।

माता की चौकी का आयोजन

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैदाबाद स्थित विजय गणपति मंदिर में डॉ. प्रवीण चिकोटी द्वारा माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया।इस अवसर पर डॉ. प्रवीण चिकोटी के साथ गुजराती समाज के अध्यक्ष जिग्नेश जोशी, समाज सेविका पूजा गुप्ता, सत्नारायण गुप्ता तथा अन्य श्रद्धालु विशेष रूप से उपस्थित रहे।पूरे कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण रहा और माता रानी के भजनों व आरती से मंदिर प्रांगण गूंज उठा।

अग्रवाल समाज महिला विंग गच्चीबोली शाखा एवं वसुधैव कुटुंबकम गच्चीबोली की ओर से एक भजन संध्या का आयोजन शाखा अध्यक्ष गीता अग्रवाल के निवास स्थान पर किया गया।
इस भक्ति संध्या में भगवान श्रीकृष्ण, दुर्गा माता और हनुमान जी के भजनों का भावपूर्ण आनंद लिया गया। वातावरण में गूँजे भजनों से उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर हो गए। भजन संध्या में समाज के अनेक प्रतिष्ठित सदस्यों की उपस्थिति रही।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नामपल्ली में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास जरूरतमंद लोगो को नाश्ता (अल्पाहार) करवाया गया। आज की सेवा श्री प्रतीक कुमार अग्रवाल परिवार की और से की गई।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, महेश अग्रवाल, भगतराम गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, संजय गोयल, किरण गोयल, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, गोपाल गोयल, प्रतीका अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया तथा युवान केडिया उपस्थित थे।

तेलंगाना में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का बड़ा फेरबदल

वीसी सज्जनार हैदराबाद पुलिस आयुक्त नियुक्त

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के लिए व्यापक तबादलों और नियुक्तियों का आदेश जारी किया है, जो 26 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। यह बदलाव राज्य में शासन और कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सज्जनार को हैदराबाद पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान में आरटीसी के एमडी के रूप में कार्यरत हैं। सरकार ने वर्तमान में हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद को गृह मंत्रालय का प्रधान सचिव नियुक्त किया है।

अब तक खुफिया प्रमुख रहे शिवधर रेड्डी के डीजीपी का पदभार संभालने के बाद सरकार ने खुफिया विभाग की जिम्मेदारी विजय कुमार को सौंप दी है। अग्निशमन महानिदेशक के रूप में कार्यरत नागिरेड्डी का तबादला आरटीसी के एमडी के रूप में किया गया है।

सरकार ने हाल ही में कई विवादों में रहे हैं सिरसिला के कलेक्टर संदीप कुमार झा का तबादला किया है। उन्हें विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। हरिता को राजन्ना सिरसिला का कलेक्टर नियुक्त किया गया है।

आईएएस तबादले

-1999 बैच के आईएएस सैयद अली मुर्तजा रिज़वी, जो वाणिज्यिक कर एवं आबकारी विभाग के प्रधान सचिव हैं, को सामान्य प्रशासन विभाग में प्रधान सचिव (चुनाव) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। वे एम. रघुनंदन राव (2002 बैच) का स्थान लेंगे।

-एम. रघुनंदन राव को वाणिज्यिक कर आयुक्त और परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वे क्रमशः के. हरिता (2013) और के. सुरेन्द्र मोहन (2006) का स्थान लेंगे।

-के. सुरेन्द्र मोहन कृषि एवं सहकारिता सचिव के साथ-साथ सहकारिता आयुक्त, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार और विपणन निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे।

-शिक्षा विभाग की विशेष सचिव एम. हरिता को राजन्ना सिरसिला जिले का कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। उन्हें वित्त विभाग का विशेष सचिव भी बनाया गया है। वह संदीप कुमार झा (2014) का स्थान लेंगी।

-संदीप कुमार झा को परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग में विशेष सचिव के रूप में स्थानांतरित किया गया है।

आईपीएस तबादले

-1990 बैच के रवि गुप्ता को तेलंगाना सुशासन केंद्र (हैदराबाद) का कार्यकारी उपाध्यक्ष और डीजी नियुक्त किया गया।
-सी.वी. आनंद (1991 बैच), हैदराबाद पुलिस आयुक्त, को गृह विभाग का विशेष मुख्य सचिव नियुक्त किया गया।
-शिखा गोयल (1994 बैच) को सतर्कता प्रवर्तन महानिदेशक और जीएडी विभाग की पदेन प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी दी गई। वह साइबर सुरक्षा ब्यूरो निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगी।
-स्वाति लाकड़ा (1995 बैच) को डीजी, विशेष सुरक्षा बल का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।
-महेश भागवत (1995 बैच) को एडीजीपी, कार्मिक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया, वे अनिल कुमार का स्थान लेंगे।
-चारु सिन्हा (1996 बैच) को एसीबी, हैदराबाद के महानिदेशक की जिम्मेदारी दी गई।
-अनिल कुमार (1996 बैच) को ग्रेहाउंड्स ऑक्टोपस, एडीजी (ऑपरेशन) नियुक्त किया गया।
-वी.सी. सज्जनार (1996 बैच), वर्तमान में टीएसआरटीसी प्रबंध निदेशक, को हैदराबाद का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया।
-विजय कुमार (1997 बैच) को खुफिया विभाग का एडीजीपी नियुक्त किया गया।
-वाई नागी रेड्डी (1997 बैच) को टीएसआरटीसी का नया प्रबंध निदेशक बनाया गया।
-देवेंद्र सिंह चौहान (1997 बैच) को एडीजीपी, मल्टीजोन-खख नियुक्त किया गया।
-विक्रम सिंह मान (1998 बैच) को डीजी, आपदा प्रतिक्रिया व अग्निशमन सेवा नियुक्त किया गया।
-एम. स्टीफन रवींद्र (1999 बैच) को आयुक्त, नागरिक आपूर्ति तथा पदेन प्रमुख सचिव, सीएएफसीएस विभाग का चार्ज दिया गया।
-एम. श्रीनिवासुलु (2006 बैच) को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध, हैदराबाद शहर नियुक्त किया गया।
-तफ़सीर इकबाल (2008 बैच) को संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था), हैदराबाद नियुक्त किया गया।
-एस.एम. विजय कुमार (2012 बैच) को सिद्दीपेट का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया।
-सिंधु शर्मा (2014 बैच) को संयुक्त निदेशक, एसीबी नियुक्त किया गया।
-जी. विनीत (2017 बैच) को एसपी, नारायणपेट नियुक्त किया गया।
-बी. अनुराधा (2017 बैच) को डीसीपी, एलबी नगर जोन (राचकोंडा) बनाया गया।
-चौधरी प्रवीण कुमार (2017 बैच) को संयुक्त निदेशक, एसीबी नियुक्त किया गया।
-योगेश गौतम (2018 बैच) को डीसीपी, राजेंद्रनगर (साइबराबाद) नियुक्त किया गया।
-चौधरी श्रीनिवास (2018 बैच) को डीसीपी, पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद बनाया गया।
-रितिराज (2018 बैच) को डीसीपी, माधापुर के रूप में नियुक्त किया गया।

एक शाम मां भगवती के नाम जागरण सम्पन्न

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भजन संध्या पर झूमे भक्त

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। घटकेसर कोरेमुला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में 'एक शाम मां भगवती के नाम' विशाल जागरण का आयोजन भक्ति और उल्लास के माहौल में सम्पन्न हुआ। मंदिर प्रांगण में भव्य पंडाल सजाया गया, जहां पूजा-अर्चना और ज्योत प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।कार्यक्रम में डांडिया नृत्य व भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजन गायिका सीता माली एंड पार्टी (बालोतरा, जोधपुर, राजस्थान) और भजन गायक जीतू प्रजापत ने राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते रहे।

इस अवसर पर सर्व समाज के गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें - अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश सचिव सोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज पारसीगुटा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुकमाराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, सलाहकार भंवरलाल मुलेवा, श्री आईजी सेवा संघ चिरियाल अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, सीरवी समाज मल्लापुर बडेर अध्यक्ष तुलसाराम सिंडडॉ, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा, सभी अतिथियों का समाजबंधुओं ने शॉल और दुपट्टा पहनाकर विशेष सम्मान किया।

महा-प्रसादी की व्यवस्था स्थल पर ही की गई।

संरक्षक प्रभुराम परिहारिया और अध्यक्ष कालुराम काग ने समाजबंधुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष (1) वगताराम पंवार, उपाध्यक्ष (2) राजाराम पंवार, सचिव डायाराम लचेटा, सह सचिव राजाराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, खेल मंत्री ओमप्रकाश हाम्बड़, तथा सलाहकार पुनाराम हाम्बड़ और रमेश हाम्बड़ सहित संपूर्ण कार्यकारिणी सदस्य एवं नवयुवक मंडल के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

मंच का संचालन सचिव डायाराम लचेटा ने किया, जबकि कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। अंत में महाआरती और अध्यक्ष कालुराम काग तथा सचिव डायाराम लचेटा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

हैदराबाद बाढ़: मूसी नदी के उफान ने चादरघाट सहित कई इलाके जलमग्न किए

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 26-27 सितंबर की रात मूसी नदी के अचानक उफान पर आने से चादरघाट और आसपास के क्षेत्रों से हजारों परिवारों को सुरक्षित स्थलों पर निकाला गया। इस भीषण बाढ़ का कारण हिमायत सागर और उस्मान सागर जलाशयों से छोड़े गए लगभग 35,000 क्यूसेक पानी को बताया जा रहा है, जिसके चलते कई निचले इलाके पानी में डूब गए।मूसा नगर, शंकर नगर, कमल नगर, विनायक विधि और रसूलपुरा जैसे इलाकों में अचानक जलस्तर बढ़ने से लोग घरों और सामान को बचाने का मौका भी नहीं पा सके। अधिकांश प्रभावित लोग दिहाड़ी मजदूर हैं, जिन्होंने अपने घर और रोज़गार दोनों खो दिए।ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और आपदा प्रतिक्रिया इकाइयों ने तेज़ी से बचाव अभियान चलाया।शंकर नगर: लगभग 450-500 निवासियों को शहजादे मस्जिद में अस्थायी आश्रय दिया गया।मूसा नगर: 150 लोगों को सामुदायिक हॉलों में पहुंचाया गया।दुर्गा नगर एवं अंबेडकर नगर: मूसारामबाग पुल के पास के 45 परिवारों को लंका सरकारी हाई स्कूल में स्थानांतरित किया गया।कृष्णा नगर: 32 निवासियों को सामुदायिक हॉल में रखा गया। भू लक्ष्मी मंदिर क्षेत्र: 55 लोगों को जीएचएमसी सामुदायिक हॉल ले जाया गया।मलकपेट के विधायक अहमद बलाला ने राहत शिविरों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, जहां अस्थायी आश्रय, भोजन और चिकित्सा सुविधाएं दी गईं।बाढ़ का असर सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर भी गहरा रहा। मूसारामबाग में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल को क्षति पहुँची, जिसके खंभों के बीच अस्थायी सामग्री बह गई और लोहे की छड़ें मुड़ गईं। नागरिकों ने पुल की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। चदरघाट पुल जलमग्न होकर यातायात के लिए बंद किया गया।मूसारामबाग पुल भी बंद कर यातायात को वैकल्पिक मार्गों से मोड़ा गया।हैदराबाद यातायात पुलिस ने विशेष परामर्श जारी कर वैकल्पिक मार्ग सुझाए हैं।

प्रभावित क्षेत्र और बचाव अभियान सार्वजनिक ढांचे को नुकसान और यातायात प्रभावित

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्थिति की व्यक्तिगत निगरानी की और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई जनहानि न हो। सीएम कार्यालय ने अब तक बाढ़ से किसी की मौत न होने की पुष्टि की।वहीं बीआरएस नेता हरीश राव ने सरकार की तैयारियों को आपराधिक लापरवाही करार देते हुए समन्वय की नाकामी पर निशाना साधा।स्थानीय लोगों ने इसे पिछले 40 वर्षों की सबसे बड़ी बाढ़ बताया और इसकी तुलना 1908 की महान मूसी बाढ़ से की। भारतीय मौसम विभाग ने लगातार भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

मूसारामबाग पुल को संरचनात्मक क्षति नहीं : जीएचएमसी

मूसी नदी में आई बाढ़ के बावजूद मूसारामबाग पुल का मुख्य ढांचा सुरक्षित है। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने 27 सितंबर को निरीक्षण कर स्पष्ट किया कि तेज धाराओं से केवल अस्थायी निर्माण ढांचे बह गए हैं, लेकिन कंक्रीट का मुख्य ढांचा मज़बूत और सुरक्षित है। अधिकारियों ने बताया कि उस्मानसागर और हिमायत सागर जलाशयों से पानी की नियंत्रित रिहाई के चलते नदी में 35,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसने मूसी नदी को हाल के इतिहास का सबसे बड़ा उफान बना दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.